ममता का बीजेपी को कड़ा संदेश... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कन्नड़ सुपरस्टार यश के साथ... 11

वर्ष - 02, अंक - 98 | गाजियाबाद / शनिवार 11 जुलाई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

पुरी के राजा का राष्ट्रपति और पीएम को पत्र

कहा-इस्कान का अलग समय पर रथयात्रा निकालना गलत

भुवनेश्वर (एजेंसी)। पुरी के गजपति महाराज दिव्यसिंह देव ने इस्कान की तरफ से अलग तिथियों पर जगन्नाथ रथयात्रा और स्नान यात्रा निकालने पर आपत्ति जताई है। दिव्यसिंह देव ने 8 जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी को लेटर लिखा है और हस्तक्षेप की मांग की है। दिव्यसिंह ने कहा कि इससे प्राचीन परंपरा खत्म हो जाएगी। गजपति महाराज दिव्यसिंह देब श्रीजगन्नाथ मंदिर

प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हैं। उनका कहना है कि इस्कान रथयात्रा का आयोजन ऐसी तारीखों पर कर रहा है, जो शास्त्रों के अनुसार नहीं हैं। इससे भक्तों की भावनाएं आहत हो रही हैं। **इस्कान ने विदेशों में पहले मनाया उत्सव**- इस्कान ने 21 जून को लंदन, 14 जून को न्यूयॉर्क सिटी और 5 जुलाई को सिडनी में रथयात्रा निकाली थी। लेकिन इस साल, स्नान पूर्णिमा 29 जून को थी और पुरी में मुख्य रथयात्रा 16 जुलाई को होगी। इस्कान का कहना है कि भगवान जगन्नाथ पूरी दुनिया के श्रद्धालुओं के हैं। विदेशों में मौसम, स्थानीय परिस्थितियों और भक्तों की सुविधा को देखते हुए रथयात्रा की तारीखें अलग-अलग होती हैं ताकि ज्यादा लोग उत्सव में शामिल हों और जगन्नाथ संस्कृति का वैश्विक प्रसार हो।

टीएमसी के 3 पूर्व राज्यसभा सांसद भाजपा में शामिल

पार्टी ने तीनों को उपचुनाव में उम्मीदवार बनाया

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के तीन पूर्व राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव, सुखेंदु शेखर राय और प्रकाश चिक बराइक गुरुवार को भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा ने तीनों को बंगाल की तीन राज्यसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में टीएमसी की हार के बाद तीनों नेताओं ने

राज्यसभा की सदस्यता और टीएमसी से इस्तीफा दे दिया था। तीनों ने ममता से नाराजगी जताई थी और कहा था कि पार्टी मनमाने ढंग से चल रही है। सुखेंदु ने 8 जून, सुष्मिता ने 10 जून और प्रकाश ने 11 जून को रिजाइन दिया था। बंगाल की इन तीन राज्यसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए 24 जुलाई को वोटिंग और काउंटिंग होगी। 14 जुलाई तक नामांकन और नामांकन पत्रों की जांच 15 जुलाई को होगी।

तमिलनाडु का सीएम बनने के बाद करूर पहुंचे विजय

बोले-भगदड़ में हमने अपनी बहनों के बच्चों को खो दिया

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय शुक्रवार सुबह करूर पहुंचे। वे हाल ही में करूर में हुई भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र और कल्याणकारी सहायता प्रदान करने पहुंचे हैं।

इस दौरान मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि यहां 2025 में हुई भगदड़ की घटना को लेकर मुझे बहुत पीड़ा हुई। उस हादसे में हमने अपनी बहनों के बच्चों को खो दिया। मुख्यमंत्री शुक्रवार सुबह हवाई मार्ग से चेन्नई से रवाना हुए और उनके तिरुचिरापल्ली (तिरुची) हवाई अड्डे पहुंचने के बाद सड़क मार्ग से करूर पहुंचे। उनके स्वागत के लिए पूरे मार्ग पर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों द्वारा भव्य स्वागत की तैयारियां की गईं। विजय करूर-सेलम बाइपास रोड स्थित एटलस कलैयारंगम मैदान पहुंचने से पहले लगभग 10 किलोमीटर लंबा रोड शो किया। इसके बाद वह वहां आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित किया।

बारिश की वजह से कब्रों से बाहर निकल आए मुर्दे!

सहारपुर (एजेंसी)। मानसून की पहली धमाकेदार बारिश ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गुरुवार को जमकर कोहराम मचाया। एनसीआर में आने वाले गाजियाबाद और नोएडा की सड़कें लगभग थम सी गईं। गाड़ियों के जाम ने दोनों शहरों की रफ्तार को रोक दिया। कहीं सड़क धंसी तो कहीं पेड़ गिरे, आलम ये रहा है कि कुछ घंटों की बारिश ने अकेले गाजियाबाद में 6 लोगों की जान ले ली। लेकिन, वेस्ट यूपी के सहारनपुर में इस बारिश ने वो किया, जिसे जानकर शायद आपके भी रोंगटे खड़े हो जाएं। यहां भारी बारिश की वजह से पानी भरने के बाद मुर्दे अपनी कब्रों से बाहर निकल गए। मामला सहारनपुर जिले के गागलहेड़ी इलाके में पड़ने वाले सैय्यद माजरा गांव का है। यहां हाईवे के किनारे पर एक कब्रिस्तान बना हुआ है। गुरुवार को भारी बारिश होने की वजह से कब्रिस्तान में भी पानी भर गया और कई जगहों पर मिट्टी धंस गई। जलभराव से कई कब्रों को नुकसान पहुंचा और दफन हुए कुछ शव कफन सहित बाहर दिखाई देने लगे। कुछ ही देर में इस घटना की खबर गांव में आग की तरह फैल गई

यूपी के सहारनपुर में हड़कंप, सुनकर तुरंत दौड़े गांव वाले

और हड़कंप मच गया। गांव के लोग बड़ी संख्या में कब्रिस्तान पहुंचे और सबसे पहले शवों को सम्मानपूर्वक सुरक्षित जगहों पर रखवाया। इसके बाद जब बारिश थम गई, तो कब्रिस्तान का पानी निकाला गया और इन शवों को दोबारा दफनाने की व्यवस्था की गई। गांव के लोगों का कहना है कि बारिश पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही है। हाईवे किनारे बने नालों में पानी की निकासी का उचित इंतजाम ना होने की वजह से कब्रिस्तान में भी पानी भर गया था और इस वजह से शव बाहर आ गए। गांव के लोगों ने जिला प्रशासन के सामने गुहार लगाई है कि भविष्य में ऐसा ना हो, इसके लिए जल निकासी के उचित इंतजाम किए जाएं। वहीं, मौसम की अगर बात करें तो मानसून अभी एक्टिव है और 11 जुलाई को भी वेस्ट यूपी के कई जिलों में बारिश के आसार जताए गए हैं।

अल्कोहल मिक्स दवाओं की खुली बिक्री पर रोक

● 12 फीसदी से ज्यादा अल्कोहल वाली दवा बिना प्रिस्क्रिप्शन नहीं मिलेगी

कफ सिरप और टॉनिक पर असर, ड्रग रूल्स 1945 में किया बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने 12 फीसदी से ज्यादा अल्कोहल मिक्स दवाओं की खुली बिक्री पर रोक लगा दी है। अब ये दवाएं डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के बिना खरीदी या बेची नहीं जा सकेंगी। दवाओं के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए सरकार ने ड्रग्स रूल्स, 1945 में यह बदलाव किया है। नए नियम के तहत उन सभी पीने वाली दवाओं को 'शेड्यूल एच 1' कैटेगरी में शामिल कर दिया गया है। इनमें एथिल अल्कोहल की मात्रा 12 फीसदी से ज्यादा होती है और जो 30 मिलीलीटर से बड़ी बोतल में बेची जाती हैं।

मेडिकल स्टोर्स को 3 साल का रिकॉर्ड रखना होगा

मेडिकल स्टोर्स के लिए भी खास निर्देश हैं। अब मेडिकल स्टोर्स को इन दवाओं की बिक्री का पूरा रिकॉर्ड एक अलग रजिस्टर में रखना होगा। मार्केट में मिलने वाले कई कफ सिरप और टॉनिक में अल्कोहल की मात्रा काफी ज्यादा होती है। बिना रोक-टोक या डॉक्टर की पर्ची के मिलने से कई लोग इनका इस्तेमाल नशे के लिए करने लगे थे। इसी दुरुपयोग को रोकने और दवाओं की बिक्री की सख्ती से निगरानी के लिए सरकार ने यह कदम उठाया है।

लिवर के मरीजों के लिए गंभीर साइड इफेक्ट्स

हालांकि, जर्नल ऑफ मेडिकल टॉक्सिकोलॉजी की 2024 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अगर ऐसी दवाओं का बिना डॉक्टरी सलाह के या जरूरत से ज्यादा सेवन किया जाए, तो यह बच्चों, बुजुर्गों और लिवर के मरीजों के लिए गंभीर साइड इफेक्ट्स पैदा कर सकता है। इस कदम से भारत में ड्रग रेगुलेटरी सिस्टम और मजबूत होगा। दवाओं की ट्रेसेबिलिटी बढ़ेगी यानी यह पता लगाना आसान होगा कि कौन सी दवा कहां और किसे बेची गई। इससे दवाओं के गलत इस्तेमाल पर रोक लगेगी और मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी।

सरकार ने भी माना कि ई20 पेट्रोल से माइलेज पर असर

इथेनॉल विवाद के बीच आया नितिन गडकरी का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में ई20 फ्यूल, यानी पेट्रोल में 20 फीसदी इथेनॉल मिलाने का मामला हर दिन नए मोड़ ले रहा है। देशभर की जनता माइलेज ड्रॉप होने और परफॉर्मेंस प्रभावित होने के साथ ही इंजन में कथित खराबी को लेकर अपनी आवाज मुखर कर रहे हैं।

बिहार के पॉपुलर यूट्यूबर मनीष कश्यप के दावों ने जैसे आग में घी का काम किया और जब विवाद ज्यादा गहरा गया तो अब केंद्र की मोदी सरकार के एक अहम बाद स्वीकार की है। जी हां, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने माना कि ई20 पेट्रोल से माइलेज पर हल्का असर होता है, लेकिन पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने से गाड़ियों के इंजन में कोई खराबी नहीं आती।

माइलेज पर मामूली असर- केंद्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इंटरव्यू में स्वीकार किया कि इथेनॉल का कैलोरिफिक वैल्यू पेट्रोल से कम होता है, जिसके कारण माइलेज में मामूली गिरावट आ सकती है। यह प्रभाव बहुत ज्यादा नहीं है।

पहली बार नजर आ सकते हैं नए सुप्रीम लीडर मुजतबा

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई शनिवार को पहली बार सार्वजनिक रूप से नजर आ सकते हैं। ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, वे कोम शहर की हजरत मासूमेह दरगाह में अपने पिता और पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की शोकसभा की अगुवाई करेंगे। शुक्रवार को अली खामेनेई को मशहद स्थित इमाम रजा के रौजे में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इसके अगले दिन कोम में यह शोकसभा आयोजित की जा रही है। मुजतबा के सार्वजनिक रूप से सामने आने को लेकर लंबे समय से अटकलें लगाई जा रही हैं, क्योंकि युद्ध शुरू होने के बाद से वे किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में नजर नहीं आए हैं। शुरुआती मार्च में धार्मिक परिषद ने मुजतबा को नया सुप्रीम लीडर चुना था। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि फरवरी में हुए हमले में वे घायल हो गए थे। इसके बाद सुरक्षा कारणों से वे अब तक सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर रहे हैं। ईरान के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिका ने बुशहर परमाणु ठिकाने को निशाना बनाते हुए हवाई हमला किया। हालांकि फैसिलिटी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। ईरान ने अमेरिका के हमलो के बाद जवाबी कार्रवाई करते हुए बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइलें दागीं। हालांकि, इन देशों ने कई मिसाइलों और ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। ईरान ने दावा किया है कि अमेरिका ने उत्तरी ईरान में चीन और रूस से जुड़े एक रणनीतिक रेलवे पुल पर क्रूज मिसाइल से हमला किया। ईरान ने इसे युद्ध अपराध बताया। रॉयटर्स के मुताबिक, अमेरिका-ईरान के बीच तनाव दोबारा बढ़ने के बाद होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही गुरुवार को ठप रही। इससे वैश्विक तेल सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ी और कच्चे तेल की कीमतों में करीब 1त्न की बढ़ोतरी हुई। अल जजीरा के मुताबिक, ईरान ने एक ही रात में कम से कम 1 करोड़ बैरल कच्चा तेल निर्यात के लिए भेज दिया।

ईरानी मीडिया का दावा- पिता खामेनेई की शोकसभा में शामिल होंगे

राजपाल यादव को तीन महीने की जेल की सजा

● दिल्ली हाईकोर्ट का चेक बाउंस केस में बड़ा फैसला ● जुर्माना भी लगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर राजपाल यादव को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली हाई कोर्ट ने चेक बाउंस केस में उन्हें 3 महीने जेल की सजा सुनाई है। शुक्रवार को कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए एक्टर पर जुर्माना भी लगाया है। साथ ही सजा बरकरार रखते हुए राजपाल यादव के व्यवहार को संदिग्ध बताया और अधिकारियों से उन्हें वापस जेल भेजने को कहा। बॉलीवुड एक्टर राजपाल यादव को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शुक्रवार को अदालत ने चेक बाउंस मामले में उनकी सजा को बरकरार रखते हुए उन्हें फिर से जेल भेजने का आदेश दिया। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि इस मामले में एक्टर का रवैया संदिग्ध रहा है।

मामला साल 2010 का है, जब 5 करोड़ का कर्ज लिया था- यह मामला साल 2010 का है, जब राजपाल यादव ने अपनी पहली निर्देशित फिल्म अता पता लापता बनाने के लिए मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड से 5 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो सकी और इसके बाद वह तय समय पर कर्ज नहीं चुका पाए।

दान गिनने वाले तेईस कर्मचारियों का इस्तीफा

● चढ़ावे में 10-20 रुपए के नोट बढ़े, 500 के घटे

सुप्रीम कोर्ट में 13 जुलाई को मामले की सुनवाई

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट 13 जुलाई को सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच 3 याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। याचिकाओं में जांच सीबीआई को सौंपने और टीम के गठन के मांग की गई है। साथ ही, मंदिर में दान के प्रबंधन से जुड़े अलग-अलग विषयों की समीक्षा के लिए एक्सपर्ट कमेटी बनाने की भी मांग की गई है। इधर, मंदिर में चढ़ावा गिनने वाले 23 कर्मचारियों ने गुरुवार को एक साथ इस्तीफा दे दिया। उनका कहना है कि चोरी की घटना के बाद 10-20 रुपए के नोट बढ़ गए हैं, जिससे गिनती में ज्यादा समय

लग रहा है। पहले 500 रुपए के नोटों की 70-80 गड्डियां बन जाती थीं, अब बमुश्किल 15 गड्डियां बन रही हैं। पहले काम दो शिफ्ट में होता था, लेकिन अब सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक एक ही शिफ्ट कर दी गई है। वेतन वही है और काम के घंटे बढ़ गए हैं।

वायनाड़ का पहाड़ कभी भी गिर सकता है...

टनल हादसे से पहले इंजीनियरों ने दी थी चेतावनी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरलम के वायनाड में मंगलवार को मेप्पाडी-कल्लाडी टनल रोड प्रोजेक्ट के निर्माण स्थल पर हुए भूस्खलन में अब तक सात लोगों की मौत हो गई है। यह कोई अचानक आई प्राकृतिक आपदा नहीं बल्कि एक ऐसा हादसा था जिसकी भविष्यवाणी पहले ही की जा चुकी थी। वायनाड सुरंग निर्माण कार्य के उप-ठेकेदार दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड (डीबीएल) द्वारा तैयार की गई एक आंतरिक रिपोर्ट के हवाले से बताया कि हादसे से पहले ही सुरंग के उत्तरी प्रवेश द्वार के ऊपर की पहाड़ी तेजी से टूट रही थी। इसमें साफ चेतावनी दी गई थी कि भारी बारिश और आंतरिक जल भराव के कारण यह ढलान (पहाड़) किसी भी समय अचानक ढह सकता है। चेतवानी के बावदूद सुरक्षा मानकों में लापरवाही हुई, जिसके कारण बारिश होते ही लैंडस्लाइड हुआ और सात मजदूरों की जान चली गई।

यह आंतरिक रिपोर्ट डीबीएल के वरिष्ठ भूविज्ञानी राजू सागर, जीएसआई के ए रमेश कुमार और टर्किश इंजीनियरिंग कंसल्टिंग एंड कॉन्ट्रैक्टिंग के प्राधिकरण अभियंता डॉ. एच.के. सिंह द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किया गया था।

मिट्टी के भीतर भर रहा था पानी

सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि इंजीनियरों को ढलान के दो आधार स्तरों के बीच की खाई में भूमिगत जल प्रवाह की आवाज सुनाई दी। यानी इसका साफ मतलब था कि पानी ने ढीली मिट्टी में एक गुप्त रास्ता बना लिया था और यह पानी उसके भीतर भर रहा था। ऊपर से भले ही ठोस दिख रहा था, लेकिन वह धीरे-धीरे पहाड़ी को अंदर से बहा रहा था। इसको लेकर इंजीनियरों ने अपनी रिपोर्ट में चेतावनी दी थी कि इस तरह का आंतरिक कटाव ढलान को तेजी से कमजोर कर सकता है।

जलवायु परिवर्तन का दोहरा प्रहार : भारत में बाढ़, यूरोप में रिकॉर्ड तोड़ हीटवेव

नई दिल्ली (एजेंसी)। जहां एक ओर भारत के कई इलाकों में मॉनसून की भारी बारिश ने बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिए हैं, वहीं पश्चिमी यूरोप भीषण गर्मी की रिकॉर्ड तोड़ लहरों से जूझ रहा है। यूरोपीय संघ की जलवायु निगरानी एजेंसी ने पुष्टि की है कि पिछले महीने पश्चिमी यूरोप में अब तक का सबसे गर्म जून दर्ज किया गया। इस दौरान औसत तापमान 20.74 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो 1991 से 2020 के सामान्य तापमान से तीन डिग्री अधिक था, जिसने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। यूरोप महाद्वीप लगातार और अधिक तीव्र गर्मी का सामना कर रहा है, और इस सप्ताह भी एक और हीटवेव जारी है। ईसीएमडब्ल्यूएफ ने चेतावनी दी है कि एक गर्म होती दुनिया में हीटवेव और ज्यादा आएंगी, वे लंबे समय तक चलेंगी और व्यापक भौगोलिक क्षेत्रों को प्रभावित करेंगी। उन्होंने जोर दिया कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की कोई समस्या नहीं, बल्कि हमारी रोजमर्रा की जिंदगी की एक ठोस और परेशान करने वाली सच्चाई है। इन भीषण गर्मी की लहरों के चलते पूरे यूरोप में हजारों मौतें हुई हैं, जिसमें फ्रांस, स्पेन और बेल्जियम में सर्वाधिक जानें गई हैं। जून की 15 से 30 तारीख के बीच लगभग 41 करोड़ लोगों ने अत्यधिक तापमान का सामना किया। बर्गेस के अनुसार, यूरोप को जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए नई और प्रभावी योजनाओं पर तत्काल काम करना होगा।

गर्भवती निदा खान को जमानत, कोर्ट ने किया श्रीकृष्ण जन्म का जिक्र

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक में धर्मांतरण और यौन उत्पीड़न मामले की आरोपी पूर्व टीसीएस कर्मचारी निदा खान को अदालत ने जमानत दे दी है। अदालत ने कहा कि निदा पांच महीने की गर्भवती हैं, और जेल में बच्चे को जन्म देने का मानसिक आघात किसी भी महिला के लिए असहनीय होता है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश केजी जोशी ने अपने फैसले में भगवान श्रीकृष्ण के जेल में जन्म का विशेष उल्लेख किया। न्यायाधीश जोशी ने नवजात के भविष्य और मां की वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखकर आरोपी को जमानत देना उचित समझा। अदालत ने माना कि मामले की जांच पूरी हो चुकी है और आरोप पत्र दाखिल हो गया है, इसलिए अब आरोपी को जेल में रखने की आवश्यकता नहीं है। निदा को 7 मई को छत्रपति संभाजीनगर से गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी से पहले वह लगभग 25 दिनों से फरार थीं। उन पर अपनी एक सहकर्मी पर इस्लाम धर्म अपनाने का दबाव डालने और हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करने का आरोप है।

मथुरा की ऐतिहासिक जामा मस्जिद का गुंबद का हिस्सा गिरा

मथुरा (एजेंसी)। चौक बाजार स्थित ऐतिहासिक जामा मस्जिद में नमाज के दौरान गुंबद का एक हिस्सा अचानक टूटकर गिर गया। राहत की बात यह रही कि गिरा हुआ मलबा मस्जिद की ऊपरी छत पर ही आकर रुक गया, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। घटना के समय मस्जिद में नमाज अदा की जा रही थी, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचा और सुरक्षा के मद्देनजर क्षेत्र का निरीक्षण शुरू किया।

झारखंड में एसआईआर फॉर्म के नाम पर वसूली, मतदाताओं में बढ़ी चिंता

रांची (एजेंसी)। झारखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के फॉर्म उपलब्ध कराने और भरवाने के नाम पर लोगों से सैकड़ों रुपये वसूले जाने की शिकायतें मिल रही हैं। मतदाता सूची से बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने की खबरों से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में डर तथा असमंजस का माहौल बना हुआ है। जिसका फायदा उठाकर कुछ लोग इसे ठगी के माध्यम से कमाई का जरिया बना रहे हैं। कई स्थानों पर स्वयं को एजेंट या सामाजिक कार्यकर्ता बताने वाले लोग मतदाताओं से फार्म के नाम पर पैसे की मांग कर रहे हैं। यदि उन्होंने समय पर फॉर्म नहीं भरा या आवश्यक दस्तावेज जमा नहीं किए। ऐसी स्थिति में उनका नाम मतदाता सूची से हट सकता है। लोगों में भय फैला है। मतदाता सूची में नाम नहीं रहने से उनकी नागरिकता पर सवाल उठ सकते हैं। सरकारी योजनाओं का लाभ बंद हो सकता है। इसी भय का लाभ उठाकर ठगी की घटनाएं बढ़ने की बात कही जा रही है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है,वह अधिकृत अधिकारियों या चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त बीएलओ से फार्म प्राप्त करें। निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से आवेदन करें। किसी भी व्यक्ति को अनावश्यक राशि न दें। कहीं भी अवैध वसूली या ठगी की शिकायत मिले, तो उसकी सूचना तत्काल संबंधित प्रशासनिक और चुनावी अधिकारियों को दें।

यूपी में किसानों के लिए फार्मर आईडी अनिवार्य- नहीं बनवाने पर रुकेगा सरकारी लाभ

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश सरकार ने राज्य के लाखों किसानों के लिए महत्वपूर्ण घोषणा की है, जिसके तहत सरकारी कृषि योजनाओं का लाभ उठाने के लिए फार्मर आईडी बनवाना अनिवार्य किया गया है। इसके बिना किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि, फसल बीमा और किसान क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा। इसका उद्देश्य हर किसान का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार कर योग्य किसानों तक मदद पहुंचाना और फर्जीवाड़े को रोकना है। यह फार्मर आईडी किसानों का विस्तृत डिजिटल डेटाबेस है, जो आधार कार्ड की तर्ज पर काम करेगा। इस 12 अंकों की विशेष आईडी में किसान का नाम, उसकी जोत का पूरा विवरण, खतौनी संबंधी जानकारी और बोई गई फसल का रिकॉर्ड एक ही स्थान पर ऑनलाइन दर्ज होगा। इस प्रणाली से कृषि योजनाओं में पूरी पारदर्शिता लाने का प्रयास हो रहा है। आईडी बनने के बाद, किसानों को खाद, बीज या अन्य सरकारी सहायता के लिए बार-बार दफ्तरों के चक्कर लगाने और दस्तावेज जमा करने की जरूरत नहीं होगी। केवल फार्मर आईडी स्कैन करके मिनटों में सभी प्रक्रियाएं पूरी की जा सकेंगी, जिससे किसानों का समय और मेहनत दोनों बचने वाले है। यह पहचान पत्र न होने की स्थिति में मंडियों में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर फसल बेचने के लिए आवश्यक पंजीकरण भी नहीं हो सकेगा। किसान स्वयं सरकारी वेबसाइट पर जाकर इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा, नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) पर महज 20 से 50 रुपये का शुल्क देकर भी अपनी ई-केवाईसी और फार्मर आईडी बनवाने की प्रक्रिया पूरी की जा सकती है।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने अपने देश लौटने का किया ऐलान

वे मुझे गिरफ्तार कर सकते हैं, मार भी सकते हैं, लेकिन फिर भी मैं वापस लौटूंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने अपने देश लौटने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि वे मुझे गिरफ्तार कर सकते हैं, मुझे मार भी सकते हैं, लेकिन फिर भी मैं लौटूंगी। उन्होंने कहा कि वह दिसंबर-2026 के आसपास बांग्लादेश वापस जाएंगी और कोर्ट में सरेंडर करेंगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक करीब एक घंटे के टेलीफोन इंटरव्यू में शेख हसीना ने कहा कि उन्हें अपनी जान का खतरा पता है, लेकिन यह भी पता है कि अब उनके अपने देश लौटने का समय आ गया है। शेख हसीना ने भावुक होते हुए कहा कि अगर उनकी मौत होती है तो वह अपने देश की मिट्टी पर हो, जहां उनके माता-पिता दफन हैं। उन्होंने कहा कि मेरी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर जबरदस्त दमन हो रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक शेख हसीना और उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेता दिसंबर के आसपास भारत में अपने निर्वासन से वापस लौटने और सरेंडर करने की योजना बना रहे हैं। दक्षिण एशियाई देश की सबसे लंबे समय तक सत्ता में रहीं इस शेख हसीना ने कहा कि वह और उनकी अवामी लीग के सदस्य स्वेच्छा से उस देश लौटना चाहते हैं। देश लौटने के बाद अपने सहयोगियों के साथ मिलकर शेख हसीना कोर्ट के सामने सरेंडर कर सकती हैं। उन्हें बांग्लादेश की एक अदालत ने फांसी की सजा सुनाई है। वहीं शेख हसीना की अवामी लीग पर चुनाव लड़ने से प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस साल हुए संसदीय चुनाव में शेख हसीना की पार्टी को चुनाव लड़ने से रोक दिया गया था। बता दें दो साल पहले बांग्लादेश और अपना पद छोड़कर भारत शेख हसीना भारत आ गई थीं अब कोर्ट में पेश होना चाहती हैं।

शेख हसीना ने गुरुवार देर रात एक मीडिया से करीब एक घंटे तक टेलीफोन पर बात की। उन्होंने कहा मेरे लौटने पर वे मुझे गिरफ्तार कर सकते हैं, यहां तक कि मेरी हत्या भी कर सकते हैं। उन्होंने कहा फिर भी मुझे जाना ही है। शेख हसीना अगर बांग्लादेश लौटती हैं तो इस साल पीएम बने तारिक रहमान के लिए उन्हें संभालना आसान नहीं होगा। इस साल हुए चुनाव से साफ हो गया है कि शेख हसीना के पास अभी भी देश में भारी समर्थन है। तारिक रहमान करीब दो सालों के अंतरिम सरकार के बाद अब देश में स्थिरता लाने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन शेख हसीना के लौटने से उनके समर्थकों में फिर से जोश आ सकता है और वह एक बार फिर से देश की राजनीति पर हावी हो सकती हैं। शेख हसीना को गिरफ्तार करना भी उनके लिए आसान नहीं होगा।

शेख हसीना फिलहाल भारत में हैं। तारिक रहमान की सरकार शेख हसीना की प्रत्यर्पण की कोशिशें कर रही हैं लेकिन भारत सरकार उन्हें प्रत्यर्पित करेगी इसकी संभावना कम ही है। उन्होंने कहा ढाका के अधिकारी मुझे भारत से वापस ले

जाना चाहते हैं। वह लगातार भारत सरकार को चिट्ठियां लिख रहे हैं जिसमें वह मेरे प्रत्यर्पण की मांग कर रहे हैं। यह पहली बार है जब उन्होंने अपनी वापसी के लिए कोई समय-सीमा बताई है और कहा है कि वह आत्मसमर्पण करने की योजना बना रही हैं या अवामी लीग के अन्य निर्वासित नेता ऐसा करेंगे। इनमें पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल भी शामिल हैं जिन्हें मौत की सजा का सामना करना पड़ रहा है।

हिमाचल में आफत की बारिश, लोहे का बेली ब्रिज पानी में डूबा, घरों में भरा पानी

शिमला (एजेंसी)। शिमला और राज्य के कई हिस्सों में फिर बारिश हुई। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक गुरुवार को बारिश की वजह से 75 सड़कें बंद हो गईं थीं। बिजली वितरण के 29 ट्रांसफॉर्मर प्रभावित हुए और पानी की सप्लाई की पांच योजनाएं बाधित हुईं। आईएमडी के मुताबिक शुक्रवार को शिमला और सिरमौर में भारी बारिश का अनुमान है, जबकि सोलन में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। कुल्लू, मंडी, किन्नौर, हमीरपुर और चंबा में मध्यम बारिश; कांगड़ा, ऊना और बिलासपुर में हल्की से मध्यम बारिश; और लाहौल-स्पीति में हल्की बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने कहा है कि अगले कुछ घंटों तक शिमला में हल्की से मध्यम बारिश के साथ-साथ कहीं-कहीं तेज बारिश का दौर जारी रहने की बहुत संभावना है, जिसके बाद बारिश धीरे-धीरे कम होने की उम्मीद है। किन्नौर जिले के पूह उपमंडल के लिप्पा में वीरवार सुबह बारिश के बाद पेजर नाले में बाढ़ के साथ आए मलबे से तेती खड्ड का बहाव रुक गया। इससे लिप्पा गांव को जोड़ने वाला करीब 100 फीट लंबा लोहे का बेली ब्रिज पानी में डूब गया। पुल बंद होने से सड़क संपर्क बाधित हुआ। पुल के समीप 12 मकानों तक बाढ़ का पानी पहुंचने से 13 परिवार प्रभावित हुए। प्रशासन ने इन्हें जीरा फार्म में शिफ्ट कर भोजन की व्यवस्था की। मलिंग नाला के समीप भूस्खलन से रामपुर-किन्नौर राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया। शिमला के अंतर्गत आकलैंड में डंगा गिरने से पांच वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। वीरवार सुबह चंडीगढ़-शिमला राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुमारहट्टी के समीप, परवाणू से कंडाघाट तक जगह-जगह पहाड़ी से पत्थर गिरते रहे। सोलन में वर्षा के बाद सब्जी मंडी में पानी भर गया। चंबा जिले की कीड़ी पंचायत के गांव कपड़ौथा में पहाड़ी से मलबा व पत्थर एक मकान के पीछे गिरे। परिवार ने भाग कर जान बचाई और रात रिश्तेदारों के घर बिताई, जिसके बाद प्रशासन ने उन्हें दूसरी जगह शिफ्ट किया।

टीएमसी के तीन पूर्व राज्यसभा सांसदों ने थामा बीजेपी का दामन

-पार्टी ने तीनों को राज्यसभा सीटों के लिए उपचुनाव में बनाया उम्मीदवार

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के तीन पूर्व राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव, सुखेंदु शेखर राय और प्रकाश चिक बराइक बीजेपी में शामिल हो गए। बीजेपी ने तीनों को बंगाल की तीन राज्यसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में टीएमसी की हार के बाद तीनों नेताओं ने राज्यसभा की सदस्यता और टीएमसी से इस्तीफा दे दिया था। तीनों ने ममता से नाराजगी जताई थी और कहा था कि पार्टी मनमाने ढंग से चल रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुखेंदु राय ने 8 जून, सुष्मिता ने 10 जून और प्रकाश ने 11 जून को रिजाइन दिया था। बंगाल की इन तीन राज्यसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए 24 जुलाई को मतदान और मतगणना होगी। 14 जुलाई नामांकन दाखिल होगा और नामांकन पत्रों की जांच 15 जुलाई को होगी।

सुखेंदु रॉय ने कहा कि आरजी कर रेप-मर्डर केस में सबूतों से छेड़छाड़ का मुद्दा उठाने के बाद मुझे जान से मारने और परिवार के अपहरण की धमकियां मिलने लगीं। पुलिस आयुक्त और अस्पताल के प्रिंसिपल से पूछताछ की मांग करने के बाद उन्हें लालबाजार पुलिस मुख्यालय भी बुलाया गया। खराब तबीयत के बावजूद उनकी बात नहीं सुनी गई, जिसके बाद उन्हें हाईकोर्ट जाना पड़ा।

सुष्मिता देव ने बताया कि पश्चिम बंगाल, असम, ओडिशा और त्रिपुरा में बीजेपी की जीत से पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर लोगों का भरोसा दिखता है। असम में लगातार तीसरी बार बीजेपी की सरकार बनना इसकी बड़ी मिसाल है। महुआ मोइत्रा को कोई दूसरी पार्टी अपने साथ नहीं लेना चाहती, इसलिए वह टीएमसी में हैं।

टीएमसी सांसद सौगत रॉय तीनों नेता पहले से ही बीजेपी के साथ थे। अब अपनी सीट बचाने के लिए बीजेपी ने उन्हें मौका दिया है। इससे टीएमसी को कोई नुकसान नहीं होगा। बीजेपी को भी इससे कोई खास फायदा नहीं मिलेगा, क्योंकि दल बदलने वाले नेताओं की ज्यादा अहमियत नहीं होती है।

करूर भगदड़ में मृतकों के परिजनों को सरकारी नौकरी देने की सरकार को मिली मंजूरी

-मद्रास हाईकोर्ट ने कहा-ये नियुक्तियां अस्थायी होंगी इन पर न्यायिक समीक्षा लागू होगी

चेन्नई (एजेंसी)। करूर भगदड़ मामले में तमिलनाडु सरकार को राहत मिल गई है। अब करूर भगदड़ में मृतकों के परिजनों को विजय सरकार सरकारी नौकरी दे सकेगी। इसकी मद्रास हाईकोर्ट ने मंजूरी दे दी है। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि ये नियुक्तियां अस्थायी होंगी और इन पर न्यायिक समीक्षा लागू होगी। मदुरै बेंच के जस्टिस सीवी कार्तिकेयन और जस्टिस आर शक्तिवेल की डिवीज़न बेंच ने कहा कि सरकार के नीतिगत फैसले में कोर्ट का दखल देना 'बहुत संकीर्ण सोच; होगी। हालांकि, बेंच ने कहा कि वह इस बात की जांच करेगी कि क्या सार्वजनिक त्रासदियों के पीड़ितों को दी जाने वाली नौकरियों के लिए कोई एक समान सरकारी नीति हुए बिना ऐसी नियुक्तियां की जा सकती हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने राज्य सरकार को पीड़ितों के परिवारों को नियुक्ति पत्र देने के लिए एक सार्वजनिक कार्यक्रम को आगे बढ़ाने की भी इजाजत दे दी। रिपोर्ट के मुताबिक हाई कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार इस शर्त पर कार्यक्रम

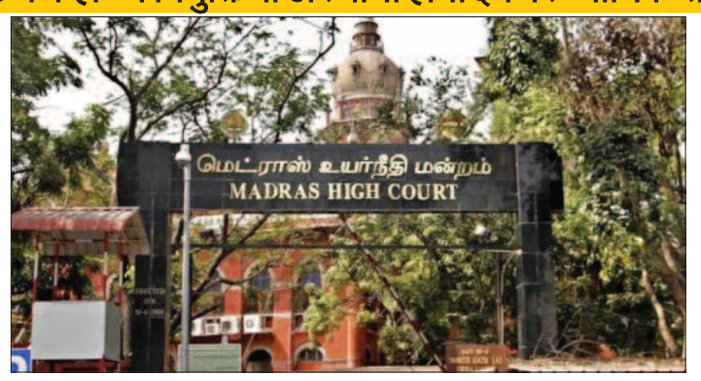

आगे बढ़ा सकती है कि नौकरी अस्थायी आधार पर होगी और उस पर न्यायिक समीक्षा लागू होगी। हमारी योजना है कि इस महीने के आखिर तक, यानी नौकरी पाने वालों को पहली सैलरी मिलने से पहले, इस मामले की सुनवाई कर ली जाए।

इस बीच तमिलनाडु के सीएम सी जोसेफ विजय शुक्रवार को करूर में हुई भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र और कल्याणकारी सहायता प्रदान करेंगे। सीएम विजय अपने दौरे के दौरान एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे और कई आधिकारिक सरकारी कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।सीएम विजय शुक्रवार सुबह हवाई मार्ग से चेन्नई से रवाना हुए और उनके तिरुचिरापल्ली (तिरुची) हवाई अड्डे पहुंचने के बाद सड़क मार्ग से करूर जाएंगे। उनके स्वागत के लिए पूरे मार्ग पर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों द्वारा भव्य स्वागत की तैयारियां की। विजय करीब 10 किलोमीटर लंबा रोड शो करेंगे। इसके बाद वह वहां आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए कार्यक्रम स्थल पर विशाल पंडाल बनाया गया। जनसभा के बाद मुख्यमंत्री कुछ समय के लिए सरकारी पर्यटक गृह में रुकेंगे और फिर एक आधिकारिक सरकारी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए करूर जिला कलेक्ट्रेट पहुंचेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान सीएम विजय करूर भगदड़ में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के पात्र सदस्यों को अनुकंपा नियुक्ति के तहत सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। अनुकंपा नियुक्तियां राज्य सरकार द्वारा राहत और पुनर्वास उपायों के तहत दी जा रही हैं, जिनका उद्देश्य शोकाकुल परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है। कार्यक्रम में वितरित की जाने वाली कल्याणकारी सहायता में विभिन्न सरकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को मिलने वाले लाभ शामिल हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का मोदी सरकार पर हमला : चीन का भारतीय अर्थव्यवस्था पर कब्जा, आत्मनिर्भर भारत फेल

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि गलवान घाटी की घटना के बाद केंद्र सरकार ने चीन के प्रति नरम रुख अपनाया, जिसके कारण कई महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक क्षेत्रों में भारत की चीन पर निर्भरता बढ़ी है तथा राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचा है। खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट कर यह भी दावा किया कि वर्ष 2020 में हुई गलवान की घटना के बाद वर्ष 2025-26 तक चीन से भारत का आयात 101.81 प्रतिशत बढ़ गया और दोनों देशों के बीच व्यापार घाटा बढ़कर 112.1 अरब डॉलर तक पहुंच गया। उन्होंने आरोप लगाया, छह वर्ष पहले गलवान में 20 भारतीय सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चीन को क्लीन चिट दे दी थी। भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया, लेकिन केंद्र सरकार ने भारत के हितों के समक्ष चीन के प्रति नरम रुख अपनाया। खरगे ने कहा कि भारत के एंटीबायोटिक आयात का 86 प्रतिशत हिस्सा चीन से आता है। उनके अनुसार, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्षेत्र में भारत के 66 प्रतिशत पुर्जों का आयात चीन से होता है, जबकि भारतीय ईवी में इस्तेमाल होने वाली लगभग 75 प्रतिशत लिथियम-आयन बैटरियां आयातित हैं और इनमें अधिकतर चीन से आती हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी भारत की निर्भरता चीन पर बनी हुई है। खरगे ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने अब चार चीनी कंपनियों को सरकारी बिजली परियोजनाओं के लिए निविदा प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति देकर चीन के लिए और अवसर खोल दिए हैं।

राजस्थान में यूसीसी लागू करने की तैयारी, जनता से मांगे जा रहे सुझाव

राजस्थान बीजेपी अध्यक्ष ने कहा, कांग्रेस सिर्फ विरोध करती

जयपुर (एजेंसी)। उत्तराखंड और गुजरात के बाद, अब राजस्थान भी यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू करने की तैयारी जोर-शोर से शुरु हो गई है। राज्य की भजनलाल शर्मा सरकार ने प्रस्तावित कानून के मसौदे को बेहतर बनाने के लिए जनता से सुझाव आमंत्रित करना शुरू किया है। यूसीसी का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए गठित उच्च-स्तरीय समिति ने इस उद्देश्य से ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया है और लोगों से बातचीत के माध्यम से 19 महत्वपूर्ण सवालों पर राय मांगी है। यह कदम राज्य में एक समान नागरिक संहिता लागू करने की मंशा को दिखाता है।

राजस्थान बीजेपी अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बड़ा बयान देकर कहा कि राजस्थान में भी यूसीसी लाने की तैयारी जोरों पर है। उन्होंने बताया कि पार्टी उन

राज्यों के मौजूदा ड्राफ्ट का अध्ययन कर रही है, जहाँ यूसीसी पर काम हो चुका है, साथ ही जनता से बहुमूल्य सुझाव लिए जा रहे हैं। राजस्थान बीजेपी अध्यक्ष राठौड़ ने कांग्रेस पर निशाना साधकर आरोप लगाया कि विपक्षी दल केवल विरोध करने के लिए विरोध कर रहा है और इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर कोई रचनात्मक सुझाव नहीं दे रहा है। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि राजस्थान में यूसीसी जल्द ही लागू किया जाएगा। जनता की राय को शामिल करते हुए, यूसीसी का ड्राफ्ट बिल राजस्थान विधानसभा के अगले सत्र में पेश होने की उम्मीद है। जिन प्रमुख प्रस्तावों पर विचार हो रहा है, उसमें लिव-इन रिलेशनशिप का अनिवार्य पंजीकरण एक अहम मुद्दा है। समिति ने लोगों से राय मांगी है कि क्या लिव-इन रिलेशनशिप समाप्त होने पर तलाक से जुड़े कानूनी नियम लागू होने चाहिए। सवालों की विस्तृत सूची में विवाह, तलाक, विरासत और संपत्ति के अधिकारों से संबंधित कई बिंदु शामिल हैं, जिसमें लिव-इन रिलेशनशिप पर विशेष जोर दिया गया है। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस इस विषय पर कोई सुझाव नहीं दे रही है।

ममता का बीजेपी को कड़ा संदेश : मुझे मारकर ही चुप कराया जा सकता

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला किया है। वीडियो संदेश जारी कर उन्होंने सीधे चुनौती दी कि अगर भाजपा उन्हें चुप कराना चाहती है, तब उन्हें उनकी जान लेनी होगी। ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा लगातार टीएमसी नेताओं को परेशान कर रही है और उनकी पार्टी को तोड़ने की कोशिश हो रही है। उन्होंने कहा कि उनकी आवाज दबाने के लिए हर संभव प्रयास हो रहा है, लेकिन वह डरने वाली नहीं हैं।

ममता का वीडियो टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने सोशल मीडिया पर साझा किया। वीडियो में ममता ने महुआ मोइत्रा, अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी जैसे बड़े नेताओं को निशाना बनाने की बात

कही। उन्होंने दावा किया कि उनके घर तक पर हमला हुआ। हिरासत में लिए गए पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अमानवीय व्यवहार का जिक्र कर ममता ने आरोप लगाया कि उन्हें जमीन पर सोने, कमर में रस्सी बांधकर और पैरों में बेड़ियां डालकर घुमाया जा रहा है, और कुछ का सिर मुंडवा दिया गया।

ममता ने पार्टी छोड़कर जाने वाले नेताओं पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने बिना नाम लिए कहा कि कुछ लोग टीएमसी में रहने का दिखावा कर रहे हैं, लेकिन काम भाजपा के लिए कर रहे हैं। उन्होंने इसतरह के नेताओं को स्पष्ट फैसला करने को कहा या वे टीएमसी के साथ रहें या खुलकर भाजपा में शामिल हो जाएं, लेकिन पार्टी के कार्यकर्ताओं को गुमराह न करें।

यह बयान तब आया है जब टीएमसी छोड़कर गए तीन पूर्व सांसद सुष्मिता देव, सुखेंदु शेखर रॉय और प्रकाश चिक बराइक हाल ही में भाजपा में शामिल हुए हैं और उन्हें पश्चिम बंगाल की 3 राज्यसभा सीटों के उपचुनाव के लिए भाजपा का उम्मीदवार बनाया गया है। 24 जुलाई को होने वाले इन उपचुनावों में भाजपा मजबूत स्थिति में दिख रही है, जिससे टीएमसी को लगातार झटके लग रहे हैं।

अमेरिका के ईरान पर ताजा हमलों से भारत-चीन को भी लगा तगड़ा झटका

-शाहिद बेहेश्ती पोर्ट टर्मिनल को पहुंचा नुकसान, चीन को जोड़ने वाला पुल भी टूटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के ईरान पर किए गए नए सैन्य हमलों ने न केवल मध्य पूर्व की अस्थिरता बढ़ा दी है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था खासकर भारत और चीन जैसे प्रमुख एशियाई देशों के निवेश और हित को झटका दिया है। अमेरिका की ओर से ईरान के चाबहार पोर्ट पर किए गए हमले में शाहिद बेहेश्ती पोर्ट टर्मिनल को नुकसान पहुंचा है। इस टर्मिनल में भारत ने अरबों का निवेश किया है।

वहीं अमेरिका ने चीन-ईरान को जोड़ने वाले एक रेलवे पुल को भी निशाना बनाया है। यह पुल तेहरान और ईरान के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार, चीन के बीच व्यापार के अहम रास्तों को जोड़ता है। ईरान के बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकेबंदी के दौरान रूस को माल भेजने के लिए भी इस रास्ते का इस्तेमाल किया जाता था। ये वो नुकसान हैं, जिससे भारत और चीन के हित जुड़े हुए हैं। इन नुकसान के अलावा अमेरिकी हमले में ईरान को और भी क्षति हुई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार को चाबहार में शाहिद बेहेश्ती पोर्ट पर कई अमेरिकी मिसाइलें गिरने से उसे नुकसान पहुंचा है। इससे यहां का इंफ्रास्ट्रक्चर तबाह हुआ है। ईरानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी हमलों में चाबहार का वेसल ट्रैफिक कंट्रोल टावर, कलंतरी पोर्ट और ओमान की खाड़ी में स्थित इस पोर्ट सिटी का बिजली इंफ्रास्ट्रक्चर भी प्रभावित हुआ है। अमेरिकी हमलों की वजह से शहर के करीब आधे हिस्से में बिजली गुल हो गई। अमेरिकी हमले की वजह से शाहिद बेहेश्ती डॉक पर कई प्रोजेक्टाइल गिरे जिससे बंदरगाह के ढांचे को नुकसान पहुंचा है। ईरान ने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने इस टर्मिनल को विकसित करने के लिए अब तक 120 मिलियन डॉलर का निवेश किया है और पीएम मोदी ने 2016 में इसके लिए 500 मिलियन डॉलर का समझौता किया था। रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने शाहिद बेहिश्ती पोर्ट टर्मिनल चाबहार के विकास के लिए ईरान के बंदरगाह और समुद्री संगठन के साथ समझौता किया था। अमेरिका ने उत्तरी ईरान में चीन और रूस को जोड़ने वाले एक रणनीतिक रेलवे पुल पर हमला किया। इस पुल को चीन, तुर्कमेनिस्तान और ईरान को जोड़ने वाले रेलवे कॉरिडोर का एक रणनीतिक पॉइंट बताया गया है।

यह पुल तेहरान और ईरान के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार चीन के बीच व्यापार के अहम रास्तों को जोड़ता है। ईरान के बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकेबंदी के दौरान रूस को माल भेजने के लिए भी इस रास्ते का इस्तेमाल किया जाता था। इस पुल से होकर गुज़रने वाला रास्ता तुर्कमेनिस्तान और कज़ाकिस्तान से होते हुए चीन तक जाता है। ईरानी रेलवे ने कहा कि मरम्मत करने वाली टीमों को घटनास्थल पर भेजा गया है जल्द पुल की मरम्मत का काम पूरा कर लिया जाएगा।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जनसुनवाई, अधिकारियों को दिए समस्याओं के निस्तारण के आदेश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनता दर्शन के दौरान जनसुनवाई की। जन सुनवाई के दौरान राजस्व विभाग, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बंधित प्रार्थना/शिकायती पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी महोदय ने अधिकारियों को शासन के मंशा अनुरूप, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराने तथा जमीन से संबंधित समस्या को पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम के द्वारा तत्काल मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण समय सुनिश्चित कराएं जाने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में निरंतर प्राप्त होने वाली शिकायतों, समस्याओं और निवेदनों के निस्तारण एवं निवारण के क्रम में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ द्वारा आवश्यक दिशा निर्देशित दिए गये। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि दिव्यांगजन कल्याण विभाग द्वारा जनपद में दिव्यांगजनों का चिन्हिकरण करते हुए उन्हें पेंशन, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, ई-वाईकिल सहित संचालित योजनाओं का लाभ दिलाया जाना सुनिश्चित किया जाएं। जिलाधिकारी ने विरासत के आधार पर आवेदित शस्त्र लाइसेंस आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाने हेतु निर्देशित

किया। अलग-अलग क्षेत्र से प्राप्त हो रही भूमि पर अवैध कब्जों की शिकायतें प्राप्त हो रही थी, जिसके क्रम में जिलाधिकारी और कमिश्नर ने संयुक्त टीम गठित करते हुए भूमि को अवैध रूप से कब्जाधारियों/भूमाफियाओं से निजात दिलाने के लिए अभियान के तहत कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने यूपीनेड़ा सहित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया की जनकल्याण, पर्यावरण हित में चलाई जा रही पीएम सूर्य घर योजना का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार किया जाएं और प्रत्येक परिवार को इस योजना से आच्छांदित करने का हर सम्भव प्रयास किया जाएं। इस योजना के तहत लोगों को केन्द्र व राज्य सरकार से सब्सिडी भी प्राप्त होगी। जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि आरटीई के तहत दाखिलों में किसी भी प्रकार की कोताही, लापरवाही या अनदेखी ना बरती जाए, पात्र आवेदन कर्ता को शत प्रतिशत लाभ दिलाना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है, अतः कोई भी पात्र लाभार्थी जिसने आवेदन किया हो वह छूटना नहीं चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि उक्त कार्य युद्ध स्तर पर किये जाएं, उक्त से सम्बंधित किसी भी व्यक्ति को असुविधा का सामना ना करना पड़ें। ऐसा कोई भी कार्य बर्दाश्त नहीं किया जायेगा जिससे सरकार की छवि धूमिल हो। अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएं। जनता का उत्पीड़न किसी भी रूप में क्षमा योग्य नहीं हैं।
जनता दर्शन के दौरान एडीएम-ई सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

गढ़मुक्तेश्वर: दो नाबालिगों से दुष्कर्म का आरोपी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार, पैर में गोली लगने से घायल

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। जनपद हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में दो नाबालिग किशोरियों से दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लगी है, जिससे वह घायल हो गया।

धान रोपाई के बहाने दिया था वारदात को अंजाम
सीओ राहुल यादव ने बताया कि 26 जून को थाना गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में दो 13 वर्षीय नाबालिग लड़कियों के साथ दरिंदगी की घटना सामने आई थी। आरोपी ने धान लगाने का बहाना बनाकर दोनों किशोरियों को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाकर उनके साथ दुष्कर्म किया था। इस मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा संख्या 348/26 के तहत बीएनएसएस और पॉक्सो अधिनियम की गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया था।
मुठभेड़ में बरामद हुआ अवैध असलहा
पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी क्षेत्र में मौजूद है। घेराबंदी करने पर आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की, जिससे आरोपी घायल हो गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान भोले पुत्र नेपाल निवासी गढ़मुक्तेश्वर के रूप में हुई है।
पुलिस ने आरोपी के कब्जे से निम्नलिखित वस्तुएं बरामद की हैं:
एक अवैध तमंचा,एक जिंदा कारतूस,एक खोखा कारतूस,बिना नंबर की एक मोटरसाइकिल,पूर्व में भी दर्ज हैं आपराधिक मामले
सीओ राहुल यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है, जिस पर पहले भी मुकदमे दर्ज हैं। घायल आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है और पुलिस आगे की विधिक कार्रवाई में जुटी है।

थाना अंकुर विहार क्षेत्र में गड्ढे में गिरने से 6 वर्षीय बच्चे पोलू की हुई मौत, परिवार में मचा कोहराम

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना अंकुर विहार क्षेत्र के मिल्क गांव में एक दर्दनाक हादसे में 6 वर्षीय बच्चे पोलू की गड्ढे में गिरने से मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतक बच्चे के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने भी घटना पर दुख व्यक्त करते हुए प्रशासन से लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इसी कड़ी में थाना अंकुर विहार क्षेत्र में कबाड़ा चुगने का काम करने वाले परिवार का 6 वर्षीय बच्चा पोलू झोपड़ी के पास खेल रहा था। इसी दौरान वह खेलते-खेलते एक खुले और गहरे गड्ढे के पास पहुंच गया। गड्ढे के चारों तरफ किसी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था या चेतावनी संकेत नहीं लगाए गए थे। अचानक संतुलन बिगड़ने से बच्चा गड्ढे में जा गिरा। परिवार वाले बच्चे की तलाश में लगे हुए थे, लेकिन जब गड्ढे में भरे हुए पानी में काफी देर बच्चे का शव रहने के बाद ऊपर आया तो परिवार वालों को सूचना मिली। सूचना मिलते ही परिवार वालों में और

स्थानीय निवासियों में शोक की लहर दौड़ गई। उन्होंने देखा कि बच्चे की मृत्यु हो चुकी है। बच्चे की मौत की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद थाना अंकुर विहार पुलिस मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद बच्चे को गड्ढे से बाहर निकाला गया और उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजनों का कहना है कि यदि गड्ढे को समय रहते ढक दिया जाता या उसके आसपास सुरक्षा के इंतजाम किए गए होते तो यह हादसा टाला जा सकता था। उन्होंने संबंधित विभाग की लापरवाही को घटना का मुख्य कारण बताया है। स्थानीय निवासियों ने भी आरोप लगाया कि क्षेत्र में कई स्थानों पर निर्माण कार्यों या अन्य कारणों से खुले गड्ढे बने हुए हैं, जो लोगों के लिए खतरा बने हुए हैं। कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद इन गड्ढों को भरने या सुरक्षित करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। प्रशासन को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।पुलिस ने बच्चे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की पूर्ण जांच की जा रही है।

दहेज प्रताड़ना के विवाद में दामाद ने ससुर की खुफरी से हत्या, पत्नी घायल

मोदीनगर (शिखर समाचार)। फफराना रोड स्थित एक कॉलोनी में पारिवारिक विवाद ने शुक्रवार को खूनी रूप ले लिया। दहेज प्रताड़ना के विवाद में एक युवक ने अपनी ससुराल पहुंचकर पत्नी पर खुफरी से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आए ससुर पर भी उसने जानलेवा वार कर दिया, जिससे उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। हमले में पत्नी घायल हो गई, जबकि सास को धक्का देकर गिरा दिया गया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।
पुलिस के अनुसार फफराना रोड कॉलोनी निवासी 62 वर्षीय अनार सिंह अपने परिवार के साथ रहते थे और मोदी समूह में चालक के पद पर कार्यरत थे। उनकी पुत्री मोनिका ने करीब 20 वर्ष पहले बुलंदशहर के शिकारपुर निवासी संदीप चौधरी से प्रेम विवाह किया था। वर्तमान में संदीप ब्रह्मपुरी कॉलोनी में किराये के मकान में रह रहा था। परिजनों का आरोप है कि संदीप लंबे समय से दहेज की मांग को लेकर मोनिका को

प्रताड़ित करता था और शराब के नशे में उसके साथ मारपीट करता था। इसी कारण मोनिका पिछले करीब चार महीने से अपने मायके में रह रही थी।
बताया गया कि गुरुवार रात करीब नौ बजे जब मोनिका का भाई दीपांशु दवा लेने बाजार गया हुआ था, तभी संदीप चेहरे पर नकाब लगाकर ससुराल पहुंचा और खुफरी से मोनिका पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में मोनिका के हाथ समेत शरीर के अन्य हिस्सों पर चोटें आईं। शोर सुनकर बीच-बचाव के लिए पहुंचे अनार सिंह और उनकी पत्नी शारदा देवी पर भी आरोपी ने हमला कर दिया। शारदा देवी को धक्का देकर गिराने के बाद संदीप ने अनार सिंह के पेट में खुफरी से वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल अनार सिंह को पहले स्थानीय निजी अस्पताल और बाद में गाजियाबाद के उच्च चिकित्सा केंद्र ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।
घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस उपायुक्त (ग्रामीण) सुरेंद्रनाथ तिवारी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, जबकि फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य और नमूने एकत्र किए। मृतक के पुत्र दीपांशु की तहरीर पर आरोपी संदीप चौधरी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस उपायुक्त (ग्रामीण) ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित कर दी गई हैं और उसे जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बरसात में ढही स्कूल की बाउंड्री, गड्ढे और जर्जर दीवार से बच्चों की जान पर मंडराया खतरा

हापुड़ (शिखर समाचार)। सिम्भावली क्षेत्र के मोहम्मदपुर आजमपुर स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में लगातार तीन दिन हुई बारिश के बाद स्कूल की चहारदीवारी ढह गई। दीवार गिरने के पीछे विद्यालय परिसर के पास जल संरक्षण के लिए खोदे गए गड्ढे को कारण बताया जा रहा है। गड्ढे की मिट्टी नहीं भरे जाने से बारिश के दौरान दीवार की नींव कमजोर हो गई और बाउंड्री भरभराकर गिर गई। विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजेन्द्र यादव ने खंड शिक्षा अधिकारी व बेसिक शिक्षा विभाग को पत्र भेजकर तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है। उन्होंने बताया कि विद्यालय की बाउंड्री के पास एक अन्य

ऊंची दीवार भी जर्जर स्थिति में खड़ी है, जो कभी भी गिर सकती है। इससे विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों की सुरक्षा को गंभीर खतरा बना हुआ है। प्रधानाध्यापक ने बताया कि इस संबंध में पहले भी विभाग को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब बरसात के कारण स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है। उन्होंने शीघ्र कार्रवाई कर संभावित हादसे को रोकने की मांग की है। खंड शिक्षा अधिकारी योगेश गुप्ता ने बताया कि मामले की जांच के लिए टीम भेजी जाएगी और निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

फ्लाईओवर के नीचे पानी से भरे गड्ढे में मिला मजदूर का शव, पोस्टमार्टम के लिए भेजा

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ क्षेत्र में मेरठ रोड फ्लाईओवर के नीचे शुक्रवार को पानी से भरे गड्ढे में एक व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार मेरठ रोड फ्लाईओवर के नीचे रेलवे लाइन के पास हनुमान मंदिर की मूर्ति के पीछे खाली स्थान पर बारिश का पानी भरा हुआ था। दोपहर में लोगों ने पानी में शव पड़ा देखा और पुलिस को सूचना

दी। थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष चौहान ने बताया कि मृतक की पहचान बिहार के सहरसा जिले के हराहरी गांव निवासी बसंत पासवान (48) के रूप में हुई है। वह वर्तमान में हापुड़ के दस्तोई रोड पर किराये पर रहकर मजदूरी करता था। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि वह शराब पीने का आदी था तथा उसे दौरे भी पड़ते थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पीडब्ल्यूडी के साइन बोर्ड पर पीएम और सीएम की तस्वीरों पर पोती सफेदी, वायरल वीडियो के बाद जांच शुरू

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र के किठौर रोड पर लगे पीडब्ल्यूडी के साइन बोर्ड पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और डिप्टी मुख्यमंत्री की तस्वीरों पर अज्ञात शरारती तत्वों द्वारा सफेदी पोतने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस

जांच में जुट गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार घटना देर रात की बताई जा रही है। सुबह राहगीरों ने होल्डिंग पर सफेदी लगी देखी, जिसके बाद किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। थाना हापुड़ देहात प्रभारी पारस मलिक ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

राजनगर सेक्टर-2 रेलवे क्रॉसिंग पर जल्द बनेगा अंडरपास: जीडीए उपाध्यक्ष ने दिया डीपीआर बनाने का निर्देश, जाम से मिलेगी राहत

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)। राजनगर सेक्टर-2 के सामने स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर अब जाम की समस्या जल्द ही इतिहास बनने वाली है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के उपाध्यक्ष ने क्रॉसिंग का स्थलीय निरीक्षण करने के बाद यहाँ अंडरपास के निर्माण का निर्णय लिया है। इस कदम से स्थानीय निवासियों और आने-जाने वाले लाखों लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

निरीक्षण के बाद लिया गया बड़ा निर्णय
जीडीए उपाध्यक्ष ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान प्राधिकरण के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। स्थानीय नागरिकों और जन प्रतिनिधियों ने उपाध्यक्ष को अवगत कराया कि रेलवे फाटक बंद होने के कारण यहाँ हर दिन वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। जाम की स्थिति के चलते लोगों का काफी समय बर्बाद होता है और यातायात पूरी तरह बाधित हो जाता है। इन समस्याओं को देखते हुए उपाध्यक्ष ने इस स्थान को अंडरपास निर्माण के लिए सबसे उपयुक्त माना।
अधिकारियों को मिले सख्त निर्देश
उपाध्यक्ष ने प्राधिकरण के अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से कार्यवाही शुरू करने का निर्देश दिया है। इसके तहत निम्नलिखित कदम उठाए जाएंगे:
- **तकनीकी परीक्षण:** क्रॉसिंग की भौगोलिक स्थिति और निर्माण के लिए जरूरी तकनीकी पहलुओं की जांच।
- **सर्वेक्षण:** यातायात के दबाव और क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार सर्वे।
- **डीपीआर:** विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करना।
- **समन्वय:** निर्माण कार्य के लिए संबंधित विभागों के साथ सामंजस्य स्थापित कर जल्द से जल्द प्रस्ताव को अंतिम रूप देना।

किन इलाकों को होगा फायदा?
प्रस्तावित अंडरपास का सबसे बड़ा लाभ राजनगर के साथ-साथ इन क्षेत्रों को मिलेगा:
- **कवि नगर और शास्त्री नगर**
- **यूपीएसआईडीसी क्षेत्र**
- **आरडीसी और आसपास के अन्य इलाके**

इस निर्माण कार्य से इन क्षेत्रों के बीच आवागमन न केवल सुगम और सुरक्षित होगा, बल्कि सड़कों पर वाहनों का दबाव भी कम हो जाएगा।
जीडीए की प्राथमिकता: सुगम यातायात
जीडीए उपाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि प्राधिकरण शहर की यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आम जनता की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। भविष्य में भी जनहित से जुड़ी ऐसी आधारभूत परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा, ताकि शहरवासियों को जाममुक्त और बेहतर यातायात सुविधाएं मिल सकें।

मूसलाधार बारिश के बीच 13 गांवों में चला जल निकासी अभियान, पंप लगाकर दूर किया जलभराव

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण कई गांवों में जलभराव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई। तालाबों का गंदा पानी ओवरफ्लो होकर गलियों और कई मकानों तक पहुंच जाने से ग्रामीणों का जनजीवन प्रभावित हो गया। हालात बिगड़ते देख ब्लॉक प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रभावित गांवों में जल निकासी का विशेष अभियान चलाया। खंड विकास अधिकारी सतीश कुमार तथा सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) संजीव कुमार के नेतृत्व में शुक्रवार को युद्धस्तर पर राहत कार्य कराया गया, जिससे ग्रामीणों को काफी हद तक राहत मिली। प्रशासन ने सबसे पहले उन गांवों को प्राथमिकता दी, जहां जलभराव की स्थिति अधिक गंभीर थी। अभियान के तहत खरड़, टोडा, कुरथल, टांडा माजरा, लुहसाना, विज्ञाना, परासौली, गढ़ी नौआबाद सहित कुल 13 गांवों में बड़े पंप लगाकर पानी की निकासी कराई गई। इसके अलावा जिन स्थानों पर नालियां अवरुद्ध थीं, वहां सफाई कराकर जल प्रवाह को सुचारु बनाया गया। अधिकारियों ने पूरे अभियान की निगरानी करते हुए संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए, ताकि जल निकासी का कार्य बिना किसी बाधा के चलता रहे। खंड विकास अधिकारी सतीश कुमार ने बताया कि जिन गांवों में अभी भी जलभराव की स्थिति बनी हुई है, वहां समस्या पूरी तरह समाप्त होने तक पंप लगातार संचालित किए जाएंगे। उन्होंने सभी ग्राम सचिवों को निर्देश दिए कि वर्षा के दौरान अपने अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखें और कहीं भी जलभराव की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें। ब्लॉक प्रशासन ने स्पष्ट किया कि ग्रामीणों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी तथा आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त संसाधन भी उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से प्रभावित गांवों के लोगों ने राहत की सांस ली है और जनजीवन को सामान्य बनाने के प्रयास लगातार जारी हैं।

गाजियाबाद को मिलेगी 'उत्सव भवन' की सौगात: कवि नगर गेस्ट हाउस का होगा कायाकल्प, बनेगा आधुनिक कन्वेंशन सेंटर

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)।
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण अब शहरवासियों को एक बड़ी सौगात देने की तैयारी में जुट गया है। कवि नगर स्थित पुराने गेस्ट हाउस परिसर को अब आधुनिक सुविधाओं से लैस 'उत्सव भवन' के रूप में विकसित किया जाएगा। जीडीए उपाध्यक्ष ने आज मुख्य अभियंता और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साइट का स्थलीय निरीक्षण किया और इस महत्वाकांक्षी परियोजना को जल्द से जल्द धरातल पर उतारने के कड़े निर्देश दिए।
शहर की नई पहचान बनेगा 'उत्सव भवन'
निरीक्षण के दौरान परिसर की वर्तमान स्थिति, उपलब्ध विशाल भूमि और भवन संरचना का बारीकी से अवलोकन किया गया। योजना के अनुसार, इस स्थल को सिर्फ एक गेस्ट हाउस तक सीमित न रखकर, इसे अत्याधुनिक कन्वेंशन सेंटर-कम-बैंक्वेट हॉल के रूप में विकसित किया जाएगा। यह भवन आने वाले समय में गाजियाबाद के सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रमुख केंद्र बनेगा।
क्या होंगी सुविधाएं?
इस प्रस्तावित कन्वेंशन सेंटर का मुख्य उद्देश्य मध्यम और निम्न

आय वर्ग के परिवारों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं सुलभ दरों पर उपलब्ध कराना है। 'उत्सव भवन' में निम्नलिखित आयोजन सुव्यवस्थित ढंग से किए जा सकेंगे:
- पारिवारिक कार्यक्रम: विवाह, सगाई और अन्य निजी समारोह।
- कॉर्पोरेट और सरकारी: बड़ी व्यावसायिक बैठकें, सेमिनार और सरकारी कार्यक्रम।
- सांस्कृतिक गतिविधियां: प्रदर्शनी, संगीत और कला उत्सव।
- सुरक्षा और आधुनिकता: परिसर को अत्याधुनिक सुरक्षा मानकों, पार्किंग व्यवस्था और आधुनिक वास्तुकला के साथ तैयार किया जाएगा।

विकास का मॉडल: पीपीपी या जीडीए ?
जीडीए इस परियोजना को गति देने के लिए दो विकल्पों पर गंभीरता से विचार कर रहा है। या तो इसे पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत विकसित किया जाएगा, या फिर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण स्वयं अपने संसाधनों से इसका निर्माण कराएगा। परियोजना की अवधारणा पूर्व में ही सार्वजनिक की जा चुकी है और अब जीडीए इसे मूर्त रूप देने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है।
अधिकारियों को सख्त निर्देश: समयबद्ध पूरा हो काम
निरीक्षण के दौरान उपाध्यक्ष ने साफ कर दिया है कि परियोजना में किसी भी तरह की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि:
परियोजना से संबंधित तकनीकी, वित्तीय और प्रशासनिक औपचारिकताओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए।
एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए।
विकास कार्य को समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतारना सुनिश्चित किया जाए ताकि शहरवासियों को जल्द से जल्द यह आधुनिक सुविधा मिल सके। यह परियोजना गाजियाबाद के शहरी विकास में एक नया अध्याय जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है।

के0डी0 कालिज, सिम्भावली (हापुड़)
(सम्बद्ध: चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ)

सार्वजनिक सूचना

के०डी० कॉलेज, सिम्भावली, हापुड़ में 20 किलोवाट सोलर पावर सिस्टम (10 किलोवाट .2 इकाई), ऑन-ग्रिड/ऑफ-ग्रिड की स्थापना हेतु सीलबन्द निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। इच्छुक एवं पात्र फर्में दिनांक 13.07.2026 से 22.07.2026 तक कार्यालय समय में ₹100/- निविदा शुल्क जमा कर निविदा प्रपत्र प्राप्त कर सकती हैं। सीलबन्द निविदाएँ दिनांक 24.07.2026 को अपराह्न 1:00 बजे तक महाविद्यालय की निविदा पेटिका में जमा की जा सकेंगी। प्राप्त निविदाएँ इच्छुक निविदादाताओं की उपस्थिति में दिनांक 24.07.2026 को अपराह्न 2:00 बजे प्राचार्य कार्यालय में गठित समिति द्वारा खोली जाएँगी। शर्तें:- 1. 20 किलोवाट सोलर पावर सिस्टम (10 किलोवाट 2 इकाई), ऑन-ग्रिड/ऑफ-ग्रिड का विस्तृत तकनीकी विवरण एवं विनिर्देश निविदा प्रपत्र में उपलब्ध रहेगा 2. प्रबन्ध समिति को बिना कोई कारण बताए किसी भी अथवा समस्त निविदाओं को स्वीकार अथवा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा। 3. प्रत्येक निविदा प्रपत्र के साथ ₹100/- का गैर-न्यायिक (Non-Judicial) स्टाम्प संलग्न करना अनिवार्य होगा। 4. अधिकृत एवं पंजीकृत फर्मों/एजेंसियों की निविदाएँ स्वीकार की जाएँगी। 5. अन्य नियम एवं शर्तें महाविद्यालय के प्राचार्य कार्यालय से कार्यालय समय में प्राप्त की जा सकती हैं।

सचिव/प्राचार्य,
के0डी0 कॉलेज, सिम्भावली, हापुड़

तालाब के गंदे पानी से जलभराव पर ग्रामीणों का प्रदर्शन, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

शामली (शिखर समाचार)। गांव लांक पट्टी सुधान में तालाब का गंदा पानी रिहायशी क्षेत्र में भर जाने से परेशान ग्रामीणों ने शुक्रवार को सदर उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि जलभराव के कारण गलियों और घरों में गंदा पानी जमा हो गया है, जिससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो रहा है। साथ ही संक्रामक बीमारियां फैलने की आशंका भी लगातार बढ़ती जा रही है।

ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि तालाब का ओवरफ्लो पानी मोहल्ले की गलियों और मकानों तक पहुंच गया है। इससे बच्चों को विद्यालय आने-जाने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है, जबकि बुजुर्गों और महिलाओं के लिए घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। उन्होंने बताया कि लगातार गंदा पानी भरे रहने से कई लोग बीमार पड़ रहे हैं तथा पशुओं के लिए चारा लाने और अन्य दैनिक कार्यों में भी भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों के अनुसार जलभराव के कारण मोहल्ले का हैंडपंप और पेयजल आपूर्ति का नल भी गंदे पानी की चपेट में आ गया है, जिससे स्वच्छ पेयजल का संकट उत्पन्न हो गया है। घरों के आसपास गंदा पानी जमा रहने से भोजन बनाने सहित अन्य घरेलू कार्य प्रभावित हो रहे हैं और मच्छरों के प्रकोप के साथ संक्रामक रोग फैलने का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल मौके का निरीक्षण कर तालाब के गंदे पानी की निकासी कराने तथा स्थायी समाधान कराने की मांग की, ताकि लोगों को राहत मिल सके। ज्ञापन सौंपने वालों में सुशील कुमार, विजयपाल, सहदेव, सोनू, संजू, सुभाष, सतपाल, सागर, सन्नी और ओमवीर सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे।

जिले की सभी ग्राम पंचायतें बहुउद्देशीय पैक्स से आच्छादित, 15 नई सहकारी समितियों का गठन

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिला सहकारी विकास समिति (डीसीडीसी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में सहकारिता विभाग की योजनाओं, नई समितियों के गठन, उर्वरक उपलब्धता तथा किसानों के पंजीकरण की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने नवगठित बी-पैक्स समितियों के लिए शीघ्र भूमि और भवन उपलब्ध कराने तथा अधिक से अधिक किसानों की फार्मर रजिस्ट्री सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

बैठक में सदस्य संयोजक एवं सहायक आयुक्त तथा सहायक निबंधक (सहकारिता) हिमांशु कुमार ने बताया कि जनपद की सभी 51 पैक्स समितियों, पांच मत्स्य सहकारी समितियों तथा 92 डेयरी सहकारी समितियों का विवरण राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस पोर्टल पर अपलोड किया जा चुका है। शासन की मंशा के अनुरूप जनपद में 15 नई सहकारी समितियों का गठन किया गया है। वर्तमान में 50 बी-पैक्स समितियों के माध्यम से किसानों को ऋण वितरण किया जा रहा है तथा जनपद की सभी 273 ग्राम पंचायतें बहुउद्देशीय पैक्स समितियों से आच्छादित हैं।

उन्होंने बताया कि जिले की 34 बी-पैक्स समितियों पर साझा सेवा केंद्र संचालित हैं, जबकि दो बी-पैक्स समितियों पर जनऔषधि केंद्र कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त पांच समितियों को जनऔषधि केंद्र के लिए औषधि लाइसेंस एवं स्टोर कोड प्राप्त हो चुका है। जिलाधिकारी ने इन समितियों में भी शीघ्र जनऔषधि केंद्र शुरू कराने के निर्देश दिए। बैठक में उर्वरकों की उपलब्धता की जानकारी देते हुए बताया गया कि समितियों पर 964 मीट्रिक टन यूरिया, 479 मीट्रिक टन डीएपी तथा 24 मीट्रिक टन एनपीके उपलब्ध है। वहीं पीसीएफ के बफर गोदाम में सामान्य एवं पूर्व भंडारण स्टॉक सहित 2,426 मीट्रिक टन यूरिया, 2,203 मीट्रिक टन डीएपी तथा 200 मीट्रिक टन एनपीके उपलब्ध है, जिससे किसानों को नियमानुसार निरंतर उर्वरक उपलब्ध कराया जा रहा है। अंत में सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए बैठक का समापन किया गया।

श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया मां शीतला माता धाम का 21वां जन्मोत्सव, विशाल भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

शामली (शिखर समाचार)। शहर के मोहल्ला पंसारियान स्थित प्राचीन सिद्ध पीठ शीतला माता धाम एवं महर्षि वाल्मीकि आश्रम सेवा समिति के तत्वावधान में मां भगवती शीतला माता का 21वां जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ, महाआरती तथा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर प्रसाद ग्रहण किया और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवी विनोद प्रमुख तथा मंदिर समिति के पदाधिकारियों की उपस्थिति में मां भगवती शीतला माता के विधिवत पूजन और आरती के साथ हुआ। मंदिर समिति के अध्यक्ष सुदेश कुमार, उपाध्यक्ष मनोज कुमार, सचिव अनुज कुमार बिड़ला तथा कोषाध्यक्ष खुशीराम कौशिक ने मां शीतला की आरती उतारकर जनकल्याण, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। इसके उपरांत पंडित महेंद्र भूषण और मंदिर के महंत राजू शाह महाराज के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-यज्ञ संपन्न हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने आहुतियां अर्पित कर परिवार एवं समाज की खुशहाली की मंगलकामना की। धार्मिक अनुष्ठानों के बाद ढोल-नगाड़ों की गूंज और जयकारों के बीच महाआरती का आयोजन हुआ। इसके पश्चात विशाल भंडारे में मोहल्लेवासियों सहित आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। कार्यक्रम में सुनील कुमार चंद्रा, सोमदत्त गहलोत, राजवीर भगत, मनोहर लाल सैनी, अरविंद कुमार, रामफल, हितेश, विनोद कुमार, रघुनाथ, बालक राम, प्रदीप चावला, संतराम चावला सहित अनेक श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

गोरखपुर , एजेंसी। लगभग 31 वर्ष बाद दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ, शाखा गोरखपुर की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह बुधवार को दीवानी न्यायालय परिसर के सभागार में आयोजित हुआ। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर कर्मचारियों के हितों की रक्षा और न्यायिक कार्यों में सहयोग का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि प्रभारी जनपद न्यायाधीश एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम उमेश चन्द्र पाण्डेय ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कर्मचारी संघ से न्यायालय की कार्यसंस्कृति को और मजबूत बनाने की अपेक्षा जताई ।अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, मंत्री सचिव विकास सिंह समेत नई कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं का त्वरित समाधान, उनके अधिकारों की रक्षा और न्यायिक कार्यों में पारदर्शिता लाना उनकी प्राथमिकता होगी। मंत्री सचिव विकास सिंह ने कहा कि कर्मचारी संघ, प्रशासन और कर्मचारियों के बीच मजबूत समन्वय स्थापित करने का कार्य करेगा। पदाधिकारियों ने चुनाव अधिकारियों खलील अहमद, योगेंद्र मौर्य और पंकज कुमार सिंह का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रांतीय संयुक्त सचिव महेश्वर किशोर सिंह, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी चन्द्र भूषण सिंह, केंद्रीय नाजिर विधान चन्द्र दीक्षित सहित बड़ी संख्या में न्यायालय कर्मचारी मौजूद रहे

एम्स के छात्र ने मानसिक तनाव में खाईं नींद की गोलियां, बिगड़ी तबीयत

गोरखपुर , एजेंसी। नींद की गोली खाने से सर्जरी विभाग के प्रथम वर्ष के छात्र की तबीयत बिगड़ गई। एम्स के सर्जरी विभाग में छात्र की तबीयत अचानक बिगड़ने पर इमरजेंसी में उसे भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि युवक पिछले दिनों से मानसिक रूप से तनाव में था। छात्र बंगलूरू का रहने वाला है। इस बार वह मानसिक रूप ज्यादा से परेशान था। इसकी वजह से उसकी मां भी साथ आई हैं। पढ़ाई और मानसिक रूप से परेशान छात्र मंगलवार रात को ड्यूटी के समय ही दवा खाकर ड्यूटी कक्ष में ही सो गया। इससे बुधवार को उसकी तबीयत बिगड़ गई। फिलहाल साथियों ने समय से उसे इमरजेंसी में भर्ती करवा कर उपचार शुरू करवा दिया, जिससे उसकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है ।छात्रों को पढ़ाई के समय इंटर्नशिप भी कराया जाता है। इसी बीच मंगलवार रात में छात्र की ड्यूटी लगी थी। सुबह ड्यूटी रूम में दूसरे सहयोगी आए तो देखे कि छात्र बेसुध कमरे में लेटा था। हिलाने-डुलाने पर सांस चल रही थी लेकिन उसे सुध नहीं थी। इसी बीच देर न करते हुए सहयोगियों और वरिष्ठ चिकित्सकों ने आनन-फानन में इमरजेंसी में भर्ती करवाया और उपचार शुरू किया। थोड़ी देर बाद छात्र को होश आ गया और हालत स्थिर हो गई। बंगलूरू का रहने वाला छात्र कुछ दिन पहले ही एम्स की छुट्टी बिताकर अपने घर से लौटकर आया था। जब वह गोरखपुर आया था तो उसकी मां भी आईं।

खो और पाधोई नदी में उफान से नगीना हरेवली मार्ग बंद, खेत जलमग्न, स्कूली बच्चों की बढ़ी मुश्किलें

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश का असर अब बिजनौर जिले में भी दिखाई देने लगा है। खो और पाधोई नदी के जलस्तर में तेज वृद्धि होने से नगीना-हरेवली मार्ग पर स्थित पाधोई पुलिया के ऊपर से तेज बहाव के साथ पानी गुजर रहा है, जिससे दोनों क्षेत्रों के बीच सड़क संपर्क पूरी तरह टूट गया है। मार्ग बंद होने से राहगीरों, ग्रामीणों और विद्यार्थियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के मौसम में यहां जलभराव की समस्या हर वर्ष होती है, लेकिन इस बार हालात पहले से अधिक गंभीर हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि पाधोई पुलिया के समीप कुछ भू-कारोबारियों द्वारा जंगल क्षेत्र में भूमि खरीदकर ऊंची दीवार का निर्माण करा दिया गया है। इससे नदी के पानी का स्वाभाविक बहाव बाधित हो गया और बाढ़ का पानी आसपास के खेतों और खलिहानों में फैल गया। परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में कृषि भूमि जलमग्न हो गई है और किसानों को फसलों के नुकसान की आशंका सताने लगी है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द जलनिकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो नुकसान और बढ़ सकता है।

सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों, विशेषकर छात्राओं को उठानी पड़ रही है। उन्हें विद्यालय आने-जाने के लिए घुटनों से ऊपर तक बहते तेज पानी के बीच होकर गुजरना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह स्थिति किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकती है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जलभराव और कथित अवैध निर्माण की शिकायतें संबंधित अधिकारियों को दी गईं, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। लोगों ने प्रशासन से तत्काल मौके का निरीक्षण कर अवरोध हटाने, जलनिकासी सुचारु कराने और नगीना-हरेवली मार्ग पर आवागमन शीघ्र बहाल कराने की मांग की है।

मेरठ परिक्षेत्र में 6,846 हिस्ट्रीशीटरों का सत्यापन, जून में 67 नई हिस्ट्रीशीट खोली गईं

मेरठ (शिखर समाचार)। मेरठ परिक्षेत्र में अपराधियों की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी के लिए चलाए जा रहे 'ऑपरेशन हिस्ट्रीशीटर' की समीक्षा के दौरान जून माह में चार जनपदों के कुल 6,846 हिस्ट्रीशीटरों का सत्यापन और निगरानी की गई। इस अवधि में 67 नई हिस्ट्रीशीट खोली गईं, जबकि पांच हिस्ट्रीशीटरों की मृत्यु के बाद उनकी हिस्ट्रीशीट समाप्त कर दी गई। साथ ही सभी हिस्ट्रीशीटरों का शत-प्रतिशत विवरण 'यक्ष' अनुप्रयोग पर दर्ज कर दिया गया है।

पुलिस उपमहानिरीक्षक, मेरठ परिक्षेत्र, कलानिधि नैथानी ने समीक्षा बैठक में बताया कि जून माह के दौरान मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और हापुड़ में अपराधियों के सत्यापन अभियान को व्यापक स्तर पर चलाया गया। वर्तमान में परिक्षेत्र के 773 हिस्ट्रीशीटर विभिन्न जेलों में निरुद्ध हैं। जनपदवार आंकड़ों के अनुसार मेरठ में 13, बुलंदशहर में 45, बागपत में आठ तथा हापुड़ में एक नई हिस्ट्रीशीट खोली गई। वहीं मेरठ में 268, बुलंदशहर में 220, बागपत में 184 और हापुड़ में 101 हिस्ट्रीशीटर जेल में निरुद्ध पाए गए।

समीक्षा के दौरान पुलिस उपमहानिरीक्षक ने सभी जनपदों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपनिरीक्षक स्तर से हिस्ट्रीशीटरों का नियमित सत्यापन कराया जाए और सक्रिय अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी निरोधात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जिन अपराधियों के विरुद्ध दस या उससे अधिक मुकदमे दर्ज हैं, उनकी हिस्ट्रीशीट प्राथमिकता के आधार पर खोली जाए। इसके अलावा सात या उससे अधिक मुकदमों वाले अपराधियों की भी पहचान कर आवश्यकतानुसार उनके विरुद्ध हिस्ट्रीशीट खोलने की कार्रवाई की जाए।

बैठक में 'यक्ष' अनुप्रयोग पर दर्ज विवरण की गुणवत्ता सुधारने पर भी विशेष बल दिया गया। निर्देश दिए गए कि प्रत्येक हिस्ट्रीशीटर का नवीनतम फोटो, पहचान चिह्न, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर, जमानतदारों का विवरण, परिजनों की जानकारी, आपराधिक इतिहास तथा नवीन मुकदमों का विवरण समय-समय पर अद्यतन किया जाए। साथ ही क्षेत्राधिकारी और पुलिस अधीक्षक स्तर से नियमित औचक जांच कर अभिलेखों की शुद्धता सुनिश्चित की जाए।

12 जुलाई को बिजनौर में होगा 76 लाख पौधों का रोपण, अभियान को चुनाव जैसी रणनीति से कराया जाएगा संपन्न

बिजनौर (शिखर समाचार)। वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां अंतिम चरण में पहुंचा दी हैं। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में विभागवार तैयारियों का विस्तृत आकलन करते हुए सभी अधिकारियों को समयबद्ध ढंग से दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि जिन विभागों ने अभी तक वन विभाग की नर्सरियों से अपने निर्धारित पौधे प्राप्त नहीं किए हैं, वे तत्काल पौध उठान की प्रक्रिया पूरी कर सुरक्षित स्थानों पर उनका संरक्षण सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि 12 जुलाई को प्रत्येक विभाग पौधारोपण के साथ जनसहभागिता आधारित कार्यक्रम भी आयोजित करे तथा उसमें जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। साथ ही सभी तहसीलों, विकासखंडों, नगर निकायों और ग्राम पंचायतों में व्यापक जनभागीदारी के साथ पौधारोपण अभियान संचालित किया जाए। इस अभियान में स्वयं सहायता समूहों, गैर सरकारी संगठनों, राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर सहित विभिन्न संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी।

बैठक में प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी प्रभाग ने बताया कि प्रदेशव्यापी अभियान के अंतर्गत 12 जुलाई को उत्तर प्रदेश में 35 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे, जबकि बिजनौर जनपद में एक ही दिन में लगभग 76 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा। अभियान को पूरी तरह चुनावी प्रबंधन की तर्ज पर संचालित किया जाएगा। इसके लिए उप जिलाधिकारियों को जोनल समन्वयक, तहसीलदारों को जोनल दंडाधिकारी तथा खंड विकास अधिकारियों को सेक्टर दंडाधिकारी नामित किया गया है। वन विभाग की ओर से राजकीय मेडिकल कॉलेज, स्वाहेड़ी में मुख्य वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं शासन ने सहकारिता विभाग के आयुक्त एवं निबंधक योगेश कुमार को बिजनौर जनपद का नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

नाले की सफाई न होने पर फूटा गुस्सा, निगम के विरोध में घरों पर लगाए काले झंडे

अलीगढ़ , एजेंसी। शहर के नगला पटवारी क्षेत्र में नाले की सफाई और भूमिगत निर्माण की मांग पूरी न होने से नाराज लोगों का गुस्सा बुधवार को फूट पड़ा। संयुक्त श्रमिक किसान मोर्चा के आह्वान पर लोगों ने अपने घरों पर काले झंडे लगाकर नगर निगम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और जमकर नारेबाजी की। उन्होंने भूमिगत नाला बनवाने की मांग की है।

मोर्चा के संस्थापक जितेंद्र शर्मा ने आरोप लगाया कि नगला पटवारी से गुजरने वाले नाले की लंबे समय से नियमित सफाई नहीं कराई गई है। इसके चलते सड़क पर जलभराव रहता है। इससे लोगों का पैदल निकलना तक मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों का नाले में गिरने का खतरा बना रहता है, जबकि कब्रिस्तान, श्मशान घाट, मंदिर और मस्जिद जाने वाले लोगों को भी गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है।

उन्होंने बताया कि छह मई को नाले के भूमिगत निर्माण की मांग को लेकर नगर आयुक्त और उपजिलाधिकारी कोल को ज्ञापन सौंपा था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके विरोध में क्षेत्रवासियों ने अपने घरों पर काले झंडे लगाकर विरोध दर्ज कराया। बारिश के बीच हुए प्रदर्शन में मोर्चा के जिलाध्यक्ष मोहम्मद रिजवान शाह के नेतृत्व में लोगों ने नगर निगम के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो नगर निगम का घेराव कर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन में जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद फरमान, मीडिया प्रभारी अब्दुल हादी आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री कैशलेस एवं डीबीटी योजना का शुभारंभ, शिक्षकों को वितरित किए गए स्वास्थ्य कार्ड

शामली (शिखर समाचार)। विकास खंड संसाधन केंद्र (बीआरसी) कार्यालय बनत में मुख्यमंत्री कैशलेस योजना एवं प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजना के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों और शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख जयदेव मलिक ने मुख्यमंत्री कैशलेस योजना के कार्ड शिक्षकों को वितरित करते हुए कहा कि यह योजना शिक्षकों एवं कर्मचारियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार की महत्वपूर्ण पहल है। जयदेव मलिक ने कहा कि मुख्यमंत्री कैशलेस योजना के माध्यम से लाभार्थियों को उपचार के दौरान आर्थिक राहत मिलेगी और उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ अधिक सरल एवं सुगमता से प्राप्त होगा। उन्होंने इसे जनकल्याणकारी योजना बताते हुए अधिक से अधिक पात्र लोगों तक इसका लाभ पहुंचाने पर बल दिया। खंड शिक्षा अधिकारी थानाभवन राहुल धामा ने उपस्थित शिक्षकों को योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री कैशलेस योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को सूचीबद्ध चिकित्सालयों में उपचार की सुविधा उपलब्ध होगी। वहीं खंड शिक्षा अधिकारी शामली प्रिंसी ने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि शामली ब्लॉक के 92 प्रतिशत विद्यार्थियों को योजना का लाभ मिल चुका है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस माह के अंत तक शत-प्रतिशत पात्र विद्यार्थियों को योजना से जोड़ दिया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन अंकित गोयल ने किया। इस अवसर पर संजीव तरार, लोकेंद्र कुमार, श्रवण कुमार, नवीन कुमार, मीनाक्षी, हितेश कुमार, संजीव कुमार, अनुज कुमार, फरहत अली सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बारिश से पहले डीएम ने परखी जलनिकासी व्यवस्था, जलभराव रोकने और स्वच्छता के दिए सख्त निर्देश

बिजनौर (शिखर समाचार)। आगामी वर्षा को देखते हुए नगर में जलभराव की संभावित समस्या से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी जसजीत कौर ने नगर पालिका परिषद क्षेत्र के आवास विकास, बुखारा कॉलोनी तथा वार्ड संख्या-12 शिवाजी नगर का स्थलीय निरीक्षण कर जलनिकासी व्यवस्था और संभावित जलभराव वाले स्थानों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अंशिका दीक्षित, नगर पालिका परिषद के अवर अभियंता (सिविल) यशवंत कुमार, अवर अभियंता (जल) गौरव शर्मा, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक गोविन्द चौधरी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से जलनिकासी व्यवस्था की जानकारी लेते हुए आवश्यक सुधार कार्य तत्काल शुरू कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान शिवाजी नगर वार्ड संख्या-12 में मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के अंतर्गत प्रस्तावित सड़कों के निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में जलभराव और गंदगी के कारण संचारी रोग फैलने की आशंका बढ़ जाती है, इसलिए क्षेत्र में नियमित साफ-सफाई, नालियों की समयबद्ध सफाई तथा जलभराव रोकने के प्रभावी उपाय सुनिश्चित किए जाएं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखने और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश भी दिए।

बुखारा स्थित सरकारी कॉलोनी के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सड़क किनारे स्थापित विद्युत ट्रांसफार्मर के चारों ओर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए, ताकि वर्षा के दौरान किसी प्रकार की दुर्घटना की आशंका न रहे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नगर क्षेत्र में जलनिकासी, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध ढंग से कार्य करें और वर्षा के दौरान आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न होने पाए।

450 करोड़ रुपये मूल्य की अवैध कॉलोनियों पर यमुना प्राधिकरण का बड़ा प्रहार, डेढ़ लाख वर्गमीटर क्षेत्र में ध्वस्तीकरण

अलीगढ़ (शिखर समाचार)। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने अवैध कॉलोनियों और अतिक्रमण के विरुद्ध अपना अभियान तेज करते हुए गुरुवार को जनपद अलीगढ़ के टप्पल क्षेत्र स्थित ग्राम मरोरगढ़ी तथा आसपास के गांवों में बड़े पैमाने पर ध्वस्तीकरण कार्रवाई की। अभियान के दौरान हरित वाटिका मरोरगढ़ी सहित अन्य अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनियों में लगभग डेढ़ लाख वर्गमीटर भूमि पर किए गए निमार्णों को ध्वस्त कर दिया गया। प्राधिकरण के अनुसार मुक्त कराई गई भूमि का अनुमानित बाजार मूल्य करीब 450 करोड़ रुपये है।

यह कार्रवाई यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर की गई। अभियान का नेतृत्व विशेष कार्याधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने किया। इस दौरान उपजिलाधिकारी अभिषेक शाही, तहसीलदार मनोज कुमार सिंह, प्राधिकरण के परियोजना विभाग के अधिकारियों तथा अलीगढ़ पुलिस प्रशासन की टीम की मौजूदगी में पूरे अभियान को शांतिपूर्वक और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया गया। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो।

प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि अधिसूचित क्षेत्र में बिना स्वीकृति विकसित की जा रही कॉलोनियां नियमों का खुला उल्लंघन हैं और ऐसे निर्माण किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। उन्होंने आमजन से अपील की कि किसी भी भूखंड या आवासीय परियोजना में निवेश करने से पहले उसकी वैधता की प्राधिकरण से पुष्टि अवश्य कर लें। साथ ही स्पष्ट किया गया कि अवैध कब्जे, अनधिकृत कॉलोनियों के विकास तथा सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार कठोर ध्वस्तीकरण अभियान निरंतर जारी रहेगा। प्राधिकरण का कहना है कि नियोजित एवं सुव्यवस्थित विकास सुनिश्चित करने के लिए नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी।

हापुड़ की बेटी महिमा त्यागी ने बॉलीवुड में बनाई पहचान, 27 साल की उम्र में IMDb पर दर्ज हुआ नाम

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद की बेटी महिमा त्यागी ने कम उम्र में लेखन और निर्देशन के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाते हुए बॉलीवुड में भी अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी है। महज 27 वर्ष की आयु में उनका नाम IMDb पर दर्ज हो चुका है और वह "Welcome to the Jungle" जैसी बड़ी बॉलीवुड फिल्म का हिस्सा भी रही हैं।

नगर के विवेक विहार निवासी समाजसेवी आदेश त्यागी (असौड़ा वाले) की पुत्री महिमा ने लंदन से इंग्लिश में क्रिएटिव राइटिंग के साथ स्नातक किया है। 19 वर्ष की उम्र में उन्होंने लीसेस्टर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कविता प्रतियोगिता में अपने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया, जहां 23 देशों के प्रतिभागियों के बीच उपनिवेशवाद, नस्लवाद और पूंजीवाद जैसे विषयों पर अपनी कविताओं से विशेष पहचान बनाई। शिक्षा पूरी करने के बाद महिमा ने स्वतंत्र लेखिका, फिल्मकार और एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के रूप में कार्य शुरू किया। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्रालय के लिए विज्ञापन, म्यूजिक वीडियो और शॉर्ट फिल्मों का लेखन एवं निर्देशन किया है तथा कई बॉलीवुड परियोजनाओं से भी जुड़ी रही हैं। महिमा का कहना है कि वह अपने लेखन और फिल्मों के माध्यम से युवाओं की सोच, सामाजिक सरोकारों और समकालीन राजनीतिक मुद्दों को प्रभावी ढंग से सामने लाना चाहती हैं। उनकी इस उपलब्धि पर पूर्व विधायक गजराज सिंह, विजय गोयल, पूर्व पालिकाध्यक्ष मालती भारती, नवरत्न त्यागी, भाजपा प्रवक्ता अवनीश त्यागी, मनोज त्यागी, सोनू त्यागी, सचिन जिंदल, डॉ. सुमन अग्रवाल सहित अनेक लोगों ने शुभकामनाएं दीं।

250 करोड़ रुपये मूल्य की भूमि अतिक्रमणमुक्त, यमुना प्राधिकरण ने ग्रीन बेल्ट से हटाया अवैध कब्जा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने अधिसूचित क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त रुख अपनाते हुए शुक्रवार को व्यापक प्रवर्तन अभियान चलाया। अभियान के तहत ग्राम चपरगढ़ एवं मिजापुर क्षेत्र की 60 मीटर चौड़ी ग्रीन बेल्ट पर किए गए अवैध कब्जों को हटाकर लगभग 50 हजार वर्गमीटर भूमि अतिक्रमणमुक्त कराई गई। प्राधिकरण के अनुसार मुक्त कराई गई भूमि का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 250 करोड़ रुपये है।

यह कार्रवाई मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई। अधिकारियों ने बताया कि संबंधित भूमि यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा अर्जित एवं कब्जा प्राप्त भूमि है, जिस पर कुछ लोगों ने अवैध रूप से कब्जा कर निर्माण एवं अतिक्रमण कर लिया था। प्रवर्तन दल ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी और अन्य मशीनों की सहायता से अवैध निमार्णों को ध्वस्त किया तथा भूमि को पुनः प्राधिकरण के कब्जे में ले लिया।

अभियान में उपजिलाधिकारी कृष्ण गोपाल त्रिपाठी, उपजिलाधिकारी हरी प्रताप सिंह, उपजिलाधिकारी शिव अवतार सिंह सहित प्राधिकरण के परियोजना विभाग, भूलेख विभाग एवं प्रवर्तन दल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रांतीय सशस्त्र आरक्षी बल (पीएसी) तथा भारी पुलिस बल तैनात रहा, जिसके कारण पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि अधिसूचित क्षेत्र में ग्रीन बेल्ट, सार्वजनिक उपयोग की भूमि अथवा अर्जित भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा, निर्माण या अनधिकृत कॉलोनी का विकास किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नियोजित विकास को बाधित करने वाले तत्वों के विरुद्ध भविष्य में भी लगातार प्रवर्तन अभियान चलाए जाएंगे और नियमों के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। प्राधिकरण ने आमजन से भी अपील की है कि किसी भी भूमि या भूखंड की खरीद से पूर्व उसकी वैधता की जांच अवश्य कर लें, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

बाढ़ से निपटने की तैयारियां तेज, सभी विभागों को 14 जुलाई तक सत्यापित रिपोर्ट देने के निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। संभावित बाढ़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को ऑनलाइन माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में यमुना और हिंडन नदी के जलस्तर में संभावित वृद्धि को देखते हुए राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों का विस्तृत आकलन किया गया। सभी संबंधित विभागों को समय रहते आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी करने तथा 14 जुलाई तक सत्यापित प्रतिवेदन एवं छायाचित्र जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

बैठक में सिंचाई विभाग ने बताया कि यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने पर जेवर और दादरी तहसील के कई गांव प्रभावित हो सकते हैं। वहीं हिंडन नदी में जलस्तर बढ़ने और यमुना में अधिक पानी आने की स्थिति में बैक वाटरिंग के कारण आसपास के क्षेत्रों में जलभराव की आशंका बनी रहती है। इसे देखते हुए सभी विभागों को समन्वित कार्ययोजना तैयार रखने तथा राहत एवं बचाव के संसाधन पहले से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। अपर जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों को अपने-अपने क्षेत्रों की बाढ़ चौकियों, बाढ़ शरणस्थलों और प्रमुख नालों का स्थलीय निरीक्षण करने तथा व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के निर्देश दिए। प्राधिकरणों को नालों की सफाई, जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने और नदी तटीय क्षेत्रों में अवैध निमार्णों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही संभावित बाढ़ प्रभावित लोगों और पशुओं के सुरक्षित स्थानांतरण के लिए स्थानों का चिन्हीकरण कर विस्तृत कार्ययोजना तैयार रखने के निर्देश भी दिए गए।

स्वास्थ्य विभाग को रैपिड रिस्पांस टीम, चिकित्सकीय दल, एंबुलेंस और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को गौशालाओं का चिन्हीकरण, पशुओं के लिए चारे और वैकल्पिक आश्रय की व्यवस्था करने को कहा गया। विद्युत विभाग को टूटे विद्युत पोल, लटकते तार और अन्य संभावित खतरों को तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला आपदा विशेषज्ञ ओमकार चतुर्वेदी सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे।

दो खंड शिक्षा अधिकारी बने डायट के वरिष्ठ प्रवक्ता, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने किया सम्मानित

हापुड़ (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने खंड शिक्षा अधिकारी देशराज वत्स और नगर खंड शिक्षा अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता को डायट में वरिष्ठ प्रवक्ता के पद पर नियुक्त किए जाने पर सम्मानित करते हुए शुभकामनाएं दीं। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि देशराज वत्स की नियुक्ति जनपद मुजफ्फरनगर स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में वरिष्ठ प्रवक्ता के रूप में हुई है।

वहीं पदोन्नति के बाद मनोज कुमार गुप्ता को सहारनपुर डायट में वरिष्ठ प्रवक्ता बनाया गया है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अशोक कश्यप, कार्यकारी जिला अध्यक्ष विजय कुमार त्यागी, महामंत्री आदर्श गोयल, मोहर सिंह, अरुण सिसोदिया, रीता भाटी, ज्योति चौधरी, नवीन त्यागी, हरेंद्र चौधरी, सोनू सिंह, संदीप पाटिल, उमेश त्यागी, राकेश सिंह, संजय सक्सेना, विनय सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों ने दोनों अधिकारियों का सम्मान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महासंघ के पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि दोनों अधिकारियों के अनुभव और कार्यशैली से डायट में शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को नई दिशा मिलेगी तथा शिक्षा व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी।

प्रिंटिंग प्रेस पर छूटा सोने के आभूषणों से भरा बैग, रुपये मांगने पर जान से मारने की धमकी, मुकदमा दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र में प्रिंटिंग प्रेस की दुकान पर छूटे सोने के आभूषणों से भरे बैग को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। पीड़ित का आरोप है कि बैग वापस मांगने पर दुकान संचालक ने पहले रुपये देने का आश्वासन दिया, लेकिन बाद में गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दे दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर नामजद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के गांव तिलपता निवासी आशीष चौधरी ने शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, उन्होंने जीटी रोड स्थित एक वित्तीय कंपनी में गिरवी रखे अपने सोने के आभूषण 17 जून को छुड़ाए थे। आभूषण बैग में रखकर लौटते समय वह नगर स्थित एक प्रिंटिंग प्रेस पर कुछ दस्तावेजों की छपाई कराने पहुंचे, जहां उनका बैग अनजाने में छूट गया। बैग में करीब नौ ग्राम सोने के आभूषण रखे हुए थे। पीड़ित का कहना है कि 2 जुलाई को बैग की याद आने पर उन्होंने प्रिंटिंग प्रेस संचालक सुमित से संपर्क किया। आरोप है कि सुमित ने बैग में रखे सोने के आभूषण अपने पास होने से इनकार करते हुए उनके बदले रुपये देने की बात कही। दोनों के बीच एक लाख 30 हजार रुपये देने पर सहमति बनी, लेकिन बाद में उसने केवल 90 हजार रुपये देने की बात कही। आरोप है कि जब आशीष चौधरी 90 हजार रुपये लेने दुकान पर पहुंचे तो सुमित ने उनके साथ गाली-गलौज की और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद पीड़ित ने कोतवाली दादरी में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

स्योहारा पुलिस ने साइबर ठगी के दो मामलों का किया पदार्फाश, 11 आरोपी गिरफ्तार, दो लाख रुपये और डिजिटल उपकरण बरामद

बिजनौर (शिखर समाचार)। साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत स्योहारा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी के दो अलग-अलग मामलों का खुलासा किया है। पुलिस ने कुल 11 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो लाख रुपये की नकदी, कंप्यूटर प्रणाली, मोबाइल फोन, आधार कार्ड, बड़ी संख्या में डेबिट एवं क्रेडिट कार्ड तथा अन्य डिजिटल उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस का मानना है कि यह गिरोह सुनियोजित तरीके से लोगों को झांसे में लेकर आर्थिक ठगी की वारदातों को अंजाम देता था। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) कृष्ण गोपाल सिंह ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि जिले में साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे 'ऑपरेशन वज्र' के अंतर्गत यह कार्रवाई की गई है। जांच में सामने आया कि आरोपी निवेश पर अधिक लाभ का लालच देकर लोगों से धनराशि ठगते थे। इसके अलावा गिरोह वाहनों की हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) बुकिंग के नाम पर भी लोगों को निशाना बनाता था। इतना ही नहीं, जन सेवा केंद्रों पर आने वाले लोगों के आधार कार्ड की जानकारी का दुरुपयोग कर विभिन्न प्रकार की वित्तीय धोखाधड़ी को भी अंजाम दिया जाता था। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में मिराजुद्दीन, साकिब, नईम, असद, रिजवान, समद, परवेज, बिलाल, इरफान, अमजद अली तथा इलमा चौधरी शामिल हैं। सभी आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गिरोह के नेटवर्क, बैंक खातों और अन्य सहयोगियों की जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में विस्तृत विवेचना जारी है और जांच के आधार पर आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

टीसीएस और सेवायोजन विभाग मिलकर देंगे युवाओं को रोजगार, विशेष प्लेसमेंट अभियान चलेगा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। युवाओं को उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण और बेहतर रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला सेवायोजन कार्यालय, गौतमबुद्धनगर तथा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को जीएनआईओटी, ग्रेटर नोएडा में एक दिवसीय कौशल एवं रोजगार उन्मुख कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उद्योगों और शिक्षण संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के साथ युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर रोजगार सृजन और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए आर्या फैशन के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम में दिल्ली टेक्निकल कैंपस, मंगलमय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, राम-ईश इंस्टीट्यूट, एक्यूरेट इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, आईटीएस इंजीनियरिंग कॉलेज, द्रोणाचार्य ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, विश्वेश्वरैया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, इनोवेटिव ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, प्रिंस इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी तथा लॉयड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस सहित अनेक शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वहीं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के प्रतिनिधियों ने उद्योगों में कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता और रोजगार की संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए। जिला सेवायोजन अधिकारी मनीषा अत्री ने बताया कि आगामी महीनों में टीसीएस के सहयोग से स्नातक उत्तीर्ण और गैर-तकनीकी अभ्यर्थियों के लिए विशेष परिसर चयन अभियान आयोजित किया जाएगा। इसमें शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों को सेवायोजन विभाग के 'रोजगार संगम' पोर्टल तथा टीसीएस आयन पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि विभाग उद्योगों की मांग के अनुरूप प्रशिक्षित युवाओं को उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रहा है।

कार्यशाला के दौरान विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधियों ने कुशल मानव संसाधन की कमी का मुद्दा उठाया, जिस पर जिला सेवायोजन कार्यालय ने उद्योगों और युवाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का भरोसा दिलाया। अधिकारियों ने कहा कि आर्या फैशन के साथ हुए समझौता ज्ञापन से युवाओं को कौशल प्रशिक्षण, रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जबकि उद्योगों को प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध होगा। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने भविष्य में भी ऐसे रोजगारोन्मुखी कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने का संकल्प लिया।

हिस्ट्रीशीटर वाहन चोर को टीलामोड़ पुलिस ने किया गिरफ्तार, चोरी की स्कूटी बरामद

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना टीलामोड़ पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की एक स्कूटी भी बरामद की है। आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं और वह हिस्ट्रीशीटर अपराधी है। बीती 9 जुलाई 2026 को थाना टीलामोड़ पुलिस टीम क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को डिफेंस कॉलोनी कट, टीलामोड़ के पास एक युवक संदिग्ध अवस्था में स्कूटी के साथ दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की और वाहन के दस्तावेजों की जांच की। जांच में स्कूटी चोरी की निकली, जिसके बाद आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान वादिल पुत्र अनवर निवासी शालीमार गार्डन, थाना शालीमार गार्डन, गाजियाबाद के रूप में हुई। उसकी उम्र लगभग 22 वर्ष है। आरोपी वर्तमान में जीटी चौक के पास किराए के मकान में रह रहा था। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह विभिन्न क्षेत्रों में घूमकर पहले वाहनों की रेकी करता था और मौका मिलने पर उन्हें चोरी कर लेता था। चोरी के बाद वह वाहनों को राह चलते लोगों को सस्ते दामों का लालच देकर बेच देता था। आरोपी ने स्वीकार किया कि बरामद स्कूटी उसने दिल्ली के शाहदरा क्षेत्र से चोरी की थी और उसे बेचने के लिए जा रहा था, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया। वह चोरी से मिलने वाले पैसों का उपयोग अपने शौक और मौज-मस्ती पर खर्च करता था। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 317(2) एवं 317(5) के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इसके खिलाफ थाना टीलामोड़ और थाना शालीमार गार्डन में लूट, चोरी और एनडीपीएस एक्ट से संबंधित तीन मुकदमे पहले से दर्ज हैं। पुलिस अब उसके अन्य आपराधिक रिकॉर्ड की भी जानकारी जुटा रही है तथा यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वह किसी बड़े वाहन चोरी गिरोह से जुड़ा हुआ है या नहीं।

वसुंधरा में धुआंधार सीलिंग: आवासीय इलाकों में चल रहे 6 कमर्शियल सेंटर सील, 10 दिनों में 25 पर गिरी गाज

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। वसुंधरा आवासीय योजना में नियमों को ताक पर रखकर चलाए जा रहे व्यावसायिक केंद्रों के खिलाफ प्रशासन ने अपना सख्त रुख जारी रखा है। भू-उपयोग परिवर्तन किए बिना आवासीय भवनों में व्यावसायिक गतिविधियाँ संचालित करने के खिलाफ शुक्रवार को निर्माण खण्ड-1 की टीम ने बड़ी कार्रवाई की।

अधिशासी अभियंता निखिल महेश्वरी के नेतृत्व में विभाग की टीम ने भारी जनविरोध के बावजूद मौके पर पहुंचकर इन अवैध प्रतिष्ठानों को सील किया।

कार्रवाई के मुख्य बिंदु:

°**6 परिसरों पर ताला:** टीम ने अवैध रूप से चल रहे 3 होटल, 2 प्ले स्कूल और 1 जिम को सील कर दिया।

°**पुलिस कस्टडी:** सील की गई सभी संपत्तियों को स्थानीय पुलिस की अभिरक्षा में सौंप दिया गया है।

°**भारी विरोध:** कार्रवाई के दौरान टीम को स्थानीय स्तर पर भारी जनविरोध का सामना करना पड़ा, जिसे प्रशासन ने सख्ती से नियंत्रित किया।

10 दिनों में 25 परिसरों पर कार्रवाई प्रशासन द्वारा अवैध निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ छेड़ा गया यह अभियान लगातार जारी है। पिछले 10 दिनों के भीतर विभाग अब तक कुल 25 ऐसे परिसरों को सील कर चुका है, जो आवासीय भवनों का व्यावसायिक उपयोग कर रहे थे।

आगे की रणनीति

विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई अभी नहीं रुकेगी। पुलिस बल की उपलब्धता और सहयोग के साथ आने वाले दिनों में उन सभी भवनों को चिन्हित कर सील किया जाएगा, जो नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं।

आईआईएम रांची के समर स्कूल कार्यक्रम के लिए आईएमएस गाजियाबाद के छात्र रवाना

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईएमएस गाजियाबाद (यूनिवर्सिटी कोर्सेज कैंपस) के बीबीए (2025-28) बैच के चयनित विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची में आयोजित एक सप्ताह के आवासीय समर स्कूल कार्यक्रम के लिए रवाना किया गया। 'द आर्ट, क्राफ्ट एंड साइंस ऑफ मैनेजमेंट' विषय पर आधारित यह कार्यक्रम 8 से 14 जुलाई तक आईआईएम रांची परिसर में आयोजित किया जा रहा है। विद्यार्थियों के प्रस्थान से पूर्व संस्थान के सभागार में विदाई एवं प्रेरणा समारोह आयोजित कर उन्हें इस शैक्षणिक अवसर का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रबंधन के व्यावहारिक और समकालीन पहलुओं से परिचित कराना है। एक सप्ताह के इस आवासीय प्रशिक्षण में आईआईएम रांची के अनुभवी शिक्षकों द्वारा रणनीतिक प्रबंधन, नेतृत्व विकास, निर्णय क्षमता, टीम भावना, नवाचार, कॉर्पोरेट व्यवहार तथा प्रभावी प्रबंधन कौशल जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही देशभर से आए प्रतिभागियों के साथ संवाद, नेटवर्किंग और विभिन्न प्रायोगिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर भी मिलेगा। आईएमएस गाजियाबाद समूह के महासचिव सीए (डॉ.) राकेश छारिया ने कहा कि आईआईएम रांची जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में अध्ययन का अवसर विद्यार्थियों के लिए नेतृत्व, अनुशासन और उत्कृष्टता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास जताया कि विद्यार्थी यहां से नए विचार, व्यापक दृष्टिकोण और व्यावसायिक दक्षताओं के साथ लौटेंगे। संस्थान की निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) जसकीरण कौर ने कहा कि संस्थान विद्यार्थियों को कक्षा से बाहर सीखने के अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है और यह कार्यक्रम उनके आत्मविश्वास व प्रबंधकीय सोच को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा। इस अवसर पर डीन (शैक्षणिक) डॉ. गीति शर्मा, विभागाध्यक्ष डॉ. कुमार सौरव तथा अन्य शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार के अनुभवात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और सफल करियर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वाटर कूलर में उतरे करंट की चपेट में आया किशोर, चौकी प्रभारी की सूझबूझ से बची जान

मोदीनगर (शिखर समाचार)। निवाड़ी रोड स्थित पुलिस चौकी के निकट नगर पालिका परिषद की ओर से लगाए गए सार्वजनिक वाटर कूलर में करंट उतरने से शुक्रवार देर रात एक किशोर उसकी चपेट में आ गया। मौके पर मौजूद पुलिस चौकी प्रभारी की तत्परता और सूझबूझ से किशोर की जान बच गई। उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उपचार के लिए भर्ती कराया गया। घटना के बाद क्षेत्र में सार्वजनिक स्थलों पर लगे विद्युत उपकरणों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लोगों में चिंता व्याप्त है।

जानकारी के अनुसार जगतपुरी कॉलोनी निवासी 17 वर्षीय दुष्यंत कुमार रात के समय निवाड़ी रोड से गुजर रहा था। रास्ते में प्यास लगने पर वह पुलिस चौकी के पास नगर पालिका परिषद की ओर से लगाए गए वाटर कूलर से पानी पीने लगा। जैसे ही उसने वाटर कूलर को छुआ, उसमें उतरे करंट ने उसे अपनी चपेट में ले लिया और वह उससे चिपक गया। यह दृश्य देखकर वहां मौजूद पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक बृजपाल सिंह तुरंत हरकत में आए। उन्होंने सूझबूझ का परिचय देते हुए कपड़े की सहायता से दुष्यंत को वाटर कूलर से अलग किया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

संपादकीय

न्यायालय की गरिमा पर हमला: असहमति और अराजकता के बीच खिंची संवैधानिक रेखा

देश की सर्वोच्च अदालत केवल एक न्यायिक संस्था नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के उस स्तंभ का प्रतीक है, जहां अंतिम उम्मीद लेकर आम नागरिक पहुंचता है। ऐसे में यदि उसी अदालत के भीतर ऐसी घटना घटे जिसमें एक वकील न्यायालय की कार्यवाही के दौरान मुख्य न्यायाधीश के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग करे, न्यायालय की गरिमा को चुनौती दे और गुस्से में फाइल फेंक दे, तो यह किसी एक व्यक्ति का अनुचित व्यवहार भर नहीं रह जाता, बल्कि न्याय व्यवस्था की मयार्दा और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति समाज के बदलते दृष्टिकोण पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। शुक्रवार को सर्वोच्च न्यायालय में हुई घटना ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार संबंधित याचिकाकर्ता-वकील ने न्यायालय में अभद्र व्यवहार किया, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के लिए अपशब्द कहे और अदालत की कार्यवाही बाधित कर दी। उस समय मुख्य न्यायाधीश स्वयं न्यायालय कक्ष में उपस्थित नहीं थे तथा न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ कार्यवाही कर रही थी। स्थिति बिगड़ते ही सुरक्षा कर्मियों ने तत्काल हस्तक्षेप कर संबंधित व्यक्ति को न्यायालय कक्ष से बाहर निकाला और बाद में दिल्ली पुलिस उसे पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार अदालत इस पूरे घटनाक्रम को अत्यंत गंभीरता से देख रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है।

इस घटना को केवल क्षणिक उत्तेजना या व्यक्तिगत असंतोष के रूप में नहीं देखा जा सकता। अदालतें तर्क, कानून और संविधान के आधार पर चलती हैं। यहां भावनाओं की नहीं, तथ्यों और विधिक प्रक्रिया की प्रधानता होती है। यदि किसी पक्षकार या अधिवक्ता को न्यायालय के आदेश, सुनवाई या प्रक्रिया से असहमति है तो उसके लिए कानून में पुनर्विचार, अपील और अन्य वैधानिक उपाय उपलब्ध हैं। लेकिन अदालत के भीतर शोर-शराबा, अभद्र भाषा या धमकी का वातावरण बनाना किसी भी लोकतांत्रिक समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकता। यह केवल न्यायालय का नहीं, बल्कि संविधान द्वारा स्थापित व्यवस्था का भी अपमान है।

यह भी उतना ही सत्य है कि न्यायपालिका पर जनता का विश्वास केवल उसके अधिकारों से नहीं, बल्कि उसकी निष्पक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही से भी बनता है। न्यायपालिका जितनी सम्मान की अधिकारी है, उतनी ही उसे आलोचना सुनने की क्षमता भी बनाए रखनी चाहिए। लोकतंत्र में किसी संस्था को आलोचना से ऊपर नहीं माना जा सकता। किंतु आलोचना और अभद्रता के बीच की रेखा स्पष्ट है। निर्णयों की आलोचना हो सकती है, न्यायिक दृष्टिकोण पर बहस हो सकती है, सुधारों की मांग उठ सकती है, लेकिन न्यायालय की कार्यवाही को बाधित करना और व्यक्तिगत अपमान का सहारा लेना लोकतांत्रिक विमर्श नहीं, बल्कि अराजकता की शुरूआत है।

इस घटना ने एक बार फिर अधिवक्ताओं की भूमिका पर भी चर्चा प्रारंभ कर दी है। अधिवक्ता केवल अपने मुवक्किल के प्रतिनिधि नहीं होते, बल्कि न्याय व्यवस्था के महत्वपूर्ण अधिकारी भी माने जाते हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे कानून का सम्मान करते हुए न्यायालय की सहायता करें। यदि अधिवक्ता ही न्यायालय की गरिमा को चुनौती देने लगें तो सामान्य नागरिकों के सामने कौन-सा उदाहरण प्रस्तुत होगा? बार और बेंच का संबंध परस्पर सम्मान, सहयोग और पेशेवर मयार्दा पर आधारित होता है।

~ मौलिक चिंतन ~

प्रेम और आकर्षण के बीच भेद न कर पाना कलह का कारण बन सकता है।

~~~~~~~~~~

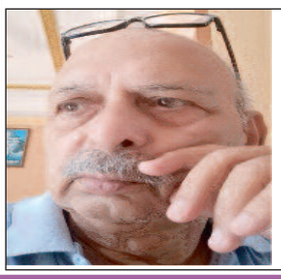

© विनय संकोची

विकसित भारत की राह में जनसंख्या संतुलन का प्रश्न

ललित गर्ग

प्रतिवर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 की थीम है- 'युवाओं की उम्मीदों और आकांक्षाओं को साकार करना-आज और भविष्य के लिए।' यह विषय स्पष्ट संकेत देता है कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य केवल उसकी जनसंख्या के आकार से नहीं, बल्कि उस जनसंख्या की गुणवत्ता, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और अवसरों से निर्धारित होता है। भारत विश्व का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। यह स्थिति एक ओर विशाल मानव संसाधन का अवसर प्रस्तुत करती है, तो दूसरी ओर संसाधनों, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और पर्यावरण पर अभूतपूर्व दबाव भी उत्पन्न करती है। इसलिए विश्व जनसंख्या दिवस भारत के लिए केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि गंभीर आत्ममंथन का अवसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनेक अवसरों पर छोटे परिवार के महत्व पर बल देते हुए कहा है कि जो परिवार स्वेच्छा से परिवार नियोजन अपनाते हैं, वे राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उनका यह संदेश बताता है कि जनसंख्या संतुलन किसी एक समुदाय का नहीं, बल्कि पूरे देश के सतत विकास का विषय है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभिन्न पदाधिकारियों ने भी समय-समय पर यह कहा है कि जनसंख्या नीति सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होनी चाहिए तथा इसका उद्देश्य किसी समुदाय को लक्ष्य बनाना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित, संसाधनों के संतुलित उपयोग और सामाजिक समरसता को सुनिश्चित करना होना चाहिए।

भारत आज वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मंत्र तभी पूरी तरह साकार हो सकता है, जब विकास की गति और जनसंख्या वृद्धि के बीच संतुलन स्थापित हो। यदि जनसंख्या अनियंत्रित गति से बढ़ती रहे और संसाधनों का विस्तार उसी अनुपात में न हो, तो विकास की उपलब्धियां भी पर्याप्त सिद्ध नहीं होंगी। रोजगार के अवसर सीमित होंगे, कृषि योग्य भूमि सिकुड़ेगी, जल संकट गहराएगा, महानगरों पर दबाव बढ़ेगा और पर्यावरणीय असंतुलन गंभीर होता जाएगा। हालांकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि जनसंख्या संबंधी विमर्श तथ्यों, संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक सद्भाव पर आधारित हो। भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार देता है और जनसंख्या नीति का उद्देश्य भी समान रूप से सभी नागरिकों पर लागू होने वाला, न्यायसंगत एवं पारदर्शी ढांचा होना चाहिए। परिवार नियोजन, महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, विवाह की उपयुक्त आयु, आर्थिक सशक्तिकरण तथा जन-जागरूकता ऐसे उपाय हैं, जिनसे बिना किसी भेदभाव के जनसंख्या स्थिरीकरण की दिशा में प्रभावी परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। विश्व के अनेक अनुभव बताते हैं कि जैसे-जैसे शिक्षा, विशेषकर महिला शिक्षा और आर्थिक विकास बढ़ता है, वैसे-वैसे प्रजनन दर स्वाभाविक रूप से घटती है।

भारत के सामने एक अन्य गंभीर चुनौती अवैध घुसपैठ की भी है। सीमावर्ती क्षेत्रों में यदि अवैध रूप से लोगों का प्रवेश होता है और वे बिना वैधानिक प्रक्रिया के देश में बस जाते हैं, तो इससे राष्ट्रीय सुरक्षा, संसाधनों के वितरण तथा जनसांख्यिकीय संतुलन पर प्रभाव पड़ सकता है। यह विषय जनसंख्या नियंत्रण से अलग, कानून व्यवस्था और सीमा सुरक्षा का प्रश्न है। अतः सीमा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाना, अवैध प्रवासन पर प्रभावी नियंत्रण रखना तथा नागरिकता संबंधी कानूनों का निष्पक्ष पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। यह मुद्दा किसी धर्म या समुदाय के विरुद्ध नहीं, बल्कि कानून के शासन और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है। भारत को यह भी समझना होगा कि केवल कठोर कानून बना देना पर्याप्त नहीं होगा। चीन ने अपने समय में एक-संतान नीति अपनाई, लेकिन बाद में बदलती परिस्थितियों के कारण उसे वापस लेना पड़ा। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था चीन से भिन्न है। इसलिए भारत के लिए अधिक उपयुक्त मार्ग वह होगा जिसमें कानून के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता, स्वैच्छिक सहभागिता, शिक्षा और सकारात्मक प्रोत्साहन को प्राथमिकता दी जाए। छोटे परिवारों को प्रोत्साहन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी और युवाओं के कौशल विकास पर विशेष ध्यान देना अधिक प्रभावी सिद्ध हो सकता है।

पिछले एक वर्ष के आंकड़े बताते हैं कि विश्व की जनसंख्या लगभग 8.19 अरब से बढ़कर 8.30 अरब हो गई है, अर्थात एक वर्ष में लगभग 6.9 करोड़ लोगों की वृद्धि हुई है, जो लगभग 0.83 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाती है। दूसरी ओर भारत की जनसंख्या 1.45 अरब से बढ़कर लगभग 1.47 अरब हो गई है, यानी एक वर्ष में लगभग 1.25 करोड़ लोग और जुड़ गए। भारत की जनसंख्या वृद्धि दर 0.87-0.89 प्रतिशत के बीच है, जो वैश्विक औसत से थोड़ी अधिक है। भारत विश्व की कुल आबादी का लगभग 17.8 प्रतिशत हिस्सा रखता है। इतनी विशाल जनसंख्या के कारण शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, जल, ऊर्जा, कृषि भूमि और पर्यावरण पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। यदि जनसंख्या वृद्धि और विकास के बीच संतुलन स्थापित नहीं किया गया, तो विकसित भारत का लक्ष्य अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाएगा। इसलिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है, बल्कि जनसंख्या स्थिरीकरण, मानव संसाधन विकास और संसाधनों के संतुलित नियोजन को भी समान प्राथमिकता देनी होगी।

भारत में जनसंख्या का प्रश्न केवल सामाजिक या आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक विमर्श का भी विषय बन गया है। जातिगत जनगणना और विभिन्न जाति-समुदायों की जनसंख्या को लेकर राजनीतिक दल अक्सर अपने-अपने वोट बैंक को मजबूत करने की रणनीति अपनाते दिखाई देते हैं। अनेक विश्लेषकों का मानना है कि यदि जनसंख्या के आंकड़ों का उपयोग केवल राजनीतिक ध्रुवीकरण या चुनावी लाभ के लिए किया जाएगा, तो यह राष्ट्रीय एकता और समावेशी विकास की भावना के विपरीत होगा। इसके विपरीत, चीन ने अपनी परिस्थितियों के अनुरूप लंबे समय तक कठोर जनसंख्या नियंत्रण नीति अपनाकर जनसंख्या वृद्धि पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया, यद्यपि बाद में बदलती जनसांख्यिकीय चुनौतियों के कारण उसने उस नीति में संशोधन भी किया। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था अलग है, इसलिए यहां समाधान कठोर दमनात्मक उपायों के बजाय समान रूप से लागू होने वाली जनसंख्या नीति, महिला शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, परिवार नियोजन, जन-जागरूकता और कानून के निष्पक्ष अनुपालन में निहित है। जनसंख्या के प्रश्न को जाति, धर्म या वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठाकर राष्ट्रीय विकास, सामाजिक संतुलन और भविष्य की पीढ़ियों के हित के दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है। विश्व जनसंख्या दिवस 2026 की थीम भी इसी दिशा में संकेत करती है कि यदि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और अवसर मिलेंगे, तो वे स्वयं जिम्मेदार नागरिक बनकर संतुलित परिवार और सतत विकास की दिशा में योगदान देंगे। भारत की लगभग आधी आबादी युवा है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश तभी राष्ट्र की शक्ति बनेगा, जब यह शिक्षित, कुशल, स्वस्थ और आत्मनिर्भर होगा। अन्यथा यही विशाल युवा आबादी बेरोजगारी, असंतोष और सामाजिक चुनौतियों का कारण भी बन सकती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि देश में एक व्यापक, वैज्ञानिक और सर्वसम्मत राष्ट्रीय जनसंख्या नीति पर गंभीर विचार किया जाए। ऐसी नीति में समानता, पारदर्शिता, संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च प्राथमिकता मिले। इसके साथ ही जनसंख्या संबंधी किसी भी चर्चा में सामाजिक सौहार्द, तथ्यपरक विश्लेषण और जिम्मेदार सार्वजनिक विमर्श बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। किसी भी प्रकार की अतिरंजना या विभाजनकारी दृष्टिकोण समाधान नहीं, बल्कि नई समस्याओं को जन्म दे सकता है।

विश्व जनसंख्या दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि विकसित भारत का सपना केवल आर्थिक विकास से पूरा नहीं होगा। इसके लिए जनसंख्या और संसाधनों के बीच संतुलन, मानव पूंजी में निवेश, महिलाओं का सशक्तिकरण, युवाओं को अवसर, प्रभावी सीमा प्रबंधन और दीर्घकालिक राष्ट्रीय नीति-इन सभी का समन्वित प्रयास आवश्यक है। यदि भारत समय रहते जनसंख्या संतुलन, मानव विकास और संसाधनों के न्यायसंगत उपयोग की दिशा में ठोस कदम उठाता है, तो वर्ष 2047 तक विकसित, समृद्ध, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत का लक्ष्य अधिक यथार्थ रूप में साकार हो सकेगा।

समान नागरिक संहिता: कानूनी सुधार की नीयत या राजनीतिक बिसात?

दिलीप कुमार पाठक

भारत की राजनीति में समान नागरिक संहिता एक ऐसा विषय है, जो जब भी सामने आता है, अपने साथ बहसों का एक नया दौर शुरू हो जाता है। उत्तराखंड में इसे लागू किए जाने के बाद, अब देश के सबसे बड़े आर्थिक और राजनीतिक केंद्र महाराष्ट्र ने भी इस दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में इस कानून का मसौदा तैयार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त जज रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में एक सात सदस्यीय समिति का गठन किया है। सरकार की कोशिश है कि आगामी सत्रों में ही इस विधेयक को विधानसभा में पेश कर दिया जाए। लेकिन क्या देश के सबसे अधिक सामाजिक और आर्थिक विविधता वाले राज्यों में से एक में इसे लागू करना इतना सीधा रास्ता है? या फिर इस कदम की टाइमिंग के पीछे चुनावी समीकरणों की कोई गहरी बिसात बिछी है?

जब हम सरकार के इस फैसले को बारीकी से देखते हैं, तो इसके दोनों पहलुओं को निष्पक्षता से तौलना बहुत जरूरी हो जाता है। इसके समर्थक इसे संविधान के अनुच्छेद 44 में दर्ज नीति निदेशक तत्वों के तहत एक राष्ट्र, एक कानून के सपने को सच करने की दिशा में एक साहसिक कदम मानते हैं। उनका तर्क है कि शादी, तलाक, संपत्ति, गोद लेने और उत्तराधिकार जैसे नागरिक मामलों में सभी धर्मों के लिए एक जैसा कानून होना चाहिए। इससे विशेष रूप से महिलाओं को बराबरी का अधिकार मिलेगा और सदियों पुरानी रूढ़िवादी प्रथाओं से मुक्ति मिलेगी। इस समिति की कमान जस्टिस रंजना देसाई को सौंपना प्रशासनिक रूप से एक सोची-समझी रणनीति दिखती है, क्योंकि उन्होंने ही पहले उत्तराखंड के कानून का मसौदा तैयार किया था। उनके इस तकनीकी अनुभव का लाभ महाराष्ट्र सरकार उठाना चाहती है। सुप्रीम कोर्ट ने भी अतीत में शाह बानो और सरला मुद्गल जैसे ऐतिहासिक मामलों में देश में समान नागरिक संहिता की जरूरत पर बल दिया है, जिससे इस विचार को संवैधानिक मजबूती मिलती है। लेकिन सिक्के का दूसरा पहलू भी उतना ही गंभीर और वास्तविक है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। आलोचकों और कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि उत्तराखंड जैसी सीमित आबादी वाले राज्य और महाराष्ट्र की जमीनी हकीकत में जमीन-आसमान का अंतर है। महाराष्ट्र में एक बहुत बड़ी आदिवासी आबादी है, जिनकी अपनी विशिष्ट परंपराएं, प्रथाएं और सामाजिक नियम हैं। इसके अलावा यहाँ विशाल अल्पसंख्यक समुदाय और अलग-अलग धर्मों के निजी कानूनों का एक बेहद पेचीदा ताना-बाना है। इतने बड़े और विविधता से भरे राज्य में बिना किसी व्यापक सामाजिक संवाद के, केवल छह महीने के भीतर एकतरफा मसौदा तैयार कर लेना जमीनी सच्चाइयों से आंखें मूंदने जैसा हो सकता है।

भारत का संविधान जहां एक तरफ समानता की बात करता है, वहीं अनुच्छेद 25 के तहत धार्मिक और सांस्कृतिक स्वतंत्रता का अधिकार भी देता है। इन दोनों के बीच संतुलन बनाना किसी भी कानूनविद के लिए एक बड़ी परीक्षा होगी। एक और बड़ा सवाल इस समिति की बनावट पर भी उठ रहा है। सात सदस्यों की इस समिति में पूर्व जजों, पूर्व मुख्य सचिव और संवैधानिक विशेषज्ञों को तो जगह मिली है, लेकिन अल्पसंख्यक या आदिवासी समुदायों के जमीनी प्रतिनिधियों की कमी साफ खलती है। जब आप समाज के हर वर्ग के निजी जीवन को प्रभावित करने वाला कोई बड़ा कानून बनाने जा रहे हों, तो उस चर्चा की मेज पर सभी पक्षों की मौजूदगी न होना कानून की स्वीकार्यता पर सवाल खड़े करता है। कानून ऐसा होना चाहिए जो समाज के हर तबके को अपना सा लगे, न कि किसी पर थोपा हुआ महसूस हो। राजनीतिक विश्लेषक इस कदम की टाइमिंग पर भी लगातार उंगली उठा रहे हैं। यह सवाल उठना लाजिमी है कि देश या राज्य में जब भी कोई बड़ा चुनाव नजदीक आता है या राजनीतिक समीकरण बदलने वाले होते हैं, तभी समान नागरिक संहिता जैसे भावनात्मक मुद्दों को तेजी से आगे क्यों बढ़ाया जाता है? अगर मंशा सचमुच केवल कानूनी और सामाजिक सुधार की है, तो इसके लिए बड़े पैमाने पर जन-सुनवाई क्यों नहीं की जाती? सभी हितधारकों, धर्मगुरुओं और सामाजिक कार्यकताओं से खुलकर चर्चा करने में आखिर क्या हिचक है? समान नागरिक संहिता अपने आप में एक प्रगतिशील और आधुनिक विचार हो सकती है, बशर्ते उसे सुधार की सच्ची नीयत से लाया जाए, न कि किसी राजनीतिक लाभ या ध्रुवीकरण के लिए। भारत जैसे बहु-सांस्कृतिक देश में कोई भी नागरिक कानून जल्दबाजी में नहीं बनाया जा सकता। यदि महाराष्ट्र सरकार वाकई इस दिशा में कोई सार्थक और ऐतिहासिक बदलाव करना चाहती है, तो उसे जल्दबाजी छोड़कर इस कानून को सर्वसम्मति, पारदर्शिता और बिना किसी राजनीतिक एजेंडे के आगे बढ़ाना होगा। अन्यथा, यह कदम भी एक वास्तविक सामाजिक सुधार बनने के बजाय केवल एक चुनावी हथियार बनकर रह जाएगा।

(लेखक पत्रकार हैं)

नक्सलवाद के बाद घुसपैठ पर निर्णायक प्रहार, अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा के अगले चरण का बिगुल फूंका

नीरज कुमार दुबे

नई दिल्ली में आयोजित सीमांत जिला पुलिस अधीक्षक सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने सीमा सुरक्षा के लिए सरकार की नई और व्यापक रणनीति सामने रखी। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन सीमा सुरक्षा के समग्र दृष्टिकोण को संस्थागत स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

देश को नक्सल आतंक की जकड़ से बाहर निकालने और जम्मू-कश्मीर तथा पूर्वोत्तर में आतंकवाद पर निर्णायक प्रहार के बाद अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा के अगले चरण का बिगुल फूंक दिया है। इस बार निशाने पर केवल घुसपैठ नहीं, बल्कि घुसपैठ के जरिये सीमावर्ती इलाकों में बदलता जनसंख्या संतुलन, तस्करी, मादक पदार्थों का जाल, कट्टरपंथ, ड्रोन खतरे, संगठित अपराध और सीमा पार से संचालित छद्म युद्ध की पूरी रणनीति है। अमित शाह ने स्पष्ट संकेत दिया है कि देश को घुसपैठिया मुक्त बनाने और सीमाओं को अभेद्य सुरक्षा कवच देने का व्यापक अभियान अब सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। अमित शाह का मानना है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में अस्वाभाविक जनसंख्या परिवर्तन केवल स्थानीय समस्या नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता और सामरिक संतुलन से जुड़ा हुआ प्रश्न है, ऐसे में यह अभियान वर्तमान के साथ-साथ भविष्य के भारत की सुरक्षा का भी मजबूत आधार बनेगा।

हम आपको बता दें कि नई दिल्ली में आयोजित सीमांत जिला पुलिस अधीक्षक सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने सीमा सुरक्षा के लिए सरकार की नई और व्यापक रणनीति सामने रखी। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन सीमा सुरक्षा के समग्र दृष्टिकोण को संस्थागत स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अब केवल भूमि सीमाओं तक ही नहीं, बल्कि आने वाले समय में तटीय सीमाओं की सुरक्षा के लिए भी इसी प्रकार का समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया जाएगा। सम्मेलन में सीमा सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों, उनके समाधान और भविष्य की नीति तैयार करने पर व्यापक विचार विमर्श किया गया।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सीमा सुरक्षा व्यवस्था अब केवल चौकियों और गश्त तक सीमित नहीं रहेगी। सरकार सीमा सुरक्षा बलों, राज्य सरकारों, जिला प्रशासन, केंद्र सरकार के संबंधित विभागों और सीमावर्ती क्षेत्रों के स्थानीय नागरिकों को साथ जोड़कर चार स्तरीय सुरक्षा तंत्र तैयार कर रही है। यही चतुष्कोणीय सुरक्षा व्यवस्था भविष्य में भारत की सीमाओं को अभेद्य बनाने का सबसे मजबूत आधार बनेगी। उन्होंने कहा कि सुरक्षित सीमा, समृद्ध सीमावर्ती क्षेत्र और सतर्क समाज मिलकर ही राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। गृह मंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि भारत की लगभग पंद्रह हजार किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा

अठारह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरती है। इतनी विशाल सीमा की सुरक्षा केवल सुरक्षा बलों के भरोसे संभव नहीं है। इसके लिए स्थानीय समाज की भागीदारी, प्रशासनिक समन्वय और आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग अनिवार्य है। इसी सोच के तहत सरकार अलग थलग सीमा चौकियों की पुरानी व्यवस्था से आगे बढ़कर एकीकृत सुरक्षा तंत्र विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत की स्मार्ट सीमा की परिकल्पना आने वाले वर्षों में दुनिया की सबसे आधुनिक सीमा सुरक्षा व्यवस्था का रूप लेगी। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने नक्सलवाद, जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और पूर्वोत्तर में हिंसा के खिलाफ उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। अब अगले तीन वर्षों में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर भी निर्णायक प्रहार किया जाएगा। साथ ही ऐसा मजबूत सुरक्षा ढांचा तैयार किया जा रहा है जिससे देश पूरी तरह घुसपैठ मुक्त बने और भविष्य में किसी भी प्रकार की अवैध घुसपैठ की संभावना लगभग समाप्त हो जाए। उन्होंने कहा कि पहले समस्याएं स्थायी होती थीं और समाधान अस्थायी, लेकिन अब सरकार समस्याओं की जड़ पर प्रहार कर स्थायी समाधान तैयार कर रही है।

देखा जाये तो इस पूरी रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू सीमावर्ती क्षेत्रों में बदलते जनसंख्या स्वरूप पर मोदी सरकार का विशेष ध्यान है। अमित शाह ने स्पष्ट कहा कि सीमावर्ती इलाकों में अस्वाभाविक जनसंख्या परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण अवैध घुसपैठ है। इसी कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसंख्या अध्ययन अभियान प्रारंभ किया है, जिसके तहत जनसंख्या में हो रहे अस्वाभाविक बदलावों का अध्ययन किया जाएगा, उनके कारणों की पहचान होगी और भविष्य में ऐसे परिवर्तनों को रोकने के उपाय सुझाए जाएंगे। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि अस्वाभाविक कारणों से होने वाली जनसंख्या वृद्धि पर कठोरता के साथ नियंत्रण किया जाएगा। गृह मंत्री ने निर्देश दिया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसंख्या परिवर्तन से जुड़ी हर महत्वपूर्ण सूचना सबसे निचले स्तर से लेकर शीर्ष स्तर तक तत्काल पहुंचनी चाहिए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। सरकार सीमाओं को मजबूत बनाने के लिए आधारभूत ढांचे पर भी अभूतपूर्व निवेश कर रही है। अमित शाह ने बताया कि सीमा क्षेत्रों में आधारभूत संरचना पर निवेश में चार सौ प्रतिशत की वृद्धि की गई है और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ सड़कों, संचार व्यवस्था, निगरानी तंत्र तथा अन्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। भारत म्यांमार सीमा के सोलह सौ दस किलोमीटर लंबे हिस्से पर 31 हजार करोड़ रुपये की लागत से बाड़ लगाने का कार्य भी तेजी से चल रहा है। इसका उद्देश्य केवल घुसपैठ रोकना नहीं, बल्कि छद्म युद्ध, अवैध हथियारों की आवाजाही, मादक पदार्थों की तस्करी, संगठित अपराध और सीमा पार से संचालित अन्य गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाना है।

साथ ही मोदी सरकार की सीमा सुरक्षा नीति केवल सैन्य दृष्टिकोण तक सीमित नहीं है। सीमावर्ती गांवों को मजबूत बनाना भी इसका महत्वपूर्ण हिस्सा है। वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के अंतिम गांव को पहला गांव बताया है। इस योजना के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों से पलायन रोकने, स्थानीय रोजगार बढ़ाने और सरकारी योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। मोदी सरकार का मानना है कि जब सीमा पर बसे गांव समृद्ध होंगे, वहां के लोग सुरक्षित और आत्मनिर्भर होंगे, तभी सीमा सुरक्षा भी स्थायी रूप से मजबूत होगी।

सामरिक दृष्टि से देखें तो यह नई नीति भारत की सुरक्षा सोच में बड़ा परिवर्तन है। अब देश केवल किसी घटना के बाद प्रतिक्रिया देने की नीति पर नहीं रहेगा, बल्कि संभावित खतरों को पहले ही पहचानकर उन्हें रोकने की सक्रिय रणनीति अपनाई जाएगी। घुसपैठ, छद्म युद्ध, कट्टरपंथ, मादक पदार्थों की तस्करी, ड्रोन के जरिये हथियार पहुंचाना, साइबर अपराध और संगठित अपराध आज एक दूसरे से जुड़ी चुनौतियां बन चुकी हैं। ऐसे में इन सभी के खिलाफ एकीकृत सुरक्षा तंत्र भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को नई मजबूती देगा।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि सीमाओं पर प्रभावी नियंत्रण, जनसंख्या संतुलन की निगरानी, आधुनिक तकनीक आधारित सुरक्षा व्यवस्था और सीमावर्ती गांवों का विकास एक साथ सफलतापूर्वक आगे बढ़ता है तो भारत न केवल अपनी सीमाओं को अधिक सुरक्षित बना सकेगा, बल्कि भविष्य में किसी भी प्रकार की बाहरी चुनौती का अधिक प्रभावी ढंग से सामना करने की स्थिति में भी होगा। अमित शाह द्वारा प्रस्तुत यह नई रणनीति केवल सीमा सुरक्षा का कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता, सामरिक शक्ति और भविष्य के भारत की सुरक्षा संरचना को मजबूत करने वाला व्यापक अभियान बनकर उभर रही है। हम आपको यह भी बता दें कि इस पूरी रणनीति को जमीन पर उतारने के लिए अमित शाह स्वयं भी सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा कर चुके हैं। हाल ही में उन्होंने सीमा चौकियों का निरीक्षण किया, सुरक्षा बलों के साथ संवाद स्थापित किया, नियंत्रण रेखा का निरीक्षण किया, भारत-पाक सीमा के अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र जाकर सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की और महिला जवानों के लिए नई बैरकों का उद्घाटन किया। स्पष्ट है कि मोदी सरकार केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि आधुनिक निगरानी प्रणाली, तकनीक आधारित सुरक्षा तंत्र, मजबूत समन्वय और प्रत्यक्ष निरीक्षण के माध्यम से पूरे सीमा सुरक्षा ढांचे को नए सिरे से सशक्त बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।
~~~~~~~~~~

तब बाढ़ में भी नहीं डूबेंगे धान के पौधे!

तेज बरसात की वजह से चावल के पौधे पानी में बिलकुल डूब जाते हैं। अब जापानी वैज्ञानिकों ने ऐसे जीनों का पता लगाया है जिनके जरिए चावल के पौधे का विकास इस तेजी से बढ़ाया जा सकता है कि वह पानी में डूबे ही नहीं।

भारत में चावल उगाने वाले किसान जहां बरसात के लिए तरसते हैं, वहीं उससे बहुत डरते भी हैं। उनके मन में कई सवाल होते हैं, क्या बरसात ठीक वक्त पर आएगी, ज़्यादा तेज और लंबी तो नहीं होगी, कितनी बार फसल बरसात की वजह से खराब हो जाती है और हज़ारों किसानों के लिए भारत में ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और दूसरे एशियाई देशों में भी गुजारा करना मुश्किल हो जाता है।

अक्सर यह देखा गया है कि तेज बरसात की वजह से चावल के पौधे पानी में बिलकुल डूब जाते हैं। खेतों मे बढ़ता हुआ जलस्तर चावल के पौधों के लिए सामान?यतर अच्छा ही रहता है, लेकिन यह ज़रूरी है कि पौधे के उपरी हिस्से हवा के संपर्क में बने रहें। हालांकि मानसूनी इलाकों में बरसात और बाढ की वजह से चावल के खेतों में पानी इतना ज?यादा भर जाता है कि धान के पौधे बिल्कुल डूब जाते हैं तथा इससे वे सड़ने लगते हैं और मर भी जाते हैं।

गौरतलब है कि गहरे पानी में उगनेवाले चावल की प्रजाति को जलजमाव से कोई समस्या नहीं होती। पानी के साथ-साथ उसके तने वाले डंठल भी बढ़ते जाते हैं।

जापान के नागोया विश्वविद्यालय के मोतोयुकी अशिकारी कहते हैं-

गहरे पानी में उगने वाले चावल के पौधे, पानी की गहराई से ऊपर बने रहने के लिए, एक मीटर तक बढ़ सकते हैं। वे हवा के संपर्क में बने रहने के लिए ऐसा करते है। वे अंदर से खोखले होते हैं, लेकिन उसके जरिए पौधा पानी की सतह से उपर पहुंच सकता है और ऑक्सीजन पा सकता है। यह कुछ ऐसा ही है कि जब आप गोताखोरी कर रहे होते हैं, तो पानी से ऊपर निकली एक नली से सांस लेते हैं।

बरसात के समय ऐसे चावल के तने 25 सेंटीमीटर प्रतिदिन की एक अनोखी गति से बढ़ सकते हैं। अशिकारी और उनकी टीम ने इस प्रक्रिया को समझने के लिए इस चावल के जीनों से यह समझने की कोशिश की कि चावल बरसात के वक्त अपने विकास को किस तरह नियंत्रित करता है। अध्ययनों से अब तक जितना पता चला है वह यह है कि एक गैसीय विकास-हॉर्मोन एथीलिन इसके लिए जिम्मेदार है, जैसाकि नीदरलैंड के उएतरेश्त विश्वविद्यालय के रेंस वोएसेनेक बताते हैं-

जब पौधा पूरी तरह पानी में डूब जाता है तब यह गैस ठीक तरह से मुक्त नहीं हो पाती। यू कहें कि वह पौधे में ही कैद हो जाती है। यानी पौधे में एथिलिन की मत्रा बढ़ने लगती है। यह पौधे के लिए संकेत है कि वह पानी में डूब रहा है और उसे कुछ करना है।

जापानी विशेषज्ञों ने पता लगाने की कोशिश की कि कौन से जीन इस स्थिति में सक्रिय होते हैं। उन्होने ऐसे जीन पाए जिनको वे गोताखोरी में इस्तेमाल होनेवाली नली के अनुरूप स्नोर्कल जीन कहते हैं। ये जीन तभी सक्रिय होते हैं जब पौधे के तने में एथिलिन की मात्रा बढ़ने लगती है। वे पौधे के विकास को तेज करने वाले दूसरे तत्वों का उत्पादन शुरू कर देते हैं। मोतोयुकी अशिकारी कहते हैं-

हमने क्रॉमोसोम 1,3 और 12 पर यह तथाकथित नलिका जीन पाए। उन्हें यदि सामान्य चावल के पौधों में भी मिलाया जा सके, तो बरसात के वक्त सामान्य चावल के पौधे भी वही करेंगे जो गहरे पानी में उगने वाला चावल करता है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम चावल की हर प्रजाति को गहरे पानी में उगने वाले चावल की प्रजाति बना सकते हैं।

यानी इन जीनों की मदद से चावल की उस फसल को बचाया जा सकता है जो पानी की अधिकता के प्रति बहुत संवेदनशील है। जहां अक्सर बाढ आती है वहां के किसानों की इस बड़ी समस्या का समाधान हो सकता है। एक और समस्या भी दूर हो सकती है - गहरे पानी में उगने वाला चावल बहुत ही कम फसल देता है, प्रति हेक्टेयर सिर्फ एक टन जो उपजाऊ क़िस्मों की तुलना में सिर्फ 20 फीसदी के बराबर है। नीदरलैंड के विशेषज्ञ रेंस वोएसेनेक बहुत ही आशावादी हैं-

विकास के लिए जिम्मेदार इन जीनों के बारे में पता चल जाने के बाद अब हम चावल की अलग-अलग प्रजातियों के बीच प्रकृतिक संवर्धन के जरिए, यानी वर्णसंकर के जरिए भी इन जीनों को उनके पौधे में डाल सकते हैं। इसके लिए किसी जीन तकनीक जरूरत ही नहीं हैं।

जापान के विशेषज्ञों ने यह काम शुरू कर भी दिया है। उनके अध्ययनों से एक बार फिर पता चलता है कि पौधों के संवर्धन के लिए उनके जीनों में असामान्य गुणों की तालाश कितनी जरूरी है।

कुदरती खेती का एक अनूठा प्रयोग

भारत एक कृषि प्रधान देश है। प्रकृति की कृपा तथा हमारे किसानों कि आर्थिक मेहनत से हमारी भूमि सदा उपजाऊ रही है। प्राचीन समय में हमारी खेती प्राकृतिक संपदा व संसाधनों पर ही निर्भर थी और देश की खाद्यान्नों सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा कर पाती थी। जैसे-जैसे देश में शहरीकरण व औद्योगिकरण बढते गये , गांवों से लोग खेती को छोड़ शहरों की ओर आते गये। प्राकृतिक खेती पध्दति कम होती गई और रासायनिक खाद आदि का प्रयोग बढता गया। ज़मीन की उत्पादकता घटती गई और साथ ही किसान की आय भी। सन 1965 में भारत में हरित क्रांति आयी जिससे उपज तो बढी मगर रासायनिक उरवरक तथा अन्य उत्पादों के अन्धाधुन्ध प्रयोग से मिटटी की उत्पादकता भी कम होती गयी।

यूरोप, अमरीका व एशिया में सन् 1940-50 के दकों में जैविक खेती और प्राकृतिक खेती की प्रक्रियाओं पर बहुत प्रयोग किये गये। खेती कि ये विधायें भारत में सन 1980 के दशक से आगे बढी हैं। जैविक खेती की पद्धति में रासायनिक पध्दाथों का प्रयोग वर्जित है। प्राकृतिक खेती में केवल प्राकृतिक प्रक्रियाओं व संसाधनों का ही प्रयोग होता है। आधुनिक खेती या रासायनिक खेती प्रकृति के खिलाफ है। रासायनिक खादों व कीटनाशकों से हमारे खेतों की मिट्टी की उर्वरता खत्म हो रही है। मिट्टी में मौजूद सूक्ष्म जीवाणु और जैव तत्त्व मर रहे हैं और वह बंजर हो जाती है। कुदरती खेती प्रकृति के साथ होती है। यद्यपि प्राकृतिक खेती की शुरूआत जापान के कृषि वैज्ञानिक फुकुओवा ने की है लेकिन हमारे यहां भी ऐसी खेती होती रही है। मंडला के बैगा आदिवासी बिना जुताई की खेती करते हैं जिसे झूम खेती कहते हैं।

भारत के मध्य प्रदेश राज्य के होशंगाबाद ज़िले के एक फार्म मे लगभग पिछले 25 वर्षों से प्राक्रतिक खेती, जिसे कुदरती खेती भी कहते है, हो रही है। करीब 12 एकड़ के इस फार्म में सिर्फ 1 एकड़ में खेती की जा रही है। यहां बिना जुताई (नो टिलिग) और रासायनिक खाद के खेती की जा रही है। बीजों को मिट्टी की गोली बनाकर बिखेर दिया जाता है और वे उग आते हैं। यह सिर्फ खेती की एक पद्धति भर नहीं है बल्कि जीवनशैली है। यहां का अनाज, फल पानी और हवा शुध्द है। यहा कुआं है, जिसमें पर्याप्त पानी है। बिना जुताई के खेती मुश्किल है, ऐसा लगना स्वाभाविक है। पहली बार सुनने पर विश?वास नहीं होता लेकिन देखने के बाद सभी शंकाएं निर्मूल हो जाती हैं। दरअसल, इस पर्यावरणीय पद्धति में मिट्टी की उर्वरता उत्तारोतर बढ़ती जाती है।

बाकी के 11 एकड़ में सुबबूल (आस्टेलियन अगेसिया) का जंगल है। सुबबूल एक चारे की प्रजाति है। इस जंगल से मवेशियों का चारा और लकड़ियां मिल जाती हैं। लकड़ियों की टाल है, जहां से जलाऊ लकड़ी बिकती हैं, जो फार्म की आय का मुख्य स्रोत है। एक एकड़ जंगल से हर वर्ष करीब ढाई लाख रूपये की लकड़ी बेच लेते हैं।

गेहूं के खेतों में हवा के साथ गेहूं के हरे पौधे लहलहाते हैं। खेत में फलदार और अन्य जंगली पेड़ हैं जिनके नीचे गेहूं की फसल होती है। आम तौर पर खेतों में पेड़ नहीं होते हैं लेकिन यहां अमरूद, नीबू और बबूल के पेड़ हैं जिन के कारण खेतों में गहराई तक जड़ों का जाल बुना रहता है। इससे भी जमीन ताकतवर बनती जाती है। अनाज और फसलों के पौधे पेड़ों की छाया तले अच्छे होते हैं। छाया का असर जमीन के उपजाऊ होने पर निर्भर करता है। चूंकि यहां जमीन की उर्वरता अधिक है, इसलिए पेड़ों की छाया का फसल पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता।

इन खेतों में पुआल, नरवाई, चारा, तिनका व छोटी-छोटी टहनियों को पड़ा रहने देते हैं, जो सड़कर जैव खाद बनाती हैं। खेत में तमाम छोटी-बड़ी वनस्पतियों के साथ जैव विविधताएं आती -जाती रहती हैं। और हर मौसम में जमीन ताकतवर होती जाती है। इस जमीन में पौधे भी स्वस्थ और ताकतवर होते हैं जिन्हें जल्द बीमारी नहीं घेरती।

यहां जमीन को हमेशा ढककर रखा जाता है। यह ढकाव हरा या सूखा किसी भी तरह से हो, इससे फर्क नहीं पड़ता। इस ढकाव के नीचे अनगिनत जीवाणु, केंचुए और कीड़े-मकोड़े रहते हैं और उनके ऊपर-नीचे आते-जाते रहने से जमीन पोली और हवादार व उपजाऊ बनती है।

आमतौर पर किसान अपने खेतों से अतिरिक्त पानी को नालियों से बाहर निकाल देते हैं लेकिन यहां ऐसा नहीं किया जाता। बारिश में कितना ही पानी गिरे, वह खेत के बाहर नहीं जाता। खेतों में जो खरपतवार, ग्रीन कवर या पेड़ होते हैं, वे पानी को सोखते हैं। इससे एक ओर खेतों में नमी बनी रहती है, दूसरी ओर वह पानी वाश?पीकृत होकर बादल बनता है और बारिश में पुन् बरसता है। इसके विपरीत, जब जमीन की जुताई की जाती है और उसमें पानी दिया जाता है तो खेत में कीचड़ हो जाती है। बारिश होती है तो पानी नीचे नहीं जा पाता और तेजी से बहता है। पानी के साथ खेत की उपजाऊ मिट्टी बह जाती है। इस तरह हम मिट्टी की उपजाऊ परत को बर्बाद कर रहे हैं और भूजल का पुनर्भरण भी नहीं कर पा रहे हैं। साल दर साल भूजल नीचे चला जा रहा है।

यहां खेती भोजन की जरूरत के हिसाब से होती हैं, बाजार के हिसाब से नहीं। जरूरत एक एकड़ से ही पूरी हो जाती है। यहां से अनाज, फल और सब्जियां मिलती हैं, जो परिवार की जरूरत पूरी कर देती हैं। जाड़े मे गेहूं, गर्मी में मक्का व मूंग और बारिश में धान की फसल ली जाती है। कुदरती खेती में भूख मिटाने के साथ समस्त जीव-जगत के पालन का विचार है। इससे मिट्टी-पानी का संरक्षण होता हैं। इसे ऋषि खेती भी कहते हैं क्योंकि ऋषि मुनि कंद-मूल, फल और दूध को भोजन के रूप में ग्रहण करते थे, बहुत कम जमीन पर मोटे अनाजों को उपजाते थे। वे धरती को अपनी मां के समान मानते थे, उससे उतना ही लेते थे जितनी जरूरत थी। अतर कुदरती खेती का यह प्रयोग सराहनीय होने के साथ-साथ अनुकरणीय भी है।

आईएमएफ का अनुमान भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की राह पर

- तेज आर्थिक वृद्धि और सुधारों से भारत बनेगा विकसित राष्ट्र

वाशिंगटन ।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना करते हुए कहा है कि देश अपनी लगातार तेज आर्थिक वृद्धि और सतत सुधारों की बदौलत 2047 तक एक विकसित अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। आईएमएफ ने भारत को वैश्विक वृद्धि का प्रमुख इंजन और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बताया। यह टिप्पणी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य (डब्ल्यूईओ) के ताजा अनुमानों के एक दिन बाद आई है। आईएमएफ की संचार विभाग की एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी रहेगी। वित्त वर्ष 2026-27 में आर्थिक वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत अनुमानित है, जो 6.7 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। विकसित राष्ट्र का दर्जा पाने के लिए तेज वृद्धि और निरंतर सुधार आवश्यक हैं। आईएमएफ ने कौशल विकास, श्रम बाजार लचीलापन, कारोबारी लागत में कमी और व्यापार एकीकरण जैसे सुधारों पर जोर दिया। भारत ने नए श्रम कानूनों व व्यापार समझौतों जैसे संरचनात्मक सुधारों में प्रगति की है। विनिर्माण में, आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण से भारत को, विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक्स में, लाभ मिल रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 24 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई है, जिसमें घरेलू विनिर्माताओं की अहम भूमिका है।

कच्चे तेल में उतार चढ़ाव, 72 डॉलर के पास टिकी कीमतें

होर्मुज जलडमरूमध्य पर टिकी निगाहें, कीमतें स्थिर

नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बावजूद कच्चे तेल की कीमतें शुक्रवार को स्थिर बनी रहीं। डब्ल्यूटीआई क्रूड 72 डॉलर प्रति बैरल, जबकि ब्रेंट क्रूड 76 डॉलर के करीब रहा। पिछले सत्र की गिरावट के बाद बाजार शांति वार्ता और होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। शुक्रवार को कीमतें स्थिर रहने के बावजूद पूरे सप्ताह अमेरिकी बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई क्रूड 4 फीसदी से अधिक की बढ़त की ओर बढ़ रहा है। इसकी मुख्य वजह पश्चिम एशिया में बढ़ा सैन्य तनाव रहा, जब अमेरिका ने ईरान के ठिकानों पर हमले किए और ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की। इन घटनाओं ने वैश्विक तेल आपूर्ति पर चिंता बढ़ा दी थी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने जहां एक तरफ अंतरिम शांति समझौते को खत्म बताया, वहीं बातचीत जारी रहने की पुष्टि भी की। बाजार इन्हीं मिश्रित संकेतों पर प्रतिक्रिया दे रहा है। हालांकि, सबसे बड़ी चिंता अभी भी होर्मुज जलडमरूमध्य है, जहां से दुनिया का बड़ा समुद्री तेल व्यापार गुजरता है। तनाव के कारण यहां टैंकरों की आवाजाही धीमी बनी हुई है। यदि यह स्थिति लंबी खिंचती है, तो भविष्य में वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, जिससे कीमतों में फिर उछाल आ सकता है।

डॉ. रेड्डीज के सेमाग्लूटाइड उत्पादन में एपीआई गुणवत्ता बनी बाधा

- सीईओ ने कहा, आपूर्ति अक्टूबर-नवंबर तक टली

नई दिल्ली ।

दवा कंपनी डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज (डीआरएल) वित्त वर्ष 2027 के लिए 120 लाख सेमाग्लूटाइड पेन का वार्षिक उत्पादन लक्ष्य पूरा नहीं कर पाएगी।

दवा में प्रयुक्त सक्रिय फार्मास्युटिकल घटक (एपीआई) में गुणवत्ता संबंधी समस्याओं के कारण आपूर्ति बाधित हुई है, जिससे कंपनी के उत्पादन समय-सीमा पर असर पड़ा है। कंपनी के एक अे धिकारी ने निवेशकों को बताया कि एपीआई समस्या के कारण उत्पादन में बाधा आई है। अब कंपनी वित्त वर्ष 2027 की तीसरी और चौथी तिमाही में पहले से बिके पेनों के अतिरिक्त केवल 60 से 70 लाख पेन ही उत्पादित कर पाएगी।

नियामकीय फाइलिंग में बताया गया कि उत्पादन बढ़ाने हेतु उपयोग किए गए एपीआई के एक विशेष बैच में गुणवत्ता संबंधी दिक्कतें मिलीं, जिससे कुछ सेमाग्लूटाइड बैच मानकों से हटकर पाए गए। इजरायली ने इसे एपीआई में किसी प्रतिक्रिया प्रक्रिया से संबंधित बताया, जिसकी विस्तृत जांच अभी जारी है। डीआरएल ने स्पष्ट किया है कि इस घटना का रोगी सुरक्षा पर कोई असर नहीं पड़ेगा। हालांकि, समस्या के समाधान तक व्यावसायिक आपूर्ति में देरी होगी, जो अब अक्टूबर के अंत या नवंबर की शुरुआत में ही दोबारा शुरू होने की उम्मीद है। इस खबर के बाद गुरुवार को बीएसई पर डीआरएल के शेयर 5.85 प्रतिशत गिर गए।

रुपया तेजी के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय 15 पैसे की तेजी के साथ ही 95.32 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में रुपया 15 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.32 पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर के कमजोर रुख और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बावजूद कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से घरेलू मुद्रा को बल मिला।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली और पश्चिम एशिया में तनाव से जुड़ी अनिश्चितताओं का स्थानीय मुद्रा पर दबाव रहा, जबकि घरेलू शेयर बाजारों में दिन की मजबूत शुरुआत से रुपये को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 95.27 पर खुला।

बाद में 95.32 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 15 पैसे की बढ़त दिखात है। रुपया गुरुवार को एक पैसे की

बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.47 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.25 फीसदी की गिरावट के साथ 100.64 पर रहा।

मोबाइल, ईवी और मेडिकल डिवाइस के घटेंगे दाम

सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स पर हटाई कस्टम ड्यूटी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधाओं के बीच इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को समर्थन देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। हाल ही में जारी तीन आधिकारिक आदेशों के तहत ऑटोमोटिव, चिकित्सा और औद्योगिक उपकरणों के लिए डिस्प्ले असेंबली के पुर्जों, मोबाइल फोन के वायरलेस चार्जिंग मॉड्यूल के पुर्जों और लीथियम आयन सेल उत्पादन में इस्तेमाल होने वाली मशीनरी पर सीमा शुल्क से छूट दे दी गई है। यह छूट 31 मार्च, 2029 तक प्रभावी रहेगी, जिससे पहले लगने वाला 7.5 फीसदी से 15 फीसदी तक का शुल्क समाप्त हो गया है। इस फैसले से ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), चिकित्सा उपकरण, औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल फोन, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, बैटरी निर्माण और ऊर्जा भंडारण प्रणाली सहित विभिन्न क्षेत्रों को सीधा लाभ होगा।

रक्षा क्षेत्र को भी बढ़ावा मिलेगा, खासकर ड्रोन, रोबोट और मानव रहित प्रणालियों के उत्पादन में, जो उन्नत डिस्प्ले और बैटरियों पर निर्भर करते हैं।

मोटापा घटाने वाली जीएलपी-1 दवाओं की बिक्री में पहली मासिक गिरावट

बाजार में ठहराव के संकेत, लेकिन सालाना वृद्धि दर में जबरदस्त उछाल जारी

नई दिल्ली ।

भारत में मोटापा कम करने वाली जीएलपी-1 दवाओं की बिक्री में जून महीने में पहली बार मासिक गिरावट दर्ज की गई है। नोवो नॉर्डिस्क की सेमाग्लूटाइड दवा का पेटेंट खत्म होने और सस्ते जेनेरिक विकल्पों के बाजार में आने के बाद हुई शुरुआती तेजी अब धीमी पड़ती दिख रही है। हेल्थकेयर रिसर्च फर्म फार्मारैक के अनुसार मई के रिकॉर्ड 236 करोड़ रुपए से घटकर जून में इन दवाओं की बिक्री 227 करोड़ रुपए रह गई। सेमाग्लूटाइड का पेटेंट समाप्त होने के बाद मार्च के 180 करोड़ रुपए के बाजार ने अप्रैल में 218 करोड़ रुपए और मई में 236 करोड़ रुपए का उछाल देखा था। जून में सर्वाधिक बिकने वाली माउंजारो (टिर्जेपेटाइड) की बिक्री भी 136 करोड़ रुपए से घटकर 130 करोड़ रुपए हो गई, जबकि सेमाग्लूटाइड आधारित दवाओं की बिक्री 93 करोड़ रुपए से घटकर 91 करोड़ रुपए दर्ज की गई। हालांकि, सालाना आधार पर इस बाजार में जबरदस्त वृद्धि बनी हुई है। पिछले वर्ष जून की तुलना में इस जून में जीएलपी-1 दवाओं की मासिक बिक्री लगभग तीन गुना बढ़ी है, और वार्षिक कारोबार 2,055 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 238 प्रतिशत अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि अब बाजार की आगे की वृद्धि केवल सस्ती दवाओं पर नहीं, बल्कि अधिक मरीजों तक पहुंच, लंबे समय तक इलाज जारी रखने और डॉक्टरों का विश्वास बनाए रखने पर निर्भर करेगी। फार्मारैक ने भारतीय दवा बाजार की कुल वृद्धि दर का अनुमान 2026 के लिए 11.3 प्रतिशत तक बढ़ाया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 827, निफ्टी 244 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इसी कारण आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 827.57 अंक बढ़कर 77,569.39 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 244.10 अंक बढ़कर 24,206.90 अंक पर पहुंच गया। आज रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। आज की इस जोरदार रैली में देश की सबसे मूल्यवान कंपनी, रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों ने सबसे अधिक तेजी दर्ज करते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कंपनी के शेयरों में आई इस बढ़त ने बाजार को ऊपर खींचने में मदद की। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में सर्वाधिक 2.37 फीसदी की तेजी आई, जिसने निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। इसके अलावा, बीईएल, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, अडानी पोर्ट्स, लार्सन एंड टुब्रो, एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) जैसे दिग्गज शेयरों में भी उल्लेखनीय तेजी दर्ज की गई, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में खरीदारी की भावना प्रबल दिखी। हालांकि, इस सकारात्मक माहौल के बावजूद कुछ शेयर गिरावट के साथ बंद हुए, जिनमें इटरनल, भारती एयरटेल, सन फार्मा, ट्रेंट और आईटीसी शामिल रहे। निफ्टी के व्यापक आधार वाले शेयरों में जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस

कंपनी और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने सबसे ज्यादा तेजी दर्ज की, जो वित्तीय सेवा क्षेत्र में मजबूत रुझान का संकेत है। व्यापक बाजार में भी निवेशकों का उत्साह बना रहा। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 1.4 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि देखी गई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 1.55 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। यह दिखाता है कि छोटे और मध्यम आकार की कंपनियों में भी निवेशकों का भरोसा बढ़ा है और वे यहां निवेश के अवसर तलाश रहे हैं। सेक्टर-वार प्रदर्शन पर गौर करें तो निफ्टी रियल्टी इंडेक्स में सबसे ज्यादा तेजी दर्ज की गई, जिसने दिन के कारोबार में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूती साबित की। निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी आईटी सेक्टर ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए बाजार को आवश्यक समर्थन प्रदान किया। दूसरी ओर, निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स में सबसे ज्यादा गिरावट आई, जो दिन के दौरान कमजोर रहा और कुछ उपभोक्ता वस्तुओं के शेयरों में बिकवाली का दबाव देखा गया। कुल मिलाकर, भारतीय शेयर बाजार ने आज एक मजबूत और सकारात्मक सत्र का समापन किया, जिससे आने वाले दिनों के लिए भी आशावादी माहौल बना हुआ है।

ब्रिटिश कारों के लिए भारत में खुला रियायती आयात का रास्ता

15 जुलाई से लागू होगी कोटा-आधारित शुल्क व्यवस्था

नई दिल्ली ।

भारत ने ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत रियायती सीमा शुल्क पर वाहनों के आयात के लिए आधिकारिक प्रक्रिया अधिसूचित कर दी है। यह व्यवस्था 15 जुलाई से प्रभावी होगी, जिसके तहत ब्रिटिश-निर्मित वाहनों को कोटा-आधारित शुल्क रियायतों का लाभ मिलेगा। भारत ने ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत रियायती दरों पर वाहनों के आयात की प्रक्रिया अधिसूचित की है, जो 15 जुलाई से प्रभावी होगी। व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते के अंतर्गत, भारत पारंपरिक इंजन वाले यात्री वाहनों पर सीमा शुल्क को मौजूदा लगभग 110 फीसदी से घटाकर अंतिम रूप से 10 फीसदी करेगा। अगले 15 वर्षों में ब्रिटेन से कुल 3.78 लाख ऐसी इकाइयां रियायती शुल्क पर आयात की जा सकेंगी। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने 9 जुलाई को अधिसूचना जारी कर बताया कि आयातकों को मूल प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा, और केवल ब्रिटेन में निर्मित वाहनों के मूल उपकरण विनिर्माता या उनके अधिकृत डीलर ही पात्र होंगे। इन आयातों के माध्यम से उपभोक्ताओं को रियायती शुल्क का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। पहले वर्ष में विभिन्न श्रेणियों की कुल 20,000 यात्री कारों पर सीमा शुल्क 110 फीसदी से घटाकर 30 या 66 से 50 फीसदी किया जाएगा। हालांकि, 40,000 ब्रिटिश पाउंड से कम कीमत वाले वाहनों के लिए भारत ने अपना बाजार नहीं खोला है, जिससे घरेलू जन बाजार और इलेक्ट्रिक वाहन खंड को संरक्षण मिलेगा।

इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड और हाइड्रोजन चालित कारों पर पहले पांच वर्षों तक कोई रियायत नहीं होगी, लेकिन छठे वर्ष से उच्च मूल्य वाले मॉडल पर रियायती शुल्क लागू होंगे।

एचएफसीएल को 495 करोड़ का अंतर्राष्ट्रीय डेटा सेंटर ठेका

नई दिल्ली ।

घरेलू दूरसंचार उपकरण विनिर्माता एचएफसीएल को एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय डेटा सेंटर कंपनी से 495.80 करोड़ रुपये (लगभग 51.98 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का एक बड़ा निर्यात ठेका मिला है। यह ठेका ऑप्टिकल फाइबर केबल आधारित डेटा सेंटर संपर्क समाधानों की आपूर्ति के लिए है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को इसकी सूचना दी। एचएफसीएल ने बताया कि इस महत्वपूर्ण ठेके को दिसंबर 2026 तक पूरा किया जाना है। यह ऑर्डर कंपनी को अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली विदेशी अनुषंगी इकाई के माध्यम से प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि एचएफसीएल के हाल ही में ऑप्टीक्यू एआई डेटा सेंटर समाधान खंड की शुरुआत के बाद आई है, जो वैश्विक डेटा सेंटर बाजार में उसकी बढ़ती विशेषज्ञता और क्षमता को प्रदर्शित करती है। यह ठेका कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण वैश्विक विस्तार का प्रतीक है, जिससे उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान मजबूत करने में मदद मिलेगी।

2000 के नोट अभी भी वैध,जानें बदलने के तीन आसान तरीके

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2000 रुपये के नोटों को लेकर आम जनता के बीच बनी किसी भी आशंका को दूर करते हुए स्पष्ट किया है कि ये गुलाबी नोट आज भी लीगल टेंडर (कानूनी रूप से वैध) हैं। आरबीआई ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर यह ताजा जानकारी साझा की है, जिससे उन लोगों को राहत मिलेगी जिनके पास अभी भी ये नोट मौजूद हैं। आरबीआई ने 19 मई 2023 को इन नोटों को चलन से बाहर करने का फैसला किया था। तब बाजार में 3.56 लाख करोड़ रुपये मूल्य के नोट थे। अप्रैल 2026 के अंत तक आए आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अब सिर्फ 5,451 करोड़ रुपये के नोट ही बचे हैं, जिसका अर्थ है कि देश के 98.47 फीसदी नोट सफलतापूर्वक बैंकिंग सिस्टम में वापस आ चुके हैं। यह दर्शाता है कि अब बेहद कम नोट ही लोगों के पास हैं। यदि आपके पास अभी भी 2000 के नोट हैं, तो आप इन्हें आसानी से बदल या जमा कर सकते हैं। इसके लिए तीन मुख्य तरीके ह- 1. आरबीआई कार्यालयों में- देश भर में मौजूद आरबीआई के 19 इश्यू ऑफिसों में जाकर नोटों के बदले दूसरे वैध नोट (जैसे 500, 200) तुरंत प्राप्त करें। 2. सीधे खाते में जमा- इन्हीं आरबीआई कार्यालयों में एक फॉर्म भरकर नोटों की राशि सीधे अपने बैंक खाते (बचत या चालू) में ट्रांसफर करवाएं।

3. इंडिया पोस्ट के जरिए- यदि आप आरबीआई कार्यालय से दूर हैं।

टीसीएस की कमाई उम्मीद से बेहतर, एआई और डील्स ने भरा जोश, ब्रोकरेज हुए खुश!

पहली तिमाही में 9.5 अरब डॉलर की नई डील्स, एआई का सालाना राजस्व रन रेट 2.6 अरब डॉलर के पार

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी आईटी सेवा प्रदाता टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के लिए उम्मीद से बेहतर नतीजे पेश किए हैं। मजबूत डील बुकिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कारोबार में उल्लेखनीय वृद्धि और स्थिर राजस्व प्रदर्शन ने बाजार का ध्यान खींचा है, जबकि वेतन वृद्धि और रणनीतिक निवेश के चलते मार्जिन पर अस्थायी दबाव देखा गया। विश्लेषकों ने कंपनी के भविष्य को लेकर आशावादी रुख बनाए रखा है, जिससे शुक्रवार सुबह कारोबार में टीसीएस के शेयर में 2 फीसदी की तेजी दर्ज की गई।

टीसीएस ने जून तिमाही में 7.62 अरब डॉलर का डॉलर राजस्व दर्ज किया, जो स्थिर मुद्रा में पिछली तिमाही से 0.4 फीसदी और सालाना आधार पर 3.2 फीसदी अधिक है, जो बाजार अनुमानों से थोड़ा बेहतर है। कंपनी का शुद्ध मुनाफा लगभग 13,400 करोड़ रुपये रहा, जो बाजार की उम्मीदों के अनुरूप था। इस तिमाही की सबसे बड़ी उपलब्धि 9.5 अरब डॉलर की नई डील्स रहीं, जो आगामी तिमाहियों के लिए मजबूत ऑर्डर बुक का संकेत देती हैं। एआई कारोबार भी तेजी से गति पकड़ रहा है, जिसका वार्षिक राजस्व रन रेट 2.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया है, जो पिछली तिमाही के मुकाबले 13.6 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाता है। कंपनी ने इस अवधि में 9,279 नए कर्मचारियों की भर्ती की और शेयरधारकों के लिए 12 रुपये प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश की घोषणा भी की।

हालांकि, कर्मचारियों की वेतन वृद्धि और एआई, सेल्स तथा नई साझेदारियों में निरंतर निवेश के कारण कंपनी का ऐबिट मार्जिन पिछली तिमाही के मुकाबले 1.3 प्रतिशत अंक घटकर 24 फीसदी रह गया, जिससे मार्जिन पर दबाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। बावजूद इसके, प्रमुख ब्रोकरेज हाउसों ने टीसीएस पर अपना भरोसा बरकरार रखा है। एक रे टिंग एजेंसी ने बाय रेटिंग के साथ 12 महीनों के लिए 3,000 रुपये का लक्ष्य दिया है, उसका मानना है कि कंपनी के लिए अब आगे का रास्ता बेहतर दिख रहा है और हालिया गिरावट के बाद मौजूदा भाव पर शेयर आकर्षक है।

भविष्य की बात करें तो, मजबूत डील पाइपलाइन और एआई कारोबार में सतत विस्तार टीसीएस के लिए सकारात्मक संकेत हैं।

निवेशकों की दुविधा स्टॉक एसआईपी या म्यूचुअल फंड एसआईपी, कौन है बेहतर?

सही विकल्प का चुनाव करने के लिए दोनों के बीच के महत्वपूर्ण अंतरों को समझना बेहद जरूरी

नई दिल्ली ।

लंबी अवधि में संपत्ति बनाने का एक सबसे लोकप्रिय और प्रभावी तरीका बन चुके सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) को लेकर निवेशकों के मन में अक्सर यह सवाल उठता है- बेहतर रिटर्न के लिए सीधे शेयरों में एसआईपी (स्टाक एसआईपी) करना उचित है या म्युचुअल फंड एसआईपी का चुनाव करना चाहिए?

वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर सही विकल्प का चुनाव करने के लिए दोनों के बीच के महत्वपूर्ण अंतरों को समझना बेहद जरूरी है। स्टॉक स्टाक एसआईपी में निवेशक हर महीने एक निर्धारित राशि से सीधे किसी कंपनी के शेयर खरीदता है। इसमें शेयर का चुनाव पूरी तरह निवेशक पर निर्भर करता है, जिससे इसमें उच्च रिटर्न की संभावना तो होती है, लेकिन जोखिम भी अधिक होता है और निवेशक को कंपनियों व बाजार पर लगातार नजर रखनी पड़ती है।

इसके विपरीत, म्युचुअल फंड एसआईपी में निवेशक हर महीने एक तय रकम म्युचुअल फंड स्कीम में निवेश करता है। यहां निवेश से जुड़े सभी फैसले पेशेवर फंड मैनेजर करते हैं, जो विभिन्न शेयरों और अन्य एसेट्स में पैसा लगाते हैं। इससे निवेश में विविधता आती है और निवेशक को शेयर चुनने या पोर्टफोलियो संभालने की चिंता नहीं करनी पड़ती।

वैल्यूमैट्रिक्स टेक्नोलॉजीज के एक को-फाउंडर के अनुसार उच्च गुणवत्ता वाली कंपनियों की सही पहचान और उन्हें लंबे समय तक बनाए रखने पर स्टॉक एसआईपी निश्चित रूप से म्युचुअल फंड एसआईपी से बेहतर रिटर्न दे सकता है।

हालांकि, उनका मानना है कि ऐसी कंपनियों की पहचान करना बेहद मुश्किल होता है और गलत शेयरों के चुनाव की संभावना सफल होने से कहीं ज्यादा होती है।

जैन के मुताबिक, सीधे शेयरों में निवेश के लिए कंपनी के कारोबार, उसके मूल्यांकन और बाजार की बदलती परिस्थितियों पर लगातार नजर रखना अनिवार्य है।

इसके विपरीत ज्यादातर निवेशकों के लिए म्युचुअल फंड एसआईपी एक बेहतर विकल्प साबित होता है। इसमें पेशेवर फंड मैनेजर बाजार की स्थितियों के अनुसार पोर्टफोलियो को मैनेज करते हैं, उसमें बदलाव करते हैं और निवेश को कर-कुशल बनाने का प्रयास करते हैं।

भारत ने चीनी सीमलेस ट्यूब पर डंपिंग रोधी शुल्क 2027 तक बढ़ाया

घरेलू विनिर्माताओं के संरक्षण को प्राथमिकता

नई दिल्ली ।

घरेलू विनिर्माताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, भारत ने चीन से आयातित कुछ सीमलेस ट्यूब और पाइप पर लगाए गए डंपिंग रोधी शुल्क को 27 जनवरी, 2027 तक बढ़ा दिया है। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना के माध्यम से इसकी जानकारी दी है। यह शुल्क, जो लोहे, मिश्रधातु या गैर-मिश्रधातु इस्पात के सीमलेस ट्यूब, पाइप और खोखले प्रोफाइल पर पहली बार 28 अक्टूबर, 2021 को लगाया गया था, वर्तमान में 961.33 डॉलर से 1,610.67 डॉलर प्रति टन के बीच है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने इसे प्रभावी बनाए रखने की पुष्टि की है।

इसके अतिरिक्त, सीबीआईसी ने

मलेशिया, दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका से निर्यात किए जाने वाले 'नॉर्मल ब्यूटानॉल' (जो रसायन, पेंट और चिपकने वाले पदार्थों में उपयोग होता है) के आयात पर भी पांच वर्ष के लिए डंपिंग रोधी शुल्क जारी रखने की घोषणा की है।

13 चौके, 23 छक्के, 55 गेंद, नाबाद 206 रन

अंग्रेज बल्लेबाज का टी20 में दोहरा शतक, टीम ने खड़ा किया 417 रन का स्कोर

नई दिल्ली। भारतीय टीम इंग्लैंड में टी20 इंटरनेशनल सीरीज खेल रही है। इसी बीच इंग्लैंड में ही एक क्लब टी20 मैच में डम्बलटन क्रिकेट क्लब की टीम ने 417 रन का ऐतिहासिक स्कोर खड़ा कर दिया। प्रीमियर वन टॉप टियर डिवीजन के टी20 मैच में यह रिकॉर्ड बना। इस मैच में डम्बलटन क्लब के बल्लेबाज इवान गेग ने दोहरा शतक भी लगाया। उन्होंने 55 गेंद में 206 रन की तूफानी पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 13 चौके और 23 छक्के लगाए।

इस टूर्नामेंट में डम्बलटन क्रिकेट क्लब की टीम ने हेदरली एंड रेडिंग्स क्लब के खिलाफ मुकाबले में 417 रन का विशाल स्कोर बनाया। इस दौरान 22 चौके और 47 छक्के डम्बलटन की पारी में लगे। टीम की ओर से सिर्फ चौके छक्कों से ही 370 रन बने। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए हेदरली की टीम 188 रन से मैच हार गई और 229 रन पर सिमट गई। इस मुकाबले में कुल तीन बल्लेबाजों ने शतक लगाए। डम्बलटन की तरफ से एक दोहरा शतक और एक शतक लगा। ओपनर इवान गेग ने 206 रन की पारी खेली। वहीं उनके साथी डेन हॉलैंड ने 37 गेंद में 122 रन की पारी खेली। वहीं 418 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए हेदरली एंड रेडिंग्स की टीम की तरफ से हैरी ब्लूमफील्ड ने भी 109 रन की पारी खेली। उन्होंने 48 गेंद की अपनी पारी में छह चौके और 12 छक्के लगाए।

● **टी20 क्रिकेट के इतिहास के सबसे बड़े स्कोर–** टी20 इंटरनेशनल की बात करें तो जिम्बाब्वे के नाम सर्वाधिक 344/4 रन का विशाल स्कोर दर्ज है। जिम्बाब्वे ने जाम्बिया के खिलाफ यह रिकॉर्ड स्कोर 2024 में बनाया था। जबकि टी20 क्रिकेट में एक टीम के सर्वाधिक स्कोर का रिकॉर्ड बड़ौदा का है। बड़ौदा ने सिक्किम के खिलाफ 2024 में 5 विकेट पर 349 रन बनाए थे। टेस्ट प्लेइंग नेशन की बात करें तो यह रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम है जिसने 304 रन साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2025 में बनाए थे।

फ्रांस ने लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई

एम्बाप्पे ने की मेसी की बराबरी

नई दिल्ली। बोस्टन के जिलेट स्टेडियम में खेले गए 2026 फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में किलियन एम्बाप्पे और उस्मान डेम्बेले के गोलों की बदौलत फ्रांस ने मोरक्को को 2-0 से करारी शिकस्त दी। फ्रांस लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में पहुंचा है। कतर में 2022 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में भी फ्रांस ने मोरक्को को 2-0 से हराया था। एम्बाप्पे ने 60वें मिनट में पहला गोल किया।

इसके ठीक छह मिनट बाद डेम्बेले ने दूसरा गोल करके फ्रांस की बढ़त को दोगुना कर दिया। पहले हाफ में एम्बाप्पे ने पेनल्टी को गोल में बदलने से चूक गए, लेकिन इससे उनकी टीम को कोई नुकसान नहीं हुआ। उन्होंने दूसरे हाफ में एक शानदार गोल किया और फिर उस्मान डेम्बेले को असिस्ट भी किया। इस गोल के साथ, एम्बाप्पे आठ गोलों के साथ लियोनेल मेसी के साथ गोल्डन बूट की दौड़ में शीर्ष पर पहुंच गए हैं।

इंग्लैंड से पहली बार टी20 सीरीज हारा भारत

7 साल बाद लगातार दो सीरीज हारे विश्व विजेता

नई दिल्ली। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम लगातार मैच हार रही है। इंग्लैंड ने शुक्रवार (10 जुलाई) को चौथे टी20 में भारत को 9 विकेट से हराकर 5 मैचों की सीरीज को 3-0 से अपने नाम कर लिया। इंग्लैंड ने पहली बार दो या उससे ज्यादा मैचों की द्विपक्षीय सीरीज में भारत को हराया है।

भारत ने पिछले छह में से पांच सीरीज जीते हैं, जबकि एक सीरीज ड्रॉ रही थी। मार्च में लगातार दूसरा विश्व कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय टीम इंग्लैंड से पहले आयरलैंड से 2 मैचों की टी20 सीरीज हारी। इससे पहले भारतीय टीम फरवरी 2019 में लगातार 2 टी20 सीरीज हारी थी। न्यूजीलैंड ने उसे 1-2 और ऑस्ट्रेलिया ने उसे 2-0 से हराया था। मौजूदा सीजन से

पहले भारत ने अपनी पिछली 12 द्विपक्षीय टी20 सीरीज में से 11 में जीत दर्ज की थी। दिसंबर 2023 में साउथ अफ्रीका में हुई सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही थी।

इंग्लैंड से 2018 के बाद सीरीज हारी भारतीय टीम

भारतीय टीम 2018 में इंग्लैंड दौरे पर 2 सीरीज हारी थी। वनडे में में 2-1 और टेस्ट में 4-1 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से दोनों देशों के बीच खेली गई किसी भी प्रारूप की सीरीज भारतीय टीम नहीं हारी थी। वह 10 में से 8 सीरीज जीती थी। इंग्लैंड में खेली गई पिछली 2 टेस्ट सीरीज 2-2 से बराबर रहीं।

इंग्लैंड की दूसरी बड़ी जीत– भारत ने चौथे टी20 में 37 गेंद रहते 9 विकेट से जीत हासिल की। 150 से ज्यादा रनों के लक्ष्य को पीछा करते हुए यह इंग्लैंड की विकेट के हिसाब से संयुक्त रूप से दूसरी सबसे बड़ी जीत थी। इससे पहले उसने 2020 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन में 192 रनों के लक्ष्य को 1 विकेट खोकर हासिल किया था।

इंग्लैंड ने नौ विकेट से हराया

3-0 से बनाई अजेय बढ़त

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का चौथा मुकाबला ब्रिस्टल में हुआ। इंग्लैंड ने 9 विकेट से शानदार जीत दर्ज करते हुए भारत को 9 विकेट से हराया। भारत ने टॉस जीतकर

पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। पहले खेलते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 158 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड ने 13.5 ओवर में सिर्फ 1 विकेट गंवाकर मुकाबला जीत लिया। फिल साल्ट ने 59 और हैरी ब्रूक ने नाबाद 79 रन बनाकर शानदार अर्धशतक जड़े। इसी के साथ इंग्लैंड ने सीरीज भी जीत ली है और 3-0 से अजेय बढ़त बना ली है।

श्रेयस अय्यर ने तोड़ा रोहित शर्मा और एमएस धोनी का रिकॉर्ड

● **ब्रिस्टल में टॉस जीतते ही किया कमाल**

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच ब्रिस्टल में टी20 सीरीज का चौथा मुकाबला खेला जा रहा है। इस मुकाबले में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने एक बार फिर से टॉस जीता। बतौर भारतीय कप्तान उन्होंने लगातार अपना छठा टॉस जीता और रोहित शर्मा व एमएस धोनी का रिकॉर्ड तोड़ा है। उन्होंने अपनी कप्तानी में भले अभी तक पहला मैच नहीं जीता है लेकिन वह एक भी टॉस अभी तक नहीं हारे हैं। श्रेयस अय्यर ने इससे पहले आयरलैंड दौरे पर भी दोनों मैचों में टॉस जीता था। वह मौजूदा इंग्लैंड सीरीज में भी पहले चारों मैच में टॉस जीते हैं। उन्होंने बतौर कप्तान लगातार सबसे ज्यादा टॉस जीतने के मामले में विराट कोहली (6) की बराबरी की है। वह अब लगातार सबसे ज्यादा टॉस जीतने वाले संयुक्त रूप से दूसरे भारतीय कप्तान बने हैं।

लगातार सबसे ज्यादा टॉस जीतने वाले भारतीय कप्तान

● 7 : एमएस धोनी (मई 2010 – फरवरी 2012) ● 6 : विराट कोहली (अगस्त 2019 – दिसंबर 2019) ● 6* : श्रेयस अय्यर (जून 2026 – जुलाई 2026) ● 5 : रोहित शर्मा (फरवरी 2020 – फरवरी 2022) ● 5 : एमएस धोनी (सितंबर 2007)

वैभव सूर्यवंशी का इंग्लैंड में अब तक का प्रदर्शन

5 छक्के, 27 गेंद, 42 रन

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी का इंटरनेशनल क्रिकेट में आगाज खास नहीं रहा है। इंग्लैंड में खेली पहली तीन पारियों में लगातार वह फेल ही साबित हुए हैं। उन्होंने पहली तीन पारियों में 14, 13 और 15 रन ही बनाए हैं। अभी तक लगातार उनकी आईपीएल वाली कमजोरी ही इंग्लैंड में उजागर हुई है। वह तीनों मुकाबलों में शॉर्ट बॉल के सामने दिक्कत में दिखे हैं। पिछली दोनों पारियों में वह शॉर्ट पिच डिलीवरी पर ही आउट हुए हैं।

वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड सीरीज में अभी तक तीन पारियों में 42 रन ही बनाए हैं। उन्होंने 27 गेंद का सामना किया है जिसमें 5 छक्के और सिर्फ एक चौका उनके बल्ले से निकला है। मगर उनकी सबसे बड़ी दिक्कत शॉर्ट बॉल की समस्या नहीं दूर हो रही है। जोफ्रा आर्चर ने लगातार दूसरी बार वैभव का विकेट झटका है।

उन्होंने ब्रिस्टल में खेले गए चौथे टी20 इंटरनेशनल में 10 गेंद पर 15 रन ही बनाए हैं। इंटरनेशनल डेब्यू करते हुए मैनचेस्टर में उन्होंने 12 गेंद पर 14 रन बनाए थे। फिर दूसरी पारी में नॉटिंघम में वह 13 रन ही बना पाए थे। नॉटिंघम के बाद ब्रिस्टल में भी वह आर्चर का

शिकार बने हैं। आर्चर के खिलाफ वैभव ने 3 पारियों में 13 गेंद पर सिर्फ 18 रन ही बनाए हैं और दो बार उनका शिकार भी वह बने हैं।

वैभव सूर्यवंशी की जगह पर मंडराया खतरा?

भारतीय टीम ने तीन महीने पहले विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने संजू सैमसन को बाहर करते हुए वैभव सूर्यवंशी को टीम इंडिया में जगह दी थी। अब वैभव ने पहली तीनों पारियों में निराश किया है। उनके अप्रोच पर सवाल उठने लगे हैं।

वैभव को जितनी तेजी से टीम में लाने की मांग उठ रही थी। उतनी तेजी से ही अब उनकी खामियां सामने आ रही हैं। इसी कारण सीरीज के आखिरी मुकाबले में अब उनकी जगह पर भी खतरा मंडरा रहा है। वैभव सूर्यवंशी ने पहली तीन पारियों में सिर्फ 42 रन बनाए हैं। उनका इंटरनेशनल डेब्यू खास नहीं रहा है। अब आखिरी टी20 में उनकी जगह संजू सैमसन की एंट्री होती है या नहीं यह देखने वाली बात होगी।

भारत ने गंवाई यूथ वनडे सीरीज

रोमांचक मैच में 1 विकेट से जीता श्रीलंका, अंतिम 10 ओवर में ठोके 76 रन

नई दिल्ली। श्रीलंका की अंडर-19 टीम ने हम्बनटोटा में खेले गए तीसरे यूथ वनडे में भारतीय टीम को एक विकेट से हरा दिया। इसके साथ ही श्रीलंका ने 2-1 से यूथ वनडे सीरीज अपने नाम की। हम्बनटोटा के महिंदा राजपक्षे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए तीसरे वनडे में श्रीलंकाई टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

इंडिया -19 टीम ने वीके विनीत के शतक की मदद से 50 ओवर में 8 विकेट पर 290 रन का स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका -19 ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 291 रन बनाकर मैच और सीरीज अपने नाम की। चार जून 2026 को इसी मैदान पर खेले गए पहले यूथ वनडे इंटरनेशनल को इंडिया -19 ने 4 विकेट से जीता था, लेकिन छह जुलाई को हुए दूसरे वनडे

इंटरनेशनल में उसे आठ विकेट से शिकस्त झेलनी पड़ी।

तीसरे यूथ वनडे इंटरनेशनल की बात करें तो श्रीलंका -19 का 40 ओवर में स्कोर आठ विकेट पर 215 रन था। श्रीलंका -19 को 10 ओवर में 76 रन बनाने थे और उसके सिर्फ दो विकेट गिरना शेष थे। इसके बाद चमिका हीनतिगाला और गिम्हन मेंडिस ने नौवें विकेट के लिए 47 गेंद में 61 रन की साझेदारी की। गिम्हन मेंडिस 22 गेंद में 23 रन बनाकर आउट हुए।

चमिका हीनतिगाला सात चौके और दो छक्के की मदद से 68 गेंद में 84 रन बनाकर नाबाद रहे। श्रीलंका -19 की ओर से सेनूजा वेकुनागोडा ने भी अर्धशतक लगाया। सेनूजा वेकुनागोडा ने 10 चौके और एक छक्के की मदद से 59 गेंद में 67 रन की पारी खेली। इंडिया -19 की ओर से अनमोलजीत सिंह सबसे सफल गेंदबाज रहे।

अनमोलजीत सिंह ने 8 ओवर में 42 रन देकर चार विकेट लिए। शाविन विनोद 10 ओवर में 41 रन देकर तीन विकेट लेने में सफल रहे। मोहित उल्वा ने भी दो विकेट लिए, लेकिन इसके लिए उन्होंने नौ ओवर में 66 रन दे डाले।

30 पदकों का बड़ा झटका

कुश्ती-बैडमिंटन समेत 6 खेलों के हटने से भारत की मेडल उम्मीदों पर संकट

नई दिल्ली। बर्मिंघम 2022 के खेलों में इन हटाए गए खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 30 पदक (13 स्वर्ण, 5 रजत और 12 कांस्य) जीते थे, जो भारत के पूरे 61 पदकों का लगभग आधा हिस्सा है। यह नुकसान भारत के लिए नया नहीं है, बल्कि पिछले कई संस्करणों का इतिहास बताता है कि इन खेलों को हटाने से भारत को हमेशा बड़ा आर्थिक व खेल-कूद का नुकसान उठाना पड़ा है।

● **कुश्ती :** बर्मिंघम 2022 में भारत ने कुश्ती में शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 स्वर्ण, 1 रजत और 5 कांस्य सहित 12 पदक हासिल किए थे। अगर पीछे देखें, तो गोल्ड कोस्ट 2018 खेलों में भी भारतीय पहलवानों ने 5 स्वर्ण, 3 रजत और 4 कांस्य सहित कुल 12 पदक देश की झोली में डाले थे।

● **बैडमिंटन :** साल 2022 में पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन और सात्विक-चिराग की जोड़ी के दम पर भारत ने 3 स्वर्ण समेत 6 पदक हासिल किए। इससे पहले 2018 में भारत ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 2 स्वर्ण (मिक्सड टीम और सायना नेहवाल), 3 रजत और 1 कांस्य सहित कुल 6 पदक जीते थे। 2014 में भी बैडमिंटन से 1 स्वर्ण (पारुपल्ली कश्यप), 1 रजत और 2 कांस्य सहित कुल 4 पदक आए थे।

● **टेबल टेनिस :** बर्मिंघम 2022 में टेबिल टेनिस में अचंत शरद कमल के नेतृत्व में पैरा-इवेंट्स को मिलाकर 4 स्वर्ण समेत 7 पदक आए।

● **हॉकी और स्क्वैश :** बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत की महिला क्रिकेट टीम ने रजत पदक जीता, जबकि हॉकी में 2 पदक (1 रजत, 1 कांस्य) और स्क्वैश में 2 कांस्य पदक भारत के नाम रहे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष
चू चे चो ला ली लू ले लो आ

सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-5-6

वृष
इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

मनोविनोद बढ़ेगे। व्याधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-4-6-7

मिथुन
का की कू घ ङ छ के को हा

व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। शुभांक-4-6-7

कर्क
ही हू हे हो डा डी डू डे डो

आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-7-9

सिंह
मा मी मू मे मो टा टी टू टे

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-3-5-8

कन्या
टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-5-7

तुला
रा री रु रे रो ता ती तू ते

स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-2-6-8

वृश्चिक
तो ना नी नू ने नो य यी यू

आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-3-6-8

धनु
ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-4-6-7

मकर
मे ना जी खी खू खे खो गा गी

लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-3-5-6

कुंभ
गू गे गो सा सी सू से सो दा

कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

मीन
दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 3944

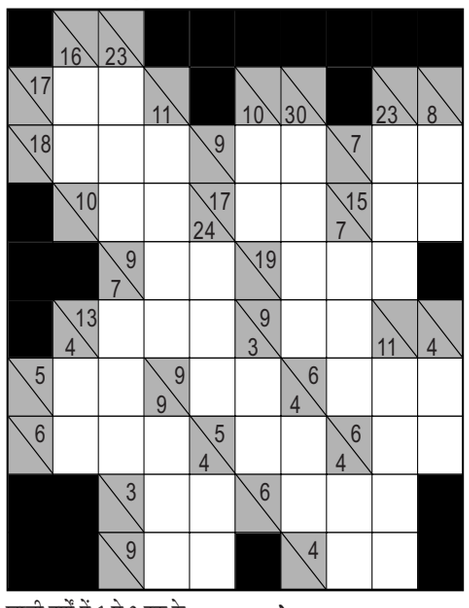

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

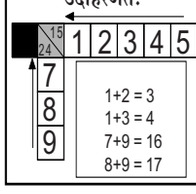

काकुरो - 3943 का हल

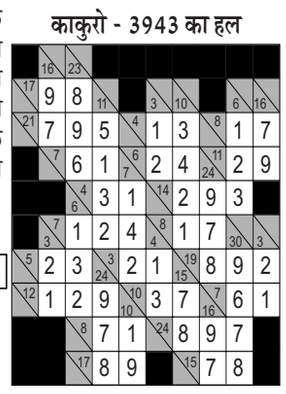

हंसी के फव्वारें

एक प्रत्याशी ने अपने परिचित वोटर के घर जाकर कहा, 'भैया, ख्याल रखना, मैं खड़ा हूं.'

वोटर ने कोने में रखी कुर्सी की ओर संकेत करते हुए कहा, 'आप खड़े क्यों हैं, बैठ जाइए.'

□ □ □

आदमी ने अपनी विवाहिता नवयुवती से बड़े प्यार से कहा, 'अब यह घर तुम्हारा है. हर पल इसे सजाने-संवारने की जिम्मेदारी अब तुम्हारी है.'

नवयुवती पत्नी तुनक उठी, 'तो फिर मैं अपना मेक-अप कब करूँगी?'

□ □ □

आजीवन कुँवारा रहने का फैसला करने और फिर उस पर डटे रहने वाले व्यक्ति ने साक्षात्कार के समय अपने उस फैसले का कारण कुछ इन शब्दों में बयान किया-

'मैं विवाह के लिए तैयार था, बल्कि विवाह का सारा इन्तजाम हो चुका था कि एक दिन मैंने अपने ससुर को अपनी होने वाली सास के हाथ से पिटते हुए देखा और नसीहत ग्रहण कर ली.'

□ □ □

प्रेमिका ने बेरोजगार प्रेमी से बड़े प्रेम से पूछा - तुम निकट भविष्य में क्या बनना पसंद करोगे?

बेरोजगार प्रेमी ने तड़ से जवाब दिया- तुम्हारा पति.

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3944

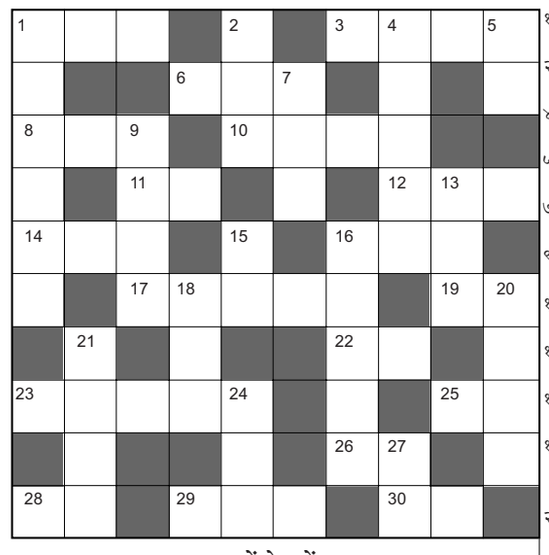

बायें से दायें:-

१. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-३
३. 'मेरा मन तेरा प्यासा' गीत वाली देव आनंद, जाहिदा, जाहिरा की फिल्म-४
६. सनी, मीनाक्षी की सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
८. 'कब तक हुजूर रूठे रहोगे' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली फिल्म-४
११. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज, उर्मिला की फिल्म-२
१२. रघुवीर यादव, कुणालकपूर, तब्बू, नादिरा बब्बर की 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'क्या करे क्या ना करें' गीत वाली जैकी श्रॉफ, उर्मिला की फिल्म-३
१६. सनी देओल, करिश्मा की 'छम्मक छल्लो जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-३
१७. जैकी श्रॉफ, संजय, माधुरी की फिल्म-५
१९. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, दीप्ति नवल की सई परांजपे निर्देशित एक फिल्म-२
२२. 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीत वाली अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२३. राकेश रोशन, रेखा की 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीत वाली फिल्म-५
२५. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
२६. संजय दत्त, सलमान खान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
२९. मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-३
३०. फिल्म 'रफूचक्कर' में नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'मेरा नाम है चमेली' गीत वाली संजीव कुमार, नाजिमा, कुमकुम की फिल्म-२,२,२
२. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'सिर्फतुम ही तो हो जिसपे' गीत वाली शम्मीकपूर, साधना की फिल्म-५
५. अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला की 'दिल में जो बात' गीत वाली फिल्म-२
७. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली आमिरखान, ग्रेसीसिंह की फिल्म-३
९. संजयखान, बबीता की 'आ लगजा गले' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिल कपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. 'क्या सही प्यार है' गीत वाली फिल्म 'रॉकी' में संजयदत्त, के साथ नायिका कौन थी-३
१६. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'आई लव यू आई लव यू' गीत वाली फिल्म-५
१८. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
२०. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'तम्मा तम्मा लोगे' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'लो आगई उनकी याद' गीत वाली मनोज कुमार, आशा पारेख की फिल्म-१,३
२४. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'तूने कहा जब से हाँ' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'और क्या अहद ए वफा' गीत वाली सनी देओल, अमृतासिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3943

अ	नि	ता		रो	ञ	नी		धू	म
क्स		क	सौ	टी		ल	ज्ञा		स्त
	अं	त		क	स	म		भा	
जो	ञ		कं	प	नी		आ	र	जू
रू		दि		ड़		जी	न	त	
का	ज	ल		औ	र	त			षा
गु		ज	रू	र	त		षा	ल	की
ला	ड़	ला		म	न		य		जा
म			शा	का		जा	ल		
	फ	र	दी	न	खा	न		फि	दा

सूडोकु -3944

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3943 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 3944

बाएँ से दाएँ

1.शरीफ,नेकनीयत-5
4.जिसे सुनाई न दे-3
6.मां का भाई-2
7.एकमात्र,सिर्फ एक-3
8.अधिकार-2
10.सिर झुकाना-3
11.दुर्घटना-4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ-3
16.राजदार-4
17.राजा की पत्नी-2
18.वीज, वीर्य-2
19.मीठा पेय पदार्थ-4
21.पानी की बूंद-3
22.अवरोध,बाधा-4
24.मैला,अस्वच्छ-3
25.पानी,जल-2
27.पुत्र,लड़का-3
28.लाश,पार्थिव देह-2
29.थकावट-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी-5
2.अस्थमा-2
3.राज्य,सल्तनत-4
4.तन,काया,देह-3
5.रास्ता,मार्ग-2
7.नखरा,भुगतान-2
9.डोली उठाने वाले-3
12.बिजली,विद्युत रश्मि-3
13.भद्रता,नेकनियत -4
15.कमल,पंकज-3
16.बुखरा,ज्वर ताप-4
17.आराम,मदद-3
18.घना वन-3
20.मन को भाने वाला -2,3
21.कथा,गाथा-3
22.कहासुनी-4
23.मनन करना-3
24.शराब-2
26.घोड़ागाड़ी-2
28.बढ़ावा देना-2

शब्द पहेली -3943 का हल

	रा	ह	ज	नी		फि	स	ल	ना	
अ		क	हा	र		त	न	य		बु
ह	क		न	य		र	म		फ	न
म	म	ता		ता	क	त		चा	त	क
क	र	त	ब		म		त	ल	वा	र
			ल	ह	र	दा	र			
ला	व	ज	मा		बं		स	ह	ल	ज
ज	त	न		म	द	द		म	ग	न
वा	न		क	न		ह	म		न	म
ब		त	म	स		ली	ट	र		त
	मे	ह	रा	ब		ज	र	ब	फ्त	

रेसिपी

शीर खुरमा

सामग्री

- सेंवई:100 ग्राम
- घी: 1 टेबलस्पून
- दूध: 3 लीटर
- शक्कर: 250 ग्राम
- पिसा हुआ चावल: 10-12 टेबलस्पून
- हरी इलायची के दाने पिसे हुए: 4-5
- 1 कप मिल्क पाउडर
- खारक रातभर पानी में भिगोकर रखे :100 ग्राम
- बादाम बारीक कटे हुए: 50 ग्राम
- किशमिश: 50 ग्राम
- पिस्ता: 50 ग्राम
- नारियल के बारीक कतले: 50 ग्राम
- केवड़ा: 1 टेबलस्पून

विधि

सबसे पहले इलायची पाउडर, चावल के पाउडर और शक्कर को थोड़े से दूध में घोलकर अलग रखे लें। इसके बाद धीमी आंच पर घी गर्म करके उसमें सेंवईयों को सुनहरा भूरा होने तक भूनें। सेंवईयों के भूरा होने पर उसे एक प्लेट में निकालकर अलग रख दें। अब एक बर्तन में दूध उबाल लें। उबलते दूध में इलायची पाउडर, शक्कर और पिसा हुआ चावल डालकर दूध को मध्यम आंच पर गाढ़ा होने तक उबालें हुए बीच-बीच में चलाते रहें। अब इसमें खारक, बादाम, किशमिश, पिस्ता, नारियल और सेंवई डाल दें। सेंवई के नर्म होने तक पकाएं। सेंवईयों के पकने पर उसे आंच से उतारकर उसमें केवड़ा की कुछ बूंदे डालकर ड्रायफ्रूट्स से सजाकर मेहमानों को सर्व करें।

बूंदी के लड्डू

सामग्री

- दरदरा पिसा हुआ बेसन: 3 कटोरी
- चीनी: 2 कटोरी
- इलायची पाउडर: 1 छोटा चम्मच
- केसर: 5-6 लच्छे
- मीठा पीला रंग: चुटकी भर
- दूध: पाव कप
- तलने के लिए देसी घी

विधि

बूंदी के लड्डू बनाने के लिए सबसे पहले बेसन को छानकर उसमें चुटकी भर मीठा पीला रंग मिला लें। अब इसमें पानी डालकर इसका घोल तैयार कर लें। अब एक बर्तन में पानी और चीनी डालकर उसकी एक तार की चाशनी तैयार कर लें। चाशनी में थोड़ा-सा पीला रंग और केसर हाथ से मसलकर डाल दें। थोड़ी देर बाद इसमें पिसी इलायची मिला दें। एक कड़ाही में घी गर्म करके छेद वाली स्टील की चलनी की सहायता से सारे घोल की धीरे-धीरे करके बूंदी बनाते जाएं। अब इस बूंदी को चाशनी में डाल दें। जब बूंदी पूरी तरह चाशनी पी लें, तब हाथ पर हल्का-सा घी या पानी लगाकर हल्के से दबाते हुए सभी बूंदी के लड्डू तैयार कर लें। घर पर तैयार किए गए इन खास लड्डूओं से भोग लगाएं।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/-
Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words
Maximum 60 Words

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

कन्नड़ सुपरस्टार यश के साथ काम करने का काजल ने शेयर किया अनुभव

'रामायण' फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण और सनी देओल भगवान हनुमान के रोल में दिखेंगे। जहां फैंस इस बड़ी स्टारकास्ट को एक साथ देखने के लिए एक्साइटेड हैं, वहीं काजल ने खुलासा किया है कि फिल्म के पहले पार्ट में उनका रोल काफी छोटा है।

पहले पार्ट में लिमिटेड है काजल का रोल

हाल ही में इंटरव्यू में काजल ने बताया कि पहले पार्ट में मंदोदरी का रोल ज्यादा नहीं दिखेगा। उन्होंने कहा कि कहानी का बड़ा हिस्सा लंका से पहले का है, इसलिए उनके किरदार को शुरुआती हिस्से में ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं मिलेगा। काजल ने कहा, 'हमने अभी सिर्फ पार्ट 1 की शूटिंग की है और जाहिर है उसमें लंका का हिस्सा कम है, और मैं मंदोदरी हूं। इसलिए मेरा रोल बहुत लिमिटेड है। इसके बावजूद ये अनुभव बहुत शानदार रहा है। इतनी बड़ी फिल्म का हिस्सा बनना, जो एक वर्ल्ड फिल्म होने वाली है, बहुत खास एहसास है। मैं बहुत आभारी हूं कि मैं ऐसी फिल्म का हिस्सा हूं, जो हमारे दिल के बहुत करीब है।'

काजल ने इस फिल्म में रावण का किरदार निभा रहे कन्नड़ सुपरस्टार यश के साथ काम करने का अनुभव भी शेयर किया। उन्होंने कहा कि वह पहले से ही उनके काम की फैन रही हैं और उनके साथ काम करना शानदार रहा। उन्होंने कहा, 'वो बहुत अच्छे एक्टर हैं। मैं हमेशा से उनके काम को पसंद करती आई हूं और इस प्रोजेक्ट में उनके साथ काम करना बहुत अच्छा अनुभव रहा। वो इस फिल्म को लेकर बहुत इन्वॉल्व हैं। वो बेहद प्रोफेशनल हैं और निश्चित तौर पर बहुत टैलेंटेड हैं।'

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायण' दो हिस्सों में रिलीज होगी। इसका पहला पार्ट दिवाली 2026 पर सिनेमाघरों में आएगा, जबकि दूसरा पार्ट दिवाली 2027 में रिलीज किया जाएगा। अब तक मेकर्स ने फिल्म की सिर्फ एक झलक दिखाई है, जिसमें रणबीर कपूर भगवान राम के रूप में नजर आए। साथ ही रवि दुबे (लक्ष्मण), साई पल्लवी (सीता) और अयोध्या की भव्य दुनिया की झलक भी देखने को मिली।

मैंने कभी भी निजी रिश्तों को अपने काम और कला के बीच नहीं आने दिया

अभिनेता और फिल्ममेकर कुणाल खेमू इन दिनों अपने नए रियलिटी शो 'अलायंस' को लेकर चर्चा में हैं। कुणाल ने हाल ही में उस सवाल का जवाब दिया, जो अक्सर उनसे पूछा जाता है। भारतीय सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित परिवारों में से एक का हिस्सा बनने के बाद क्या उन्हें कभी किसी तरह का दबाव या उम्मीदों का बोझ महसूस हुआ? इस पर कुणाल ने कहा कि उन्होंने कभी भी निजी रिश्तों को अपने काम और कला के बीच नहीं आने दिया। बातचीत में सवाल का जवाब देते हुए कुणाल ने कहा, ''नहीं, मेरे लिए मेरी कला और मेरे भीतर का कलाकार सबसे ज्यादा मायने रखता है। यही मेरे लिए सबसे अहम है। सच कहूं तो मैंने कभी इस नजरिए से सोचा ही नहीं कि मैं शर्मिला टैगोर का दामाद हूं।'' अगर मैं यह कहूं कि मैं इस बारे में सोचता हूं या इससे बचने की कोशिश करता हूं, तो यह झूठ होगा। यह बात मेरे दिमाग में रहती ही नहीं है।'' अभिनेता ने आगे कहा, ''मेरी क्रिएटिव जर्नी हमेशा एक्टिंग और फिल्ममेकिंग के प्रति मेरे पैशन से प्रेरित रही है। मैंने कभी इस बात को महत्व नहीं दिया कि मैं किस परिवार का हिस्सा हूं। किसी कलाकार की असली पहचान उसके काम से बनती है, न कि उसके पारिवारिक रिश्तों से।'' बता दें कि कुणाल खेमू ने अभिनेत्री सोहा अली खान से 25 जनवरी 2015 को शादी की थी। सोहा अली खान, दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर और दिवंगत क्रिकेटर मंसूर अली खान पटौदी की बेटी हैं।

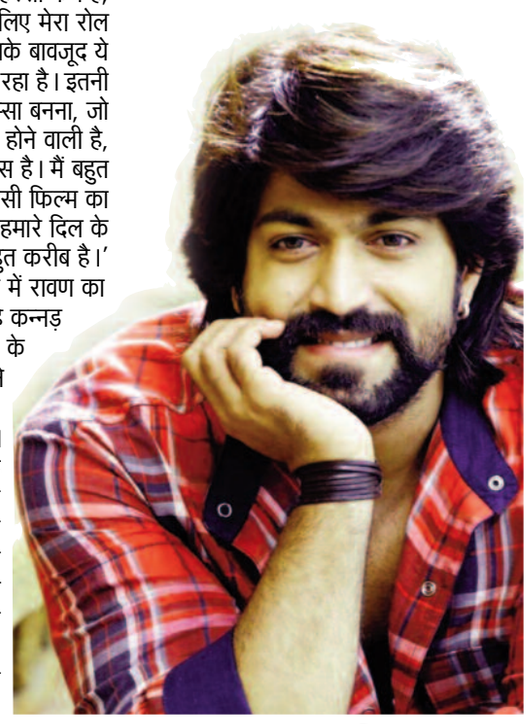

जॉम्बी सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म है रणवीर सिंह की अगली फिल्म 'प्रलय'

'धुरंधर' की सफलता के बाद फैंस रणवीर सिंह की अगली बड़ी फिल्म 'प्रलय' के बारे में अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्ममेकर जय मेहता की जॉम्बी सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म है। अब ऐसी जानकारी सामने आ रही है कि फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर में शुरू हो सकती है। साथ ही फिल्म का एक बड़ा हिस्सा ऑस्ट्रेलिया में शूट किया जाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'प्रलय' की शूटिंग सितंबर 2026 में शुरू होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, रणवीर ने इस प्रोजेक्ट के लिए तैयारी शुरू कर दी है। एक सोर्स ने बताया, 'रणवीर 2026 के दूसरे हाफ में जय मेहता के डायरेक्शन में बनने वाली इस फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। शूटिंग ऑस्ट्रेलिया में होगी और उन्होंने तैयारी शुरू भी कर दी है। फिल्म के बड़े पैमाने और जॉनर को देखते हुए इसके लिए जबरदस्त फिजिकल और इमोशनल तैयारी की जरूरत है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म का प्री-प्रोडक्शन अभी ऑस्ट्रेलिया में चल रहा है, जहां जय मेहता और उनकी टीम उन टेक्नीशियन्स के साथ मिलकर काम कर रही है जो पहले इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स से जुड़े रहे हैं। बताया जा रहा है कि मेकर्स प्रोडक्शन शुरू होने से पहले फिल्म की विशाल पोस्ट-एपोकैलिप्टिक दुनिया बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 'प्रलय' काफी हद तक विजुअल इफेक्ट्स पर निर्भर करेगी और राइटिंग टीम स्क्रीनप्ले और फिल्म की बड़ी जॉम्बी दुनिया को बेहतर बनाने का काम जारी रखेगी।

महिला प्रधान एक्शन फिल्मों के लिए उम्मीद भरा दौर है

बीते दिन शुक्रवार को यश राज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'अल्फा' रिलीज हुई, जिसमें आलिया भट्ट और शरवरी अहम भूमिकाओं में हैं। इसी के साथ हुमा कुरैशी अभिनीत 'बेबी डू डाई डू' ने भी दस्तक दी। दोनों फिल्मों के क्लैश पर हाल ही में हुमा कुरैशी ने चुप्पी तोड़ी।

फिल्म 'बेबी डू डाई डू' में हुमा कुरैशी ने एक मूक बधिर दिव्यांग का किरदार अदा किया है। इस भूमिका के लिए उनकी काफी तारीफ हो रही है। हाल ही में हुमा ने फिल्म पर बात की। हुमा ने कहा, 'मैं एक ऐसी महिला किलर का रोल कर रही हूं, जो सुन या बोल नहीं सकती। यह कोई कमी या कमजोरी नहीं है, बल्कि असल में उसकी ताकत है। आमतौर पर यह माना जाता है कि किलर हमेशा पुरुष ही होता है। महिला प्रधान एक्शन फिल्मों के लिए बढ़ते स्पेस के बारे में बात करते हुए हुमा कुरैशी ने कहा कि दर्शकों की बदलती उम्मीदों और अलग-अलग क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की वजह से, मौजूदा समय महिलाओं के नेतृत्व वाली एक्शन फिल्मों के लिए एक उम्मीद भरा दौर है। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम कहीं पीछे रहने वाले हैं। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। बातचीत के दौरान हुमा कुरैशी ने 'बेबी डू डाई डू' और 'अल्फा' के बॉक्स ऑफिस टकराव पर भी चुप्पी तोड़ी। हुमा ने दोनों महिला प्रधान फिल्मों के एक साथ आने का स्वागत किया। हुमा ने कहा, 'मैं 'अल्फा' को कॉम्पिटिशन के तौर पर नहीं देखती। मुझे लगता है कि हर तरह की फिल्में बनने और देखे जाने की गुंजाइश है। हमारी फिल्म इंडिपेंडेंटली बनी है। मैं यह भी नहीं देख रही कि उस वीकएंड और क्या रिलीज हो रहा है? बस अपने दर्शकों तक पहुंचना चाहती हूं। दूसरी ओर, मुझे यह बहुत अच्छा लगता है कि हम ऐसे दौर में हैं जहां बॉक्स ऑफिस पर दो महिला-प्रधान फिल्में टकरा रही हैं। हम उस मुकाम पर पहुंच चुके हैं, जहां यह असलियत है।

मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' जैसी नहीं होगी 'हैवान'

सैफ अली खान और अक्षय कुमार जल्द ही फिल्म 'हैवान' में एक साथ नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को लेकर सैफ ने बताया कि उनकी आने वाली फिल्म 'हैवान' उनकी 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' जैसी बिल्कुल नहीं है। एक खबर के अनुसार, सैफ ने बताया कि 'हैवान' में अक्षय कुमार एक खतरनाक विलेन के रोल में नजर आएंगे। सैफ उन्हें इस नए अवतार में देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। सैफ ने अक्षय को अपने बड़े भाई जैसा बताया है। उनका कहना है कि दोनों की 30 साल पुरानी दोस्ती है, दोनों एक-दूसरे की बहुत इज्जत करते हैं और उनके बीच की केमिस्ट्री कमाल की है। भले ही फिल्म 'हैवान' की कहानी बहुत गंभीर है, लेकिन शूटिंग के दौरान अक्षय और सैफ कैमरे के पीछे खूब मजाक-मस्ती करते थे। उनकी इन शरारतों को देखकर निर्देशक प्रियदर्शन उन्हें अक्सर बच्चों की तरह डांटते भी थे। 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' जैसी पिछली फिल्मों में दोनों ने दर्शकों को खूब हंसाया था। लेकिन सैफ ने साफ किया है कि 'हैवान' कोई कॉमेडी फिल्म नहीं है, बल्कि यह एक गंभीर कहानी पर आधारित है। आखिर में सैफ ने कहा कि अगर भविष्य में कोई अच्छी स्क्रिप्ट मिली, तो वह अक्षय के साथ फिर से कोई कॉमेडी फिल्म जरूर करेंगे। लेकिन फिलहाल दर्शकों को 'हैवान' में इन दोनों का एक बिल्कुल अलग और रोमांचक अंदाज देखने को मिलेगा। 'हैवान' का निर्देशक प्रियदर्शन कर रहे हैं। यह एक थ्रिलर फिल्म है। 'हैवान' में अक्षय कुमार और सैफ अली खान साथ नजर आएंगे।

आज हर वो शख्स क्रिएटर है, जिसके पास फोन है

पिछले दिनों अपनी फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' में नर्स की भूमिका में तारीफें बटोरने वाली कंगना इन दिनों एक बार फिर चर्चा में हैं रिएलिटी शो 'लॉकअप' को लेकर। उनकी 'क्वीन 2' को लेकर भी खबरें हैं है कि वो फिल्म पूरी हो चुकी है। अपनी भूमिकाओं में जान डाल देने वाली यह अभिनेत्री पॉलिटिशियन के रूप में भी धाकड़ हैं। हिमाचल की रहने वाली कंगना जब छोटी उम्र में घर वालों की खिलाफत करके दिल्ली आईं, तब तक उनके लिए अभिनेत्री बनने का रास्ता बहुत मुश्किल रहा। मगर पहले गैंगस्टर, फिर तनु वेड्स मनु और क्वीन ने उन्हें अभिनेत्री के रूप में स्थापित कर दिया। कई खट्टे-मीठे अनुभवों से गुजरी कंगना अपने जीवन की उपलब्धियों में कई लोगों के योगदान की बात करती हैं।

कंगना का मानना है कि अपने अकेले दम पर कोई भी इंसान कुछ हासिल नहीं कर सकता। वे कहती हैं, 'इंसान की जिंदगी में कई लोग होते हैं, जो किस्मत को संवारते हैं। माता, पिता, गुरु से शुरू होने वाला ये सिलसिला चलता जाता है। आज जो शब्दावली मैं बोल भी पा रही हूं, तो उसमें कई लोगों का योगदान है। जब मैं अभिनय के क्षेत्र में आई, उस वक्त अनुराग बसु मेरे करियर में अहम साबित हुए, जिन्होंने मुझे गैंगस्टर जैसी फिल्म दी और फिर विकास बहल जैसे फिल्मकार जिन्होंने क्वीन से मुझे सफलता दिलाई। पिछले कुछ समय से इंडस्ट्री पर स्लो डाउन के बादल मंडरा रहे हैं और कहा जा रहा है कि फिल्मों का बजट, स्टार्स की फीस जैसे फैक्टर्स में यदि सुधार नहीं हुआ, तो फिल्म उद्योग खतरे में पड़ जाएगा। इस पर कंगना कहती हैं, 'फिल्म इंडस्ट्री को उठना तो पड़ेगा ही। मुझे याद है, आज से दस साल पहले मैं और शेखर कपूर (फिल्मकार) किसी बात पर चर्चा कर रहे थे और उन्होंने मुझसे कहा, कंगना जिसके हाथ में कैमरा या मोबाइल होगा, वो एक फिल्म बनाएगा। उस वक्त मुझे लगा था कि हर कोई डायरेक्टर नहीं बन सकता। मुझे उनकी बात जंची नहीं थी। मगर आज देखिए, आज इंटरनेट पर लोग दो-दो मिनट की फिल्म बना रहे हैं। कोई ट्रेन में चढ़ा हुआ है, तो कोई दूर-दराज के गांव में बैठी कोई महिला दूध दुहना सिखा रही है, कोई खाना पकाना सिखा रहा है, तो कोई मेकआप टिप्स दे रहा है और आप सभी इस सिस्टम में पूरी तरह से एंगेज हो गए हैं। दूसरों की क्या कहूं, मेरे खुद के माता-पिता आज रील्स में इतना बिजी हैं। आज रिलेटेबल रोल्स खत्म होते जा रहे हैं। पुष्पा जैसा मजदूर आपने कब देखा था? शायद अमिताभ बच्चन जी के दौर में।'

जॉन सर सही मायनों में कूल हैं

कंगना की नई फिल्म को लेकर एक दिलचस्प बात ये है कि इसका शीर्षक जॉन अब्राहम के पास रजिस्टर था, मगर उन्होंने खुशी-खुशी इसे कंगना को दे दिया। इस पर कंगना कहती हैं, 'इंसान वहीं मांगता है, जहां उसे उम्मीद होती है। जॉन सर के साथ शूटआउट एट वडाला की थी। उनके बारे में जो कहा जाता है कि वे अपने काम से काम रखते हैं और सही मायनों में कूल गाय है। उनके साथ एक कमाल का कंफर्ट था। मैं इसे दोस्ती तो नहीं कहूंगी, क्योंकि दोस्ती की अलग-अलग परिभाषा होती है। जो मैंने उनका बर्ताव देखा, तो पाया कि वे अपने काम से काम रखते हैं, मगर ऐसा भी नहीं हैं कि दुनिया-जहान से ला-ताल्लुक हैं। अप्रोचेबल हैं, रीचेबल हैं,, अगर हैं अपनी दुनिया में। मैंने जब भी उनके साथ काम, किया, मुझे बहुत मजा आया। हमारी इस फिल्म का नाम पहले नर्सेज ऑफ कामा था, मगर शीर्षक में वो बात नहीं आ पा रही थी। तब टाइटल आया, भारत भाग्य विधाता, मगर फिर पता चला कि ये शीर्षक तो जॉन सर के पास है। जाहिर है, वो निर्माता भी हैं, तो एक निर्माता कई सालों तक पैसे जमा कर करके अपने टाइटल को सुरक्षित रखता है। मुझे लगा मैं इस शीर्षक के लिए किसी तरह से उन्हें मना ही लूंगी, मगर उसकी नौबत नहीं आई। मेरे कहने भर से उन्होंने मुझे दे दिया। उनका दिल बहुत बड़ा है।'

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान ने माना, बलूचिस्तान में 38 सुरक्षा कर्मी मारे गए

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूचिस्तान में पिछले चार दिनों में बलूच लिबरेशन आर्मी और तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान ने पाकिस्तान सेना और पुलिस के 38 जवानों को मार गिराया। खुद पाकिस्तानी सेना की इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक, लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने बुधवार को यह जानकारी दी। जियो टीवी के अनुसार, लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पहली घटना 4 और 5 जुलाई की रात को हन्ना उराक में हुई थी। यहां मांगी डैम पर पहले दिन नौ पुलिसकर्मी मारे गए और बाद में 18 और मारे गए, जिससे कुल संख्या 27 हो गई। तीसरी घटना डेला बंदर में बुधवार को सेना के काफिले से जुड़े एक ऑपरेशन के दौरान हुई। काफिले और बीएलए सदस्यों के बीच मुठभेड़ हुई। काफिले पर हमले में एक जूनियर कमीशंड ऑफिसर समेत 11 जवान मारे गए। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने जियारत ज़िले में हुए हमले की जिम्मेदारी ली है।

बांग्लादेश में लैंडस्लाइड से 8 बच्चों की मौत, 5 घायल; लगातार बारिश के बीच बाढ़ का खतरा बढ़ा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के कॉक्स बाजार जिले के उखिया स्थित रोहिंग्या शरणार्थी कैंप में बुधवार को लैंडस्लाइड में 8 बच्चों की मौत हो गई और 5 घायल हैं। सभी बच्चों की उम्र 7 से 12 साल के बीच थी। बांग्लादेश मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी दी है। लगातार हो रही भारी बारिश और भारत से आने वाले ऊपरी इलाकों के पानी की वजह से देश के कई हिस्सों में बाढ़ का खतरा भी बढ़ गया है। रिफ्यूजी रिलीफ एंड रिपैट्रिएशन कमिश्नरके बयान के अनुसार, घटनास्थल से 13 बच्चों को बाहर निकाला गया। इनमें से चार बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार ने अस्पताल ले जाते समय या इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बाकी पांच बच्चों का अस्पताल और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में इलाज चल रहा है। इसी बीच, अंधेरा होने के बाद फायर सर्विस ने बचाव अभियान रोक दिया।

ऑस्ट्रेलिया में टेल्सट्रा का नेटवर्क ठप: 12 घंटे तक मोबाइल सेवाएं बाधित, ट्रेनें रुकीं

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी टेल्सट्रा के नेटवर्क में बुधवार तड़के आई तकनीकी खराबी से देशभर में मोबाइल कॉल और डेटा सेवाएं करीब 12 घंटे तक प्रभावित रहीं। इसका असर ट्रेन सेवाओं, डिजिटल पेमेंट सिस्टम और इमरजेंसी कॉल पर भी पड़ा। कंपनी ने स्पष्ट किया कि यह साइबर अटैक नहीं बल्कि सिडनी और मेलबर्न के डेटा सेंटर में टाइम-कीपिंग सर्वर से जुड़े सॉफ्टवेयर डिफेक्ट के कारण हुआ। आउटेज के दौरान कुछ इमरजेंसी कॉल कनेक्ट नहीं हो सकीं। कंपनी ने ऐसे सभी मामलों की समीक्षा की और प्रभावित लोगों का वेलफेयर चेक कराया। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने इस घटना को 'बेहद चिंताजनक' बताया। संचार मंत्री अनिका वेल्स ने कहा कि ऑस्ट्रेलियन कम्युनिकेशंस एंड मीडिया अथॉरिटी पूरे मामले की जांच करेगी। नेटवर्क बाधित होने से विक्टोरिया में सभी क्षेत्रीय ट्रेन सेवाएं रद्द करनी पड़ीं, जबकि न्यू साउथ वेल्स में भी कई ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। फ्रेट सर्विसेस भी प्रभवित रहीं।

मरीन ले पेन को राहत: अपील कोर्ट ने चुनावी प्रतिबंध घटाया; 2027 का राष्ट्रपति चुनाव लड़ सकेंगी

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की अपीलीय अदालत ने दक्षिणपंथी नेता मरीन ले पेन को यूरोपीय संसद फंड के दुरुपयोग मामले में दोषी तो माना, लेकिन उन पर सार्वजनिक पद संभालने की पाबंदी कम कर दी। इसके बाद ले पेन ने घोषणा की है कि वह 2027 का राष्ट्रपति चुनाव लड़ेंगी। पेरिस कोर्ट ऑफ अपील ने ले पेन पर लगाए गए पांच साल के चुनावी प्रतिबंध को घटाकर 45 महीने कर दिया, जिनमें से 30 महीने निलंबित रहेंगे। अदालत ने यह भी माना कि 31 मार्च 2025 से वह पहले ही प्रतिबंध की अवधि पूरी कर रही हैं। इस वजह से वह 2027 का राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए पात्र हो गई हैं। अदालत ने उन्हें तीन साल की जेल की सजा भी सुनाई है। इसमें दो साल की सजा निलंबित है, जबकि एक साल इलेक्ट्रॉनिक निगरानी के साथ नजरबंदी में बिताना होगा।

ईरान का खौफ: ट्रंप ने बीच रास्ते में बदला विमान, कतर का जेट छोड़ पुराने 'एयरफोर्स वन' में बैठे

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर से तनाव चरम पर है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। तुर्की के अंकारा में आयोजित नाटो शिखर सम्मेलन से वापस लौटते समय ट्रंप ने कतर द्वारा गिफ्ट में दिए गए नए बोइंग 747-8 जेट की बजाय अपने पुराने 'एयरफोर्स वन' से उड़ान भरी। ब्रिटेन के आरएएफ मिल्डेनहॉल में एक छोटे से ठहराव के बाद विमान बदलने के इस फैसले ने राष्ट्रपति की सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

सीक्रेट सर्विस की सलाह पर लिया गया फैसला: द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच फिर से शुरू हुए संघर्ष के बाद, यूएस सीक्रेट सर्विस ने राष्ट्रपति ट्रंप को विमान बदलने की सलाह दी थी। अधिकारियों का कहना है कि यह कदम किसी विशेष खतरे की प्रतिक्रिया के बजाय केवल एहतियात के तौर पर उठाया गया था। दरअसल, कतर की ओर से मिले नए विमान में अभी तक वे सभी एडवांस सुरक्षा फीचर्स इंस्टॉल नहीं किए गए हैं, जो मौजूदा 'एयरफोर्स वन' के बेड़े में मौजूद होते हैं।

हालांकि, वाइट हाउस ने इन दावों को पूरी तरह खारिज किया है कि नया विमान असुरक्षित है। वाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने स्पष्ट किया कि नया जेट 'उच्च-स्तरीय सुरक्षा प्रोटोकॉल' से लैस है। उन्होंने कहा कि प्रशासन राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए 'ध्यान भटकाने और गुमराह करने' समेत अपने हर उपलब्ध टूल का इस्तेमाल करता है।

ट्रंप बोले- 'मैं उनकी हिट लिस्ट में नंबर वन हूं': विमान बदलने के पीछे सुरक्षा चिंताओं की बात को खुद ट्रंप ने भी खारिज कर दिया। ब्रिटेन से रवाना होने के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, 'मुझ पर हमेशा खतरा मंडराता रहता है। मैं उनकी लिस्ट में नंबर वन हूं। ट्रंप ने बताया कि ब्रिटेन के आरएएफ मिल्डेनहॉल में रुकने का असली मकसद वहां तैनात अमेरिकी सैन्यकर्मियों को नया विमान दिखाना था। उन्होंने नए विमान को 'बिल्कुल नया और शानदार' बताते हुए सैन्यकर्मियों के साथ इसकी तस्वीरें भी साझा कीं और कहा कि वे लोग इसे देखकर काफी उत्साहित थे। पुरानी 'एयरफोर्स वन' से सफर करने के पीछे ट्रंप ने कहा कि उन्होंने 'पुरानी यादों को ताजा करने के लिए' ऐसा किया है।

खिड़कियों के ब्लाइंड्स बंद रखने का था निर्देश: इस यात्रा के दौरान पुरानी एयरफोर्स वन में सफर कर रहे पत्रकारों को फ्लाइट में खिड़कियों के ब्लाइंड्स (पर्दे) बंद रखने का सख्त निर्देश दिया गया था। ट्रंप ने बताया कि यह पाबंदी उनके निजी कंपार्टमेंट पर लागू नहीं थी। उन्होंने ईरान की ओर स्पष्ट रूप से इशारा करते हुए कहा कि शायद ऐसा यहां मौजूद 'स्लीजबैग्स' की वजह से किया गया हो। विमान बदलने का यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब ईरान और अमेरिका के बीच सैन्य संघर्ष तेज हो गया है। अमेरिका ने तेहरान पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में कमर्शियल जहाजों पर हमला करने का आरोप लगाते हुए ईरानी ठिकानों पर नए सिरे से हवाई हमले किए हैं। इसके जवाब में ईरान ने भी बहरीन और कुवैत में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर जवाबी हमले किए हैं। हालात इतने तनावपूर्ण हो गए कि बहरीन, कुवैत और कतर में मिसाइल हमले के चेतावनी सायरन बजने लगे। वहीं, कुवैत की सेना ने दावा किया है कि उसने अपनी तरफ आ रही मिसाइलों और ड्रोन्स को बीच हवा में ही मार गिराया है।

न्यूक्लियर प्रोग्राम नहीं, ईरान से 'होर्मुज' पर नहीं हो पाई डील: जेडी वेंस

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच फिर से गोलाबारी शुरू हो गई है। पहले ईरान ने होर्मुज में जहाजों पर हमला किया और उसके बाद अब अमेरिका ने पलटवार किया। ईरान के बंदरगाहों पर हवाई हमले किए। इस बीच, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बताया है कि ईरान से शांति वार्ता की कोशिशों के बीच गोलीबारी कैसे शुरू हो गई और किस वजह से शांति को लेकर समझौता नहीं हो पाया। जेडी वेंस के मुताबिक, ईरान का न्यूक्लियर प्रोग्राम खत्म कर दिया गया। उनकी पारंपरिक सेना को भी खत्म कर दिया गया है। हमारी डील की मुख्य बात यह थी कि अगर आप जहाजों पर गोलाबारी को रोक देंगे, तो हम अपनी नाकेबंदी को हटा लेंगे। लेकिन अगर आप जहाजों पर बम-गोले दागेंगे, तो हम पलटवार करेंगे और पहले से कहीं ज्यादा जोरदार पलटवार करेंगे। डील यही थी। लेकिन 24 घंटे पहले क्या हुआ? ईरान ने फिर से जहाजों पर गोलाबारी शुरू कर दी। हमारी डील बहुत सीधी-सादी है लेकिन ईरान नहीं मान रहा है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने आगे कहा, 'डोनाल्ड ट्रंप ने उनसे बहुत साफ शब्दों में कहा कि Strait of Hormuz खुला रहेगा। इसका मतलब है कि अमेरिकी लोगों तक तेल और गैस की सप्लाई होती रहेगी। ट्रंप ने कहा कि वह अहम रास्ता जिससे विश्व की बहुत सारी ऊर्जा की सप्लाई होती है।

ट्रंप से रिश्ते सुधारने की कोशिशों पर इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी बोलीं- कोई पछतावा नहीं

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ करीबी संबंध बनाने की कोशिशों पर उन्हें कोई पछतावा नहीं है। पिछले कुछ हफ्तों से दोनों नेताओं के बीच ईरान मुद्दे पर सार्वजनिक बहस, निजी टिप्पणियां और सोशल मीडिया पर नोकझोंक चल रही है। इसके बावजूद मेलोनी अपने फैसले पर पूरी तरह कायम हैं।

बुधवार को अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन के बाद मेलोनी ने ट्रंप के साथ संबंध बनाने के अपने प्रयासों का बचाव किया। उन्होंने कहा कि उनका यह दृष्टिकोण हमेशा इटली के राष्ट्रीय हितों और पश्चिमी देशों की एकता पर आधारित रहा है, न कि व्यक्तिगत राजनीति पर। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें ट्रंप के साथ करीबी संबंध बनाने की कोशिश पर पछतावा है, तो उन्होंने थोड़ा रुककर पानी पिया और दृढ़ता से कहा, नहीं, मुझे अपने किए पर बिल्कुल भी पछतावा नहीं है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों की एकता में विश्वास के कारण उन्होंने यह राजनीतिक निवेश किया था। यह कोई ऐसी रणनीति नहीं है जो उन्होंने केवल ट्रंप के आने पर अपनाई हो, बल्कि वह सभी नेताओं के साथ ऐसा ही करती हैं। कभी मेलोनी को यूरोप में ट्रंप का सबसे करीबी राजनीतिक सहयोगी माना जाता था। वह ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने वाली एकमात्र यूरोपीय शासनाध्यक्ष थीं।

उन्हें वाशिंगटन और यूरोपीय राजधानियों के बीच एक पुल के रूप में देखा जाता था। लेकिन पिछले कुछ महीनों में दोनों के रिश्ते खराब हो गए हैं। दरार तब शुरू हुई जब मेलोनी ने पोप लियो पर ट्रंप के हमलों की आलोचना की। पोप ने ईरान युद्ध की निंदा की थी। इसके बाद इटली ने पश्चिम एशिया जा रहे अमेरिकी सैन्य विमानों को सिसिली के सिगोनेला हवाई अड्डे का उपयोग करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। इससे रिश्ते और बिगड़ गए। ट्रंप ने ईरान पर इटली के रुख की आलोचना की और अमेरिका का समर्थन न करने का आरोप लगाया, हालांकि उन्होंने मेलोनी को एक अच्छी इंसान भी बताया। विवाद तब और बढ़ गया जब ट्रंप ने दावा किया कि फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान मेलोनी ने उनसे तस्वीर खिंचवाने की भीख मांगी थी।

ईरान ने किया बहरीन और कुवैत में हमले का दावा, अमेरिकी ड्रोन को मार गिराने की भी बात कही

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका द्वारा ईरान के दक्षिणी प्रांतों में किए गए हवाई हमलों के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई का दावा किया है। ईरान ने कहा कि उसने बहरीन और कुवैत में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया है। इसके साथ ही ईरान ने यह भी दावा किया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने बुशेहर प्रांत के ऊपर एक अमेरिकी रूक्त-9 ड्रोन को मार गिराया है। ईरानी सेना के बयान में कहा गया, 'अमेरिकी दुश्मन द्वारा देश के दक्षिणी क्षेत्रों पर किए गए हमले के बाद हमारी सेना के ड्रोन ने बहरीन स्थित शेख ईसा एयर बेस पर मौजूद अमेरिकी बलों के ठिकानों पर हमला किया।' इससे पहले ईरान की आईआरजीसी ने दावा किया कि उसने नौसेना और एयरोस्पेस बलों के संयुक्त अभियान में बहरीन और कुवैत में 85 महत्वपूर्ण अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। आईआरजीसी ने कहा कि उसके मिसाइल और ड्रोन हमलों में बहरीन के सलमान पोर्ट, वहां तैनात अमेरिकी पांचवें बेड़े के ठिकानों और कुवैत के अली अल सलेम एयर बेस को निशाना बनाया गया। अमेरिकी सेना की ओर से बुधवार तड़के किए गए।

पाकिस्तानी कार्गो प्लेन का मलबा बलूचिस्तान तट के पास मिला

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान का एक कार्गो विमान मंगलवार रात कराची पहुंचने से पहले लापता हो गया था। विमान शारजाह से कराची आ रहा था और उसमें 5 क्रू मेंबर सवार थे। पाकिस्तानी खोजी दलों ने बलूचिस्तान के तट के पास अरब सागर में ओर्मारा से 53 समुद्री मील (लगभग 98 किलोमीटर) दूर विमान का मलबा बरामद कर लिया है। पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी के मुताबिक, रात 9:18 बजे पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को नेविगेशन सिस्टम में खराबी की जानकारी दी थी। कंट्रोल रूम ने विमान को गाइड करने की कोशिश की, लेकिन करीब तीन मिनट बाद उसका संपर्क टूट गया। आखिरी बार विमान कराची से 155 नॉटिकल मील (287 किमी) पश्चिम में ट्रैक किया गया। विमान के लापता होने के बाद अरब सागर में बड़े स्तर पर सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया था। पाकिस्तान नेवी, एयर फोर्स और अन्य एजेंसियां खोज अभियान में जुटी रही।

कहां मिला मलबा: करीब 12 घंटे के बड़े सर्च ऑपरेशन के बाद ओर्मारा बंदरगाह से 53 नॉटिकल मील दक्षिण में विमान का मलबा बरामद किया गया। विमान ने मंगलवार शाम शारजाह से उड़ान भरी थी। संपर्क टूटने से ठीक पहले विमान की ओर से नेविगेशन सिस्टम में खराबी की रिपोर्ट दी गई थी।

कैसे हुआ हादसा: पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी के मुताबिक, रडार डेटा से पता चला है कि विमान ने अचानक अपनी दिशा में बड़ा बदलाव किया और फिर तेजी से नीचे की ओर गिरने लगा। स्थानीय समयानुसार मंगलवार रात करीब 9:21 बजे कराची से लगभग 155 नॉटिकल मील पश्चिम में विमान का रेडियो और रडार से संपर्क पूरी तरह टूट गया था।

रेस्क्यू ऑपरेशन में कौन-कौन शामिल: हादसे का अलर्ट मिलते ही बड़े पैमाने पर सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। अरब सागर में चलाए जा रहे इस अभियान में पाकिस्तान नेवी के युद्धपोत 'पीएनएस जुल्फिकार', नेवल सर्विलांस एयरक्राफ्ट, पाकिस्तान एयरफोर्स के विमानों के साथ-साथ मर्चेंट जहाजों को भी तैनात किया गया है।

ये 5 क्रू मेंबर हैं लापता: के2 एयरवेज ने बयान जारी कर बताया है कि विमान में सवार सभी 5 लोगों का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है और वे पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रहे हैं।

पीएम शहबाज शरीफ ने क्या कहा: पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने लापता क्रू मेंबर्स के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि बचाव अभियान में तेजी लाने के लिए हर संभव संसाधनों का इस्तेमाल किया जाए।

हादसे की वजह पर एक्सपर्ट्स की राय: हालांकि विमान के गायब होने से पहले नेविगेशन सिस्टम में खराबी की बात सामने आई थी, लेकिन एविएशन एक्सपर्ट्स का कहना है कि हादसे की असली वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। पाकिस्तानी ब्रॉडकास्टर एआरवाई न्यूज से बातचीत में एविएशन एनालिस्ट इमरान असलम ने बताया कि अगर विमान का इंजन फेल भी हो जाए।

भारतीय इंजीनियर ने अमेरिका में की पत्नी की हत्या

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में रह रहे एक 30 वर्षीय भारतीय इंजीनियर को यूएस पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इंजीनियर पर नौ माह पहले अपनी पत्नी की हत्या का आरोप है। पुलिस ने बताया कि भारतीय इंजीनियर अविनाश नारने ने अपनी पत्नी रंजीता सब्बीनेनी की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद आरोपी ने पत्नी के शव की फोटो भारत में रह रही अपनी प्रेमिका को भी भेजी थी। पुलिस जांच के बाद हत्या का मामला साफ हो जाने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

ऐसे रची भारतीय इंजीनियर ने साजिश: 27 अक्टूबर, 2025 को, सॉफ्टवेयर इंजीनियर नारने ने पुलिस को फोन करके बताया कि उनकी पत्नी बाथरूम में बंद हैं और बाहर नहीं आ रही हैं। जब पुलिस ने बाथरूम का दरवाजा तोड़ा, तो उन्हें सबिनेनी जमीन पर पड़ी मिलीं। अधिकारियों ने उन्हें मौके पर ही मृत घोषित कर दिया। पूछताछ के दौरान, नारने ने पुलिस को बताया कि वह कुछ काम से अपार्टमेंट से बाहर गए थे। जब वह लगभग 40 मिनट बाद घर लौटे, तो उन्होंने सबिनेनी को बाथरूम में बंद पाया। हालांकि, अधिकारियों को नारने के बाहर रहने के दौरान घर में किसी और के घुसने का कोई सबूत नहीं मिला।

भारत में रहने वाली लड़की से थे प्रेम संबंध: अगले दिन, किंग काउंटी मेडिकल एग्जामिनर ऑफिस ने सबिनेनी की मौत को हत्या करार दिया और कहा कि उनकी मौत गला घोंटे जाने के कारण दम घुटने से हुई थी। जांच से पता चला कि नारने का भारत में एक महिला के साथ कई वर्षों से रिश्ता था। उस महिला के साथ रिश्ते में रहते हुए ही, नारने की 5 जून, 2025 को सबिनेनी से शादी हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि नारने की गर्लफ्रेंड भी उनकी शादी में शामिल हुई थी। हालांकि, सबिनेनी से शादी के बाद भी दोनों का रिश्ता चलता रहा।

प्रेमिका को पत्नी के शव की तस्वीर भेजी: घटना वाले दिन, नारने ने अपनी गर्लफ्रेंड को कम से कम चार बार फोन किया था, जिसमें वह समय भी शामिल था जब उन्होंने पुलिस को बताया था कि वह बंद बाथरूम में घुसने की कोशिश कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि नारने ने अपनी गर्लफ्रेंड को अपनी पत्नी की लाश की तस्वीर भी भेजी थी। अधिकारियों को जांच में सबिनेनी के नारने को भेजे गए टेक्स्ट मैसेज भी मिले, जिनमें सब्बीनेनी ने कई बार शिकायत की थी कि नारने जो ड्रिंक्स उनके लिए बनाते थे, उनका स्वाद कड़वा होता था। अपनी मौत के दिन, उन्होंने अपने पति को मैसेज किया था कि उनके बनाए स्मूदी का स्वाद दवा और कफ सिरप जैसा था। 5 जुलाई को नारने पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर का आरोप लगाया गया। अधिकारियों का कहना है कि उसे उम्रकैद की सजा हो सकती है।

डीआर कांगो में इबोला वायरस का कहर जारी, 600 तक पहुंचा मौत का आंकड़ा

किंशासा, एजेंसी। लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो (डीआरसी) में इबोला वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। देश के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इससे मरने वालों की संख्या 600 तक पहुंच गई है और 1,759 मामलों की पुष्टि हुई है। बुधवार देर रात जारी एक अपडेट में स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि अभी कुल 750 मरीज आइसोलेशन या अस्पताल में भर्ती हैं और अस्पतालों में 94 प्रतिशत बेड भरे हुए हैं। बुंडीबुग्यो इबोला वायरस से होने वाला यह प्रकोप, जिसे 15 मई को घोषित किया गया था, देश का 17वां इबोला प्रकोप है। इसने तीन प्रांतों - इतुरी, नॉर्थ किवु और साउथ किवु - के 37 स्वास्थ्य क्षेत्रों को प्रभावित किया है।

शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रकोप से निपटने में कई बाधाएं आ रही हैं, जिनमें पोस्टमार्टम के लिए सैंपल लेने का समुदाय द्वारा विरोध, इलाज की अपर्याप्त क्षमता, कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग में कमी, सीमित सप्लाई, असुरक्षा और हथियारबंद समूहों से प्रभावित इलाकों तक सीमित पहुंच शामिल हैं। डीआरसी ने मई के मध्य में इस प्रकोप की घोषणा की थी। स्वास्थ्य अधिकारियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों ने बार-बार चेतावनी दी है कि असुरक्षा, लोगों की आवाजाही, स्वास्थ्य सुविधाओं पर दबाव और अधूरी कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग के कारण स्थिति से निपटना मुश्किल हो रहा है। इबोला वायरस से होने वाली एक दुर्लभ, गंभीर और अक्सर जानलेवा बीमारी है।

यह वायरस जंगली जानवरों (जैसे फ्रूट बैट) से इंसानों में फैलता है और संक्रमित व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थों (बॉडी फ्लूइड्स) के सीधे संपर्क से फैलता है। इसमें अचानक फ्लू जैसे लक्षण और बुखार आता है। इससे शरीर के अंग काम करना बंद कर सकते हैं। मई 2018 में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और युगांडा में इबोला प्रकोप की पुष्टि हुई थी। इसमें शामिल इबोला की बुंडीबुग्यो प्रजाति के लिए कोई वैक्सीन या खास इलाज नहीं है, हालांकि संभावित वैक्सीन पर काम चल रहा है। यह प्रकोप एक चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में हो रहा है: मानवीय संकट, दूरस्थ और घनी आबादी वाला क्षेत्र, साथ ही असुरक्षा और भारी जनसंख्या एवं व्यापारिक आवागमन। इसके लक्षण आमतौर पर वायरस के संपर्क में आने के 2 से 21 दिनों के भीतर दिखाई देते हैं। इनमें अचानक बुखार, थकान, मांसपेशियों में दर्द, तेज़ सिरदर्द, गले में खराश, उल्टी, दस्त, पेट दर्द और गंभीर मामलों में बिना किसी स्पष्ट कारण के ब्लीडिंग या शरीर पर निशान पड़ना शामिल है।

अब यूक्रेन खुद बनाएगा पैट्रियट एयर डिफेंस, रूस की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी भीषण युद्ध के बीच एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने वैश्विक कूटनीति और युद्ध के मैदान की समीकरणों को पूरी तरह बदल दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तुर्की में आयोजित [illegible] शिखर सम्मेलन के दौरान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की को अब तक का सबसे बड़ा 'रक्षा तोहफा' दिया है।

यूक्रेन को मिला 'सुरक्षा कवच' का लाइसेंस: तुर्की में दुनिया के दिग्गज नेताओं की मौजूदगी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया कि अमेरिका अब यूक्रेन को पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम बनाने का आधिकारिक लाइसेंस देगा। यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि यूक्रेन न केवल अमेरिकी मदद पर निर्भर रहे, बल्कि अपनी धरती पर खुद इन मिसाइलों का निर्माण कर रूसी मिसाइल हमलों का मुंहतोड़ जवाब दे सके। जेलेंस्की पिछले काफी समय से अमेरिका से इस तकनीक और लाइसेंस की मांग कर रहे थे, जिसे अब ट्रंप प्रशासन ने हरी झंडी दे दी है।

क्यों 'जैकपॉट' है पैट्रियट सिस्टम: पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम को दुनिया की सबसे घातक जमीन से हवा में मार करने वाली तकनीक माना जाता है। अमेरिकी दिग्गज कंपनियों लॉकहीड मार्टिन और रेथियॉन द्वारा विकसित यह सिस्टम किसी भी आधुनिक हमले को नाकाम करने में सक्षम है। इसकी विशेषताएं इसे बेहद खास बनाती हैं:

घातक मिसाइलें: पूरे सिस्टम में एक रडार सेट, एंगेजमेंट कंट्रोल स्टेशन, मिसाइल लॉन्चर और घातक मिसाइलें शामिल होती हैं। वर्तमान में दुनिया के केवल 13 चुनिंदा देशों के पास ही यह तकनीक उपलब्ध है और अब यूक्रेन इस सूची में अपना नाम मजबूती से दर्ज करा रहा है।

'शांति की ओर एक बड़ा कदम': इस घोषणा के बाद राष्ट्रपति जेलेंस्की ने डोनाल्ड ट्रंप और उनकी टीम के साथ हुई बैठक को बेहद सकारात्मक बताया। जेलेंस्की ने कहा कि वे लोगों की जान बचाने के लिए यूक्रेन के एयर डिफेंस को मजबूत करने के अमेरिकी फैसले के लिए आभारी हैं। उन्होंने जोर दिया कि इस बातचीत से यूक्रेन की स्थिति न केवल युद्ध के मैदान में मजबूत होगी, बल्कि यह कूटनीति और शांति की दिशा में भी एक बड़ा कदम साबित होगा।

युद्ध की दिशा पर प्रभाव: यूक्रेन को पैट्रियट बनाने का लाइसेंस मिलना रूस के लिए एक बड़ी चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। अब तक यूक्रेन को इन मिसाइलों के लिए अमेरिका की सप्लाई चेन पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब स्थानीय स्तर पर उत्पादन शुरू होने से यूक्रेन की रक्षा क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी। यह कदम स्पष्ट करता है कि आने वाले समय में रूस-यूक्रेन संघर्ष एक नए और अधिक तकनीकी मोड़ पर पहुंचने वाला है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)